बजट भूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मोदी की गारंटी वाला बजट

बजट 2025

ग्रामीण विकास
2.66 लाख करोड़ रुपए
1.5 लाख ग्रामीण डाकघरों से गांवों को मिलेगा बूस्ट, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जाएगा

शिक्षा
1.28 लाख करोड़ रुपए
मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में 10,000 सीटें जोड़ी जाएंगी, सभी सरकारी मिडिल स्कूलों में ब्रॉडबैंड

स्वास्थ्य
98311 करोड़
36 जीवन रक्षक दवाओं को बेसिक सीमा शुल्क से छूट। इसके अलावा 37 और दवाओं व 13 नए रोगी सहायता कार्यक्रमों को भी बेसिक सीमा शुल्क से छूट

रक्षा
4.91 लाख करोड़ रुपए
विमान और एयरो इंजन पर खर्च होगी बड़ी राशि। नौसेना बेड़े के लिए 24,390 करोड़ रुपए का प्रावधान है। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में रक्षा निर्यात में 32.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

12 लाख तक की इनकम पर अब टैक्स नहीं, किसानों की कर्ज लिमिट पांच लाख

- सभी टैक्सपेयर्स पिछले 4 साल का आईटी रिटर्न एकसाथ फाइल कर सकेंगे

आम आदमी को बड़ी राहत, अब 12 लाख तक कमाई पर टैक्स में छूट

मिडिल क्लास, लौटी सांस

नौकरीपेशा मिडिल क्लास की आस आखिरकार पूरी हो गई। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 लाख रुपए तक की इनकम को टैक्स फ्री करने का बड़ा ऐलान किया है। अब इस सीमा तक की कमाई पर सरकार का हिस्सा नहीं होगा। शनिवार को संसद में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने किसानों को भी राहत का ऐलान किया। किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट में इजाफा कर इसे तीन से पांच लाख रुपए कर दिया है। इस बजट में सभी का ध्यान रखा गया है, पर मिडिल क्लास को खास तवज्जो दी गई है। टीडीएस के मोर्चे पर बुजुर्गों को भी बड़ी सुविधा का ऐलान किया गया है। बजट में कुछ ऐसे प्रावधानों का भी जिक्र किया गया है, जिससे 36 जीवन रक्षक दवाएं, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, मोबाइल फोन समेत कुछ चीजें सस्ती भी होंगी।

विकसित भारत के लक्ष्य के लिए चार इंजन...कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात पर ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बजट में विकसित भारत के लक्ष्य के लिए चार इंजन...कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को चिन्हित किया गया है। सीतारमण ने नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को पूरी तरह से आयकर से छूट देने की घोषणा की। साथ ही कर स्लैब में भी बदलाव किया है। आयकर छूट नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनने वाले आयकरदाताओं को मिलेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए 75,000 रुपये की मानक कटौती के साथ अब 12.75 लाख रुपये पर कोई कर नहीं लगेगा। वित्त मंत्री ने बजट के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 12 लाख रुपए की आय पर कर छूट की घोषणा से करीब एक करोड़ और लोग कर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। सीतारमण ने संसद में 2025-26 का बजट पेश करते हुए कहा, नई कर व्यवस्था में छूट के माध्यम से मध्यम वर्ग के करों में काफी कमी आएगी और उनके हाथ में अधिक पैसा बचेगा, जिससे घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, विकसित भारत की दिशा में लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग हमारे प्रमुख समर्थक स्तंभ हैं। मध्यम वर्ग भारत की वृद्धि को ताकत प्रदान करता है, उनके योगदान को देखते हुए, हमने उनके कर के बोझ को समय-समय पर कम किया है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज पर कर छूट सीमा को मौजूदा 50,000 रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए किया गया है। सीतारमण ने लोकसभा में अपना लगातार आठवां बजट पेश करते हुए अगली पीढ़ी के सुधारों का खाका भी पेश किया। उन्होंने बीमा क्षेत्र में एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेश निवेश) की सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने के साथ ही कर कानूनों को सरल बनाने का भी प्रस्ताव किया। उन्होंने कहा कि सरकार कराधान, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र, बिजली और नियामकीय ढांचा जैसे छह क्षेत्रों में सुधारों की शुरुआत करेगी।

किसानों की बल्ले-बल्ले

- किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए हुई
- देश में पीएम धन-धान्य कृषि योजना शुरू होगी।
- डेयरी और मछली पालन के लिए 5 लाख रुपए तक का लोन
- समुद्री उत्पाद सस्ते होंगे, कस्टम ड्यूटी 30% से घटाकर 5% की गई
- अंडमान, निकोबार और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने को बढ़ावा मिलेगा
- बिहार के किसानों की मदद के लिए मखाना बोर्ड का गठन होगा
- मिथिलांचल में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना शुरू होगी। 50 हजार हेक्टेयर क्षेत्र के किसानों को फायदा
- दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 6 साल का मिशन
- पोस्ट पेमेंट बैंक पेमेंट सर्विस ग्रामीण योजनाओं में बढ़ाई जाएगी
- कपास उत्पादन के लिए 5 साल की कार्ययोजना। प्रोडक्शन- मार्केटिंग पर फोकस।

नया टैक्स स्लैब-2025

0 से 4 लाख रुपए तक-	कोई टैक्स नहीं
4-8 लाख रुपए तक-	5 फीसदी
8 से 10 लाख रुपए तक-	10 फीसदी
12 से 16 लाख रुपए तक-	15 फीसदी
16 से 20 लाख रुपए तक-	20 फीसदी
20 से 24 लाख रुपए तक-	25 फीसदी
24 लाख से अधिक कमाई पर-	30 फीसदी

नोट- 12 लाख पर इनकम में टैक्स फ्री, 12 लाख से अधिक होने पर यह टैक्स स्लैब लागू होगा।

अब कितना फायदा

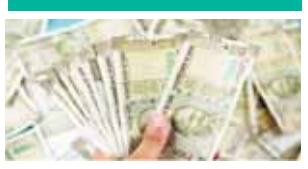

कमाई	टैक्स बेनीफिट
12लाख	80हजार रुपए
16 लाख	50 हजार रुपए
18 लाख	70 हजार रुपए
20 लाख	90 हजार रुपए
25 लाख	1.10 लाख रुपए

क्या सस्ता-क्या महंगा

सस्ता
- 36 जीवन रक्षक दवाएं
- कैंसर की दवाएं
- इलेक्ट्रिक गाड़ी
- मोबाइल फोन
- मोबाइल बैटरी
- फिश पेस्ट
- लेदर गुड्स
- एलईडी टीवी

महंगा
- फ्लैट पैनल डिस्प्ले
- टीवी डिस्प्ले
- फैबरिक

मध्यम वर्ग के लिए राहत का पिटारा

- अब 12 लाख की कमाई पर कोई टैक्स नहीं
- बुजुर्गों के लिए टैक्स छूट डबल की गई

- टीडीएस की सीमा 10 लाख रुपए की गई
- 4 साल तक अपडेटेड आईटीआर भर सकेंगे।
- किराया आमदनी पर टीडीएस छूट 6 लाख रुपए की गई

- मोबाइल फोन और ई-कार सस्ती होंगी।
- ईवी और मोबाइल की लीथियम आयन बैटरी सस्ती होगी
- एलईडी-एलसीडी टीवी सस्ती होंगी। कस्टम ड्यूटी घटाकर 2.5%
- देश में अगले हफ्ते नया इनकम टैक्स बिल लाया जाएगा
- 1 लाख करोड़ रुपए का अर्बन चैलेंज फंड बनेगा
- शहरी क्षेत्र के गरीबों की आय बढ़ाने की योजना आएगी
- एक लाख अधूरे घर पूरे होंगे, 2025 में 40 हजार नए मकान हैंडओवर किए जाएंगे
- हर घर नल से जल पहुंचाने जल जीवन मिशन कार्यक्रम 2028 तक बढ़ेगा

बिहार की बल्ले-बल्ले

- आम बजट में बिहार को खास तवज्जो दी गई है। ऐसी चर्चा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सौगात दी गई है।

- सीनियर सिटीजंस के लिए टीडीएस की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए
- किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए होगी
- छोटे उद्योगों को विशेष क्रेडिट कार्ड, पहले साल 10 लाख कार्ड जारी होंगे

महिलाओं को क्या मिला

- एससी और एसटी की एमएसएमई महिला उद्यमियों के लिए विशेष लोन योजना
- पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं को दो करोड़ का टर्म लोन मिलेगा

बुजुर्गों के लिए खास तवज्जो

- सीनियर सिटिजंस के लिए टैक्स छूट दोगुनी, 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख
- देश में 200 डे-केयर कैंसर सेंटर बनेंगे
- 13 मरीज सहायता कार्यक्रम बेसिक कस्टम ड्यूटी से बाहर

आत्मनिर्भर भारत को गति मिलेगी: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बजट से आम आदमी को बहुत फायदा मिलेगा। इससे बड़ा परिवर्तन आएगा। इससे आत्मनिर्भर भारत को गति मिलेगी। देश में टूरिज्म बढ़ा है। टूरिज्म से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। पांडुलिपि संरक्षण की दिशा में कदम उठा रही है। कृषि क्षेत्र पर सरकार का पूरा फोकस है. बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर भी ध्यान दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन देश की विकास यात्रा के लिए अहम दिन है। यह हर भारतीय की आकांक्षाओं को पूरा करता है। हमने युवाओं के लिए कई सेक्टर्स के दरवाजे खोले हैं।

गोली के घाव पर मरहम पट्टी वाला बजट: नेता प्रतिपक्ष

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'गोली लगने के घाव के लिए एक मरहम पट्टी!' आरोप लगाया कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच, हमारे आर्थिक संकट को हल करने के लिए एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है, लेकिन यह सरकार विचारों को लेकर दिवालिया है।
कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि केवल आयकरदाताओं के लिए राहत दी गई है, लेकिन अर्थव्यवस्था पर इसका वास्तविक प्रभाव क्या होगा, यह देखना अभी बाकी है।

उद्योग और व्यापार जगत

- एमएसएमई के लिए लोन गारंटी लिमिट 5 करोड़ से बढ़कर 10 करोड़ होगी
- सोशल वेलफेयर सरचार्ज हटाने का प्रस्ताव
- 7 टैरिफ रेट हटेंगे। अब देश में 8 टैरिफ रेट ही रह जाएंगे
- ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर टियर-2 शहरों में बनाए जाएंगे
- देश को खिलौना उत्पादन का ग्लोबल हब बनाने राष्ट्रीय योजना बनेगी
- नई लेदर स्कीम से 22 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा

युवाओं को भी सौगात

- स्टार्टअप के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का फंड बनेगा।
- 500 करोड़ रुपए से 3 एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) एक्सीलेंस सेंटर बनेंगे
- मेडिकल एजुकेशन में अगले 5 साल में 75 हजार सीटें बढ़ेंगी
- देश में 23 आईआईटी में 6500 सीटें बढ़ाई जाएंगी।
- मेडिकल कॉलेजों में 10 हजार सीटें बढ़ेंगी।
- पीएम रिसर्च फेलोशिप के तहत 10 हजार नई फेलोशिप दी जाएगी।
- देश में ज्ञान भारत मिशन शुरू होगा, 1 करोड़ मैनुस्क्रिप्ट का डिजिटलाइजेश होगा।
- पटना आईआईटी में होस्टल सुविधाएं बढ़ाई जाएगी।
- मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड को बढ़ावा देंगे।

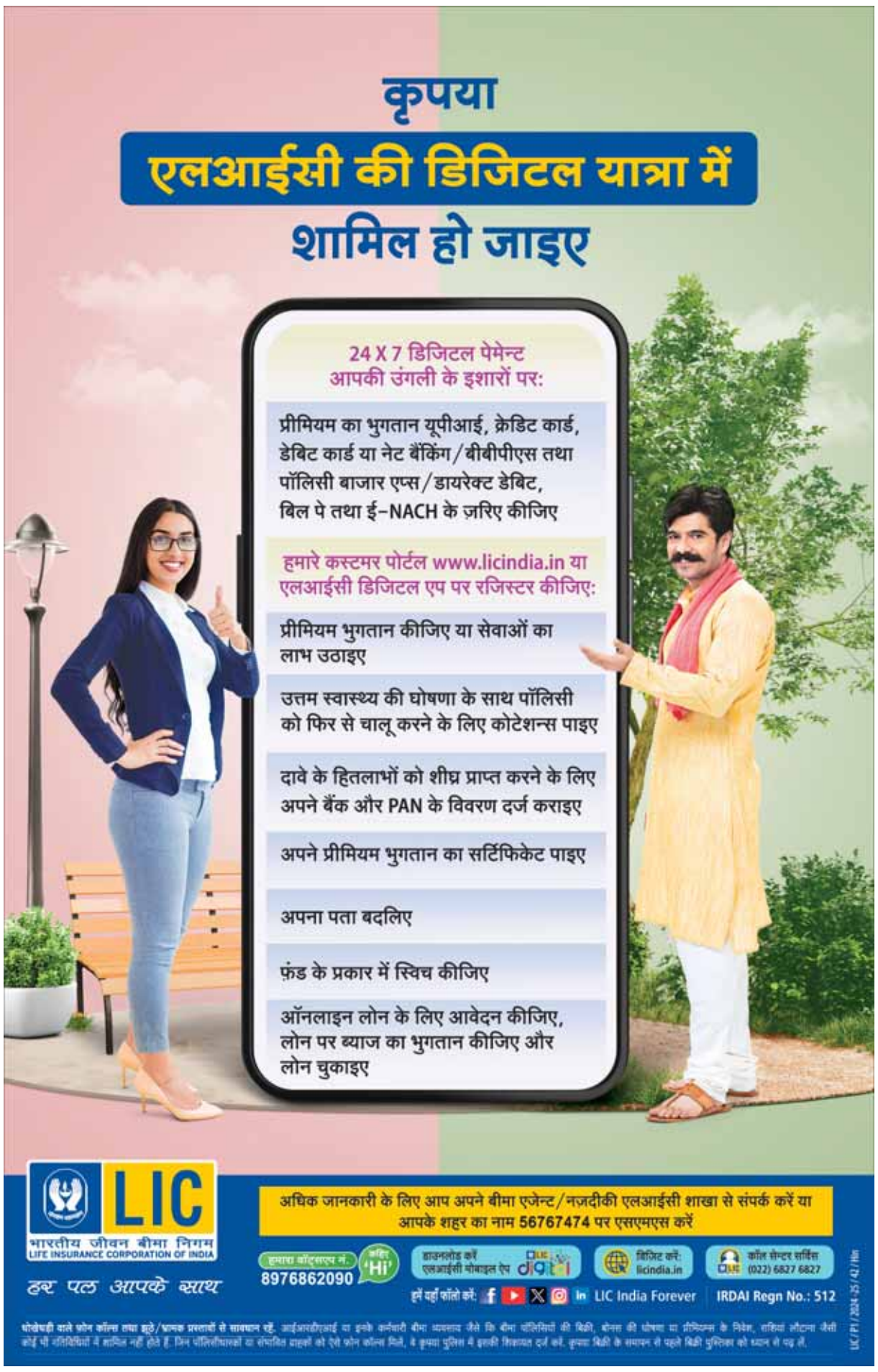

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
CII
Confederation of Indian Industry

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सफल निवेश की अनंत संभावनाओं का परिवेश - मध्यप्रदेश

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

24 25 फरवरी 2025, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुभारंभ

निवेश के प्रमुख क्षेत्र

टेक्सटाइल एवं गारमेंट्स | फार्मा, मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थ केयर | कृषि, खाद्य एवं डेयरी प्रसंस्करण | फिनटेक, आईटी/आईटीईएस/ ईएसडीएम एवं रोबोटिक्स इकोसिस्टम | ईवी, ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स | खनन एवं खनिज | नवीकरणीय ऊर्जा | कौशल विकास लॉजिस्टिक्स | पर्यटन | शहरी परिवहन एवं औद्योगिक अधोसंरचना

सेक्टोरल समिट
एग्जीबिशन एवं एक्सपो
थीमैटिक सेशन्स
प्रवासी मध्यप्रदेश समिट

आज ही रजिस्टर करें और
संभावनाओं के नए द्वार खोलें

www.investmp.in

D-11174/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

जबलपुर
रविवार, 2 फरवरी 2025
माघ मास शुक्ल पक्ष –4
■ वर्ष : 19, अंक : 270
■ पृष्ठ : 16 मल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 29
न्यून. 16

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नारी तू नारायणी

बजट भाषण से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने सीतारमण को खिलाया दही-चीनी

नई दिल्ली। बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त मंत्रालय से राष्ट्रपति भवन पहुंचीं। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात वित्त मंत्री ने उन्हें बजट के अहम प्रावधानों और बदलावों की जानकारी दी। यह परंपरा है, जिसमें राष्ट्रपति की मंजूरी ली जाती है। राष्ट्रपति ने वित्त मंत्री का दही चीनी खिलाकर मुंह मीठा कराया। साथ में नाश्ता भी किया।

हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहन

सीतारमण की मधुबनी साड़ी पर पद्मश्री दुलारी देवी की आर्ट

वित्त मंत्री हैंडलूम साड़ियों में नजर आती हैं। वह भारतीय हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहित करती है। मोदी सरकार के अब तक के तीन कार्यकाल के आठवें बजट को पेश करने के लिए सीतारमण ने अलग अलग रंगों और हस्तशिल्प शैली की साड़ियों को अपनाया। उनका 2025 बजट लुक भी बेहद खास है। उन्होंने क्रीम रंग की हैंडलूम साड़ी पहनी है। गोल्डन बॉर्डर के साथ साड़ी के किनारे पर खूबसूरत प्रिंट बने हुए हैं।

पीएम मोदी बोले- यह जनता जनार्दन का बजट 140 करोड़ भारतीयों की 'आकांक्षाएं' पूरी होंगी

ये बजट बचत को बढ़ाएगा, निवेश को बढ़ाएगा, ग्रोथ को भी तेजी से बढ़ाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बजट में रिफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय बहुत ही ऐतिहासिक है। बजट में रोजगार के सभी क्षेत्रों को हर प्रकार से प्राथमिकता दी गई है।

मोदी ने आम बजट को जमकर सराहा। उन्होंने इसे जनता जनार्दन का बजट करार दिया। उन्होंने कहा कि आज भारत के विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

न्यू एज इकोनॉमी का भी ध्यान रखा गया

ये नागरिकों की जेब भरेगा

- पीएम मोदी ने कहा कि आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिलकुल उल्टा है। ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे? ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है।
- उन्होंने कहा कि आज देश विकास भी, विरासत भी के मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए ज्ञान भारत मिशन को शुरू किया गया है।

महिलाओं को उद्यमी बनाएगा

उन्होंने कहा कि देश के एससी, एसटी और महिला... जो नए उद्यमी बनना चाहते हैं, उनके लिए बिना गारंटी के दो करोड़ रुपये तक के लोन की योजना भी लाई गई है। इस बजट में न्यू एज इकोनॉमी को ध्यान में रखते हुए गिग वर्कर्स के लिए बहुत बड़ी घोषणा की गई है। पहली बार गिग वर्कर्स का ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा और फिर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कर्नाटक में राइट टू डाई कानून सशर्त लागू

बेंगलुरु। कर्नाटक देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने राइट टू डाई यानि गरिमा से मृत्यु का अधिकार कानून अपने यहां लागू कर दिया है, लेकिन ये युथेनेशिया नहीं इच्छा मृत्यु नहीं है। ये सशर्त तौर पर उन लोगों पर ही लागू होगा, जो विशेष तौर पर गंभीर रूप से बीमार हों या लाइलाज रोग से पीड़ित हो। वह ये निर्णय ले सकते हैं कि वह अपनी जीवनरक्षक चिकित्सा को जारी रखना चाहता है या नहीं।

सिलेंडर भरे ट्रक में आग, कई वाहन जले

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के साहिबाबाद में पेट्रोल पंप के पास खड़े एलपीजी गैस सिलेंडर से भरे ट्रक में भीषण आग लग गई। ट्रक में बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर थे। धमाकों के साथ भीषण आग लग गई। एक के बाद एक हुए धमाकों से पूरा इलाका दहल गया। आग की चपेट में दो घर और कई वाहन आ गए हैं।

पशुपतिनाथ मंदिर में भक्त को हार्ट अटैक

मंदसौर। यहां पुलिसकर्मियों की मानवता का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में एक श्रद्धालु को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। बताया जा रही कि सीढ़ियों से लड़खड़ाकर गिर गया। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पीड़ित को तुरंत सीपीआर दिया और पुलिस वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जापान से लौटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी 4 दिनी यात्रा के बारे में विस्तार से दी जानकारी

जापान के उद्योगपति मप्र में कई सेक्टर में निवेश के लिए जीआईएस में आएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुझे खुशी है कि जापान की मल्टीनेशनल कंपनियां मप्र में आकर अपने व्यवसाय और व्यापार को बढ़ाने के लिए सहर्ष तैयार हैं।

मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां से उत्पादों को न केवल भारत में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक भी आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इसका लाभ जापानी कंपनियों को मिलेगा और प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां से उत्पादों को न केवल भारत में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक भी आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इसका लाभ जापानी कंपनियों को मिलेगा और प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

21 सेक्टर्स के लिए नई निवेश नीतियां ला रही मप्र सरकार

पैनासोनिक और ब्रिजस्टोन जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों सहित जापानी निवेशकों ने सहमति दी

ये उद्योगपति आएंगे जीआईएस में

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान विदेश मंत्रालय के संसदीय उप मंत्री हिसाशी मात्सुमोतो के बीच मप्रऔर जापान के बीच औद्योगिक भागीदारी को बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। मप्र और जापान के बीच सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। संसदीय उप मंत्री मत्सुमोतो ने 24-25 फरवरी को भोपाल में आयोजित जीआईएस के आमंत्रण को स्वीकार किया। टोक्यो में ए एंड डी मेडिकल कंपनी के निदेशक डाइकी अराई को उज्जैन में विकसित किए जा रहे 75 एकड़ के मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

रेडीमेड गारमेंट्स से जुड़े उद्यमियों से भी चर्चा हुई

मुख्यमंत्री ने चार दिवसीय जापान यात्रा के दौरान व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। उन्होंने कहा कि जापान के उद्योग, संस्कृति और उन्नत तकनीक को करीब से समझने यह एक महत्वपूर्ण अवसर था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान में यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि जापान के लोग अपने देश से प्रेम करते हैं, भारत के प्रति भी उनके मन में विशेष सम्मान और आत्मीयता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि रेडीमेड गारमेंट्स से जुड़े उद्यमियों से भी चर्चा हुई, जिन्होंने मप्र में निवेश की संभावना को लेकर रुचि दिखाई है।

300 से अधिक सेक्टरों में प्लग एंड प्ले

मुख्यमंत्री ने बताया कि जापान के उद्योगपतियों को मप्र में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए बताया गया कि फूड, आईटी, स्पाइस, प्लास्टिक, मेडिकल इक्विपमेंट, सोलर इक्विपमेंट, फुटवेयर, ईवी, फार्मा, सेमी-कण्डक्टर, टैक्सटाइल समेत 300 से अधिक प्रकार के सेक्टर्स के लिए विशेष पार्क और गारमेंट इकाइयों के लिए प्लग एंड प्ले जोन स्थापित किए गए हैं। विशेष तौर पर गारमेंट्स, लॉजिस्टिक्स, ईव्ही, खाद्य प्र-संस्करण, इथेनॉल, आईटी, फार्मा और मेडिकल डिवाइसेस में निवेश के लिए विशेष नीतियां बनाई हैं।

भगवा झंडे और नर्मदा परिक्रमा के स्टीकर लगे वाहनों से पहुंची थी आयकर की टीम

दो व्यापारियों के ठिकानों से अब तक 20 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी उजागर

■ भोपाल से गए थे 35 अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में बीते बुधवार के दिन दो व्यापारियों के अलग-अलग ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने सर्चिंग की थी। अब तक आयकर विभाग द्वारा सर्चिंग में बरामद दस्तावेजो की जांच में 20 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी उजागर हुई है। इन व्यापारियों के यहां इनकम टैक्स भोपाल की टीम बड़े ही गोपनीय तरीके से छापा मारने के लिए 20 वाहनों में भगवा झंडे और नर्मदा परिक्रमा के स्टिकर लगाकर पहुंची थी।

ज्वेलर्स व मंगलम फूड प्रोडक्ट पर सर्चिंग

आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को पिपरिया में देवीलाल श्यामसुंदर सोनी की ज्वेलर्स शॉप पर छापेमारी की थी। इस दौरान देवीलाल के घर और शॉप पर की गई सर्चिंग में टैक्स चोरी से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए थे। विभाग ने सोनी के यहां से करीब 15 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी पकड़ी है। यह टैक्स चोरी सोने, चांदी, डायमंड की बिक्री और अन्य दस्तावेजों की पड़ताल के बाद सामने आई है।

इधर, तेल कारोबारी के यहां निकली 7 करोड़ की टैक्स चोरी

दूसरी ओर आयकर विभाग ग्वालियर की टीम ने पिछले दिनों मुरैना जिले में सरसों तेल के कारोबारी के ठिकानों पर कार्रवाई की थी। केबीएल एग्रो कंपनी के यहां की गई छापेमारी में आयकर विभाग ने स्थानीय पुलिस की भी मदद ली थी। इस जांच के दौरान सबसे खास बात यह रही थी कि सुनसान इलाके में मौजूद ऑयल फैक्ट्री में जांच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में कई आयकर अधिकारी घायल भी हुए थे।

छुट्टी के चलते पैतृक गांव गए थे, वहीं हुआ अंतिम संस्कार

नगर परिषद नलखेड़ा के सीएमओ मुकेश भंवर का हार्ट अटैक से निधन

गणतंत्र दिवस पर हुआ था सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नलखेड़ा

जिले की नलखेड़ा नगर परिषद के मुख्य नपा अधिकारी मुकेश भंवर (28 वर्ष) का दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया।

नलखेड़ा नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सीएमओ मुकेश भंवर की कार्यशैली और लगनता से सभी प्रभावित थे। वे युवा होने के साथ ही काफी अनुभवी थे। अवकाश के चलते शुक्रवार शाम वे अपने पैतृक गांव बिरमावल जिला रतलाम गए हुए थे। जहां दिल का दौरा पड़ने के बाद उनका निधन हो गया। भंवर की सीएमओ के रूप में पहली पोस्टिंग नलखेड़ा नगर परिषद में ही हुई थी।

मुकेश भंवर का अंतिम संस्कार शनिवार को उनके पैतृक गांव बिरमावल में किया गया। अंतिम संस्कार में सभी पाषर्दगण एवं परिषद कर्मचारी तथा जिले की अन्य नगर पालिका एवं नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों ने भाग लेकर भंवर को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुजफ्फरपुर में भीषण हादसा

महाकुंभ से लौट रही स्कॉर्पियो पलटी, 5 की मौत व 4 गंभीर

एजेंसी ▶▶ मुजफ्फरपुर

प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही एक स्कॉर्पियो बाइक सवार को बचाने के प्रयास में पलट गई। इसमें स्कॉर्पियो में सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सदर थाना क्षेत्र के मड़ापुरा फोरलेन पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों कने बताया कि स्कॉर्पियो काफी तेज गति में थी। इसी दौरान अचानक एक बाइक सवार सामने आ गया। ड्राइवर ने बाइक सवार को बचाने की कोशिश की, लेकिन सामने से एक ट्रक आता देख गाड़ी को संभाल नहीं पाया। संतुलन बिगड़ने के कारण स्कॉर्पियो सड़क पर कई बार पलटी खा गई।

भारतीय रेलवे लाया यह सुपरएप

एक ही जगह पर मिलेंगी कई सुविधाएं, आवागमन होगा सुगम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे एक खास तरह का सुपर एप लेकर आया है। इस एप्लीकेशन का नाम स्वरेल है।

इस एप्लीकेशन पर भारतीय रेलवे की कई सुविधाएं एक ही जगह मिलेंगी। स्वरेल एप को टेस्टिंग के लिए जारी कर दिया गया है। अभी यह एप्लीकेशन टेस्टिंग के लिए गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। शुरुआत में इसे अभी 1 हजार लोग ही डाउनलोड कर सकेंगे। फीडबैक मिलने के बाद इस एप्लीकेशन को 10 हजार लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा।

बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री के 'मोक्ष' वाले बयान पर भड़के शंकराचार्य

बोले, तैयार हों तो उन्हें भी धक्का देकर मोक्ष दिला दें, इस मुद्दे पर बंटा संत समाज

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

कुछ संत शंकराचार्य की राय से सहमत हैं कि प्रशासनिक लापरवाही से हुई मौतों को धार्मिक जामा पहनाना अनुचित

महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के दौरान मची भगदड़ और उसके कारण हुई मौतों ने संत समाज को दो धड़ों में बांट दिया है। इस घटना पर बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री और शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बीच तीखी बयानबाजी छिड़ गई है। भगदड़ में मारे गए श्रद्धालुओं को लेकर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि वे मोक्ष को प्राप्त हुए हैं। उनका तर्क था कि संगम में स्नान के दौरान मृत्यु होना सौभाग्य की बात है, क्योंकि यह आत्मा के परमगति प्राप्त करने का स्थान है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और पं. धीरेंद्र शास्त्री।

प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी, घाटों का निरीक्षण किया

महाकुंभ में हुए हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने घटना वाली जगह पर पहुंचकर जायजा और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। सीएम योगी ने संतों से मुलाकात की।

इस दौरान वह जगदगुरु रामभद्राचार्य से भी मिले, साथ ही सतुआ बाबा के आश्रम का भी सीएम ने दौरा किया। इससे पहले, उन्होंने प्रयागराज के आसपास के जिलों के बॉर्डर पर जाम और सुरक्षा का हवाई सर्वे किया।

पतंजलि® दिव्य®

आरोग्यता का वरदान

वात, पित्त व कफ़ रोगों के लिए मेडिकल साइंस के इतिहास में पहली बार आयुर्वेद की रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन्स

वात रोग– डी-जेनेरेटेड कार्टिलेज सैल्स को रिपेयर एवं सभी पेन मार्कर्स को रेगुलेट कर के समस्त वात रोगों से मुक्ति दिलाने के लिए।
इसके ऊपर किये गए अनुसंधान हेतु विज़िट करें : https://pmc.ncbi.nlm.nih.gov/articles/PMC9114492/

पीड़ानिल गोल्ड एवं ऑर्थोग्रिट

कफ़ रोग– आयुर्वेद में पहली बार फेफड़ों के एल्वियोलाई को रिजुविनेट कर के, श्वसन तन्त्र को मज़बूत बनाकर, रेस्पिरेटरी सिस्टम के समस्त रोगों की निवृत्ति व कफ़, कोल्ड और अस्थमा के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां।
इन अनुसंधानों के लिए विज़िट करें : https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/38807596/
https://molmed.biomedcentral.com/articles/10.1186/s10020-024-00888-7

ब्रोंकोम, श्वासारि वटी, श्वासारि गोल्ड, श्वासारि प्रवाही एवं श्वासारि अवलेह

पित्त रोग– लिवर, आंतों व पाचन तन्त्र के समस्त रोगों व क्रोनिक एसिडिटी आदि के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां।
इसके ऊपर की गई रिसर्च हेतु विज़िट करें : https://pmc.ncbi.nlm.nih.gov/articles/PMC9208489/
https://www.cell.com/heliyon/fulltext/S2405-8440(25)00235-X
https://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/01480545.2024.2320189

लिवोग्रिट, लिवोग्रिट वाइटल, लिवामृत एड्वांस, एसिडोग्रिट व एलोवेरा जूस

पतंजलि के रिसर्च पेपर सर्च करने के लिए वेबसाइट विज़िट करें : https://patanjali.res.in/research-paper.php

हमारी सभी औषधियाँ पतंजलि स्टोर्स, प्रमुख मेडिकल, आयुर्वेदिक और बड़े स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।

ऊपर वर्णित दवा का उपयोग सुझाव मात्र है। उपर्युक्त रोगों के प्रबंधन हेतु उपचार में इसका मुख्यतः प्रयोग किया जाता है। स्वविवेक से दवाएं न लें। दवाओं का प्रयोग हमेशा चिकित्सकीय निरीक्षण में करें।

उपराष्ट्रपति ने किया प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र का दौरा

महाकुंभ में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संगम में लगाई पवित्र डुबकी, 77 देशों के राजनयिकों ने भी किया पुण्य स्नान

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई। वही राष्ट्रपति धनखड़ ने स्नान के बाद पूजा-अर्चना की

उन्होंने मां गंगा की पूजा करने के बाद आरती उतारी। उधर 77 देशों के 118 राजनयिकों ने भी महाकुंभ में स्नान किया। राजनयिकों ने अरैल घाट पर स्नान किया। इस दौरान सभी देशों ने अपना झंडा भी यहां पर लगाया। बता दे कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रयागराज के लेटे हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सिर पर शिवलिंग रखकर प्रयागराज संगम में पवित्र स्नान किया। उनके साथ ही 77 देशों के डेलीगेट्स प्रयागराज पहुंचे। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना जारी है। वसंत पंचमी से पहले भी भक्तों की भीड़ स्नान के लिए उमड़ रही है।

अब तक 31.46 करोड़ लोगों के स्नान का दावा

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र का दौरा किया। उनके साथ उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ भी रहे। अब तक 31.46 करोड़ से अधिक ने स्नान कर लिया है।

सीएम योगी ने दी बधाई

प्रयागराज महाकुंभ में सीएम योगी आदित्य नाथ ने संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमला चार्य महाराज को जगगुरु बनाए जाने पर तिलक लगाकर बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि आप सभी सनातन धर्म के मजबूत स्तंभ है, आपने विपरीत हालात में धैर्य से चुनौतियों का सामना किया है और सनातन धर्म के महाअभियान को आगे बढ़ाया है। इसे और आगे बढ़ाना चाहिए क्योंकि सनातन धर्म ही मानव धर्म है। सनातन धर्म है तो ही मानवता है। इस मौके पर सीएम योगी ने तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम भद्राचार्य जी और जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी से मुलाकात कर उन्हें आशीर्वाद दिया।

सीएम योगी ने कहा: सनातन का कोई बाल बांका नहीं कर सकता

प्रयागराज में महाकुंभ मेले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सनातन का कोई बाल बांका नहीं कर सकता। कुछ लोगों ने राम मंदिर बनने से पहले साजिश रची थी। षड्यंत्र रचा था, लेकिन सरकार सजग है। साधु-संतों से मुलाकात करने के बाद सीएम योगी ने कहा कि पूज्य संतों के धैर्य के सामने सनातन के विरोधी फेल हो चुके है। सीएम योगी ने संतों के धैर्य की सराहना की और सनातन के खिलाफ हो रही साजिश से सभी को आगाह भी किया।

20वें दिन भी रही भक्तों की भीड़

प्रयागराज में महाकुंभ मेले में 20 वें दिन उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़. दोपहर 02:00 बजे तक 01 करोड़ 50 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी. जिसमें 10 लाख कल्पवासियों और एक करोड़ 40 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, 31 जनवरी तक 31 करोड़ 46 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

खबर संक्षेप

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त चावला का निधन

नई दिल्ली। भारत के 16वें मुख्य चुनाव आयुक्त रहे नवीन चावला का निधन हो गया। उन्होंने 79 वर्ष की

उम्र में आखिरी सांस ली। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन बी चावला के निधन पर भारत के चुनाव आयोग ने शनिवार शोक व्यक्त किया। नवीन चावला भारत के 16वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे। बता दें कि नवीन चावला के निधन पर भारत के चुनाव आयोग की ओर से जारी एक विज्ञप्ति जारी की गई। इसमें कहा गया कि भारत के 16वें मुख्य चुनाव आयुक्त के निधन पर चुनाव आयोग गहरा शोक व्यक्त करता है।

पूर्व सांसद की पत्नी जाफरी का निधन

नई दिल्ली। शनिवार को पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जाकिया जाफरी का निधन हो

गया। उन्होंने अहमदाबाद में 86 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। जाकिया जाफरी के पति एहसान जाफरी का निधन 2002 के गुजरात दंगों में हो गया था। एहसान जाफरी उन 69 लोगों में शामिल थे, जो 28 फरवरी, 2002 को अहमदाबाद के एक मुस्लिम इलाके गुलबर्ग सोसाइटी के अंदर मारे गए थे। घटना गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बों में आग लगाए जाने के एक दिन बाद हुई थी।

बलूचिस्तान में मुठभेड़ 23 आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के

बीच मुठभेड़ की अलग-अलग घटनाओं में 23 आतंकवादियों मारे गए, लेकिन कम से कम 18 सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हो गई। सेना ने बताया कि पिछले 24 घंटों में अशांत बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में ये आतंकवादी मारे गए। शनिवार को हरनई जिले में ऐसे ही एक अभियान में राष्ट्रीय सैनिकों की आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में 11 आतंकवादी मारे गए और कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया।

दोनों देशों के बीच 17 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में होगी बातचीत

भारत-बांग्लादेश के बॉर्डर सिक्योरिटी प्रमुखों की अब होगी मुलाकात.... सीमा पर बाड़बंदी

एजेंसी ▶▶ ढाका

शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच लगातार विवाद बना हुआ है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा है, कि भारत और बांग्लादेश के बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के टॉप अधिकारियों के बीच मुलाकात होगी। विदेश मंत्रालय ने बताया है, कि दोनों देशों के अधिकारियों के बीच 17 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में बातचीत की जाएगी। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद ये पहली बार होगा, जब दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के टॉप अधिकारियों के बीच उच्चस्तरीय बैठक होगी। बांग्लादेश में फिलहाल मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार है, जिसके फैसलों ने दोनों देशों के बीच काफी विवाद पैदा कर दिया है।

बांग्लादेश में सरकार के पतन के बाद तस्करों और अवैध घुसपैठियों की एंट्री रोकने के लिए भारत ने बॉर्डर पर बाड़ेबंदी शुरू कर दी है, जिसका बांग्लादेश की तरफ से विरोध किया जा रहा है और ये विवाद टकराव के स्तर तक पहुंच चुका है। दोनों पक्ष एक दूसरे के राजनयिकों को तलब कर चुके हैं। वहीं, भारतीय सैनिकों की गोलीबारी में एक बांग्लादेश घुसपैठिये की मौत भी हो चुकी है, जिसको लेकर पड़ोसी देश ने कड़ा एतराज जताया था।

अपराध से निपटने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा

दोनों देशों के बीच काफी विवाद पैदा कर दिया है

बांग्लादेश ने बाड़बंदी को द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन कहा

सभी परस्पर सहमत सहमति पत्रों और समझौतों का सम्मान किया जाएगा

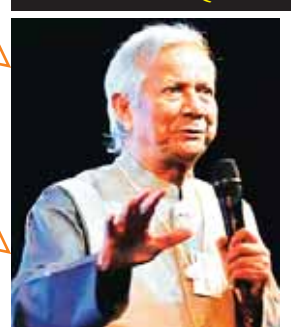

भारत-बांग्लादेश की सीमा पर हालात तनावपूर्ण

बांग्लादेश सरकार के मुताबिक भारतीय उच्चायुक्त के सामने जशीम उद्दीन ने इस बात पर जोर दिया था, कि इस तरह की गतिविधियों, खास तौर पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के अनधिकृत प्रयास और बीएसएफ की तरफ से चलाए जा रहे ऑपरेशन कार्रवाइयों से भारत-बांग्लादेश की सीमा पर हालात तनावपूर्ण हुए हैं और अशांति बढ़ी है।

अपराध से निपटने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा

वहीं बैठक के बाद प्रणय वर्मा ने कहा था, कि मैंने विदेश सचिव से मुलाकात की और भारत की अपराध मुक्त सीमा सुनिश्चित करने, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और मानव तस्करी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने की प्रतिबद्धता पर उनके साथ बात की। वर्मा ने इसके अलावा कहा, कि सुरक्षा के लिए सीमा पर बाड़ लगाने के संबंध में हमारे बीच सहमति है। इस संबंध में बीएसएफ और बीजीबी के बीच बातचीत चल रही है। हमें उम्मीद है कि सहमति को लागू किया जाएगा और अपराध से निपटने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है कि बीएसएफ और बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) के बीच महानिदेशक स्तर की वार्ता 17 से 20 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में निर्धारित है, जिसके दौरान सीमा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा प्रस्तावित है। उन्होंने कहा, कि हम उम्मीद करते हैं कि सभी परस्पर सहमत सहमति पत्रों और समझौतों का सम्मान किया जाएगा। ये सीमा सुरक्षा बलों के बीच स्ट्रक्चर्ड जुड़ाव का आधार बनते हैं और सीमा पर पारस्परिक रूप से लाभकारी सुरक्षा और व्यापार बुनियादी ढांचे के निर्माण की सुविधा प्रदान करते हैं। दरअसल, बांग्लादेश ने 12 जनवरी को आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत बांग्लादेश से लगती सीमा पर पांच अलग अलग जगहों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है, जो द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन है। इसके कुछ ही घंटों के बाद बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया और बांग्लादेश-भारत सीमा पर हाल की गतिविधियों पर गहरी चिंता जताई थी।

183 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शुरू

हमास ने 3 इजराइली बंधक रिहा किए रेडक्रॉस की मदद से अपने देश पहुंचे

एजेंसी ▶▶ यरुशलम

हमास ने सीजफायर समझौते के तहत शनिवार को इजराइल के 3 बंधक यार्डेन बिबास (35), ओफर काल्डेरोन (54) और कीथ सीगल (65) को रिहा कर दिया है। जानकारी के मुताबिक इन्हें रेड क्रॉस की मदद से इजराइली सेना को सौंपा गया।

ये तीनों इजराइल पहुंच गए हैं। तीनों को हेलिकॉप्टर से इजराइल लाया गया। इनके बदले में इजराइल ने 183 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया है।

पिछले हफ्ते समझौते के प्रभावी होने के बाद से अब तक कुल 13 इजराइली और 5 थाई बंधकों को रिहा किया जा चुका है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ओफर काल्डेरोन की रिहाई पर खुशी जताई है। काल्डेरोन के पास फ्रांस और इजराइल की दोहरी नागरिकता है। इजराइल ने भी 183 कैदियों को रिहा किया इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद, इजराइल ने भी जेलों में बंद 183 फिलिस्तीनी कैदियों को आजाद कर दिया है। इन्हें इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में रिहा किया गया।

सीगल की पत्नी पहले हो चुकी हैं रिहा

65 वर्षीय अमेरिकी इजराइली कीथ सीगल को 7 अक्टूबर के हमले के दौरान उनकी पत्नी अवीवा के साथ कफर अजा बस्ती से ले जाया गया था। उनकी पत्नी को नवंबर 2023 में रिहा किया गया था। सीगल की रिहाई के दौरान दो बैग दिए गए। संभवतः दूसरा उनकी पत्नी के लिए था। 54 वर्षीय फ्रांसीसी इजराइली ओफर काल्डेरोन को 7 अक्टूबर हमले के दौरान नीर ओज की इजराइली बस्ती से उनके दो बच्चों के साथ बंदी बना लिया गया था। बच्चों को नवंबर 2023 में रिहा कर दिया गया। 35 वर्षीय इजराइली अर्जेंटीनी यार्डेन बिबास को नीर ओज से गाजा में ले जाया गया। हमले के दौरान उनकी पत्नी और दो बच्चों को भी अलग-अलग बंदी बना लिया गया। बिबास की पत्नी और दोनों बच्चों के बारे में अभी पता नहीं है कि वे जीवित हैं।

केजरीवाल पर केंद्र सरकार का हमला

दिल्ली में 3 जी यानि घोटाला घुसपैठ और घपले की सरकार : अमित शाह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में 3-जी की सरकार चल रही है। 3जी का मतलब है। घोटाले वाली सरकार, घुसपैठियों को पनाह देने वाली सरकार और घपले करने वाली सरकार।

शाह ने शनिवार को दिल्ली के मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी मोहन बिष्ट के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। शाह ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली को कूड़ादान बना दिया हैए बारिश में दिल्ली गंदे पानी के झील में परिवर्तित हो जाती है। दिल्ली में गटर के पानी से बीमारियां फैल रही हैं। दिल्लीवालों के पैसों से करोड़ों का अपना घर बनाने वाले केजरीवाल बड़े भोले बनकर कहते थे कि हम गाड़ी नहीं लेंगेए बंगला नहीं लेंगेए सिक्योरिटी नहीं लेंगे।

आपने फैलाया यमुना में प्रदूषण

शाह ने कहा कि केजरीवाल जी जहर हरियाणा सरकार ने नहीं मिलाया आपने प्रदूषण फैलाकर यमुना के पानी को जहरीला बना दिया है। आम आदमी पार्टी की सरकार को 10 साल हो गए। अब समय आ गया है दिल्ली को इस आप-दा से मुक्त करने का दिल्ली को शराब माफिया से मुक्त करने का घोटालेबाजों की दुकानें बंद करने का कट्टर बेईमानों को दिल्ली से हटाने का।

जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति कोहलर का निधन

जर्मनी। जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति होर्स्ट कोहलर का 81 साल की उम्र में निधन हो गया। वर्तमान जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वॉल्टर स्टीनमीयर के

कार्यालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। 2004 से 2010 तक राष्ट्रपति रहे होर्स्ट कोहलर का एक बीमारी के कारण शनिवार की सुबह निधन हो गया।

उनके नामांकन को मास सर्कुलेशन डेली बिल्ड ने होर्स्ट हू (कौन होर्स्ट) शीर्षक के साथ स्वागत किया था। राष्ट्रपति रहने के दौरान होर्स्ट कोहलर ने संवैधानिक चिंताओं के बीच कई बार विधेयकों पर हस्ताक्षर करने से भी इनकार किया था।

दिल्ली विस का चुनाव प्रचार अपने अंतिम दौर में

आप विधायक गोयल पर चुनावी रैली के दौरान जानलेवा हमला, हुए बेहोश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2025 का चुनाव प्रचार अपने चरम पर है और हर पार्टी अपना पूरा जोर लगाए हुए है। ऐसे ही चुनाव प्रचार के लिए आप विधायक व प्रत्याशी महेंद्र गोयल रिठाला के सेक्टर-11 गए थे, जहां उन पर आज हमला हो गया।

महेंद्र गोयल की टीम ने उनके ही एक्स अकाउंट से उन पर हुए हमले का वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में झड़प देखी जा सकती है। कहा जा रहा है कि हमले के बाद महेंद्र गोयल बेहोश हो गए थे। महेंद्र गोयल पर हुए हमले की दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी निंदा की है। उन्होंने इसे भाजपा की बौखलाहट बताया है।

सिसोदिया ने भी की घटना की निंदा

मनीष सिसोदिया ने घटना की निंदा करते हुए एक्स पोस्ट किया, 'हार से बौखलाई बीजेपी अब आप नेताओं की हत्या करवाने पर उतारू! भाजपा अब चुनाव जीतने के लिए खून बहाने पर उतर आई है! बीजेपी के गुंडों ने आप विधायक महेंद्र गोयल पर जानलेवा हमला किया– क्या भाजपा अब आप नेताओं की हत्या करवा कर सत्ता हथियाएगी? चुनाव आयोग आंख मूंदकर कब तक

आप ने पोस्ट किया बेहोशी वाला वीडियो

आम आदमी पार्टी ने हमले के बाद का एक वीडियो भी पोस्ट किया है जिसमें गोयल बेहोश दिखाई दे रहे हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा है। बीजेपी ने अपने गुंडों से आप विधायक महेंद्र गोयल पर जानलेवा हमला कर उनकी हत्या करने की कोशिश की। दिल्ली की जनता भाजपा को वोट नहीं दे रही तो क्या अब भाजपा, आप प्रत्याशियों की हत्या करवा कर चुनाव जीतेगी। ये चुनाव आयोग कहां कुम्भकर्णी नींद सो रहा है जिसे बीजेपी की गुंडागर्दी दिखाई नहीं दे रही है। दिल्ली की जनता सब देख रही है, भाजपा को असली चोट दिल्लीवाले 5 फरवरी को देंगे।

वैज्ञानिकों ने दी डरावनी चेतावनी, इसके हो सकते हैं गंभीर प्रभाव

भारत से टकरा सकता है यह प्रलयकारी ऐस्टरॉयड- 2024 वायआर-4

एजेंसी ▶▶ लंदन

साल 1908 में सोवियत संघ के साइबेरिया इलाके में एक ऐस्टराइड गिरा था, जिसने 2000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तबाही फैला दी थी। उस ऐस्टराइड के गिरने से लाखों पेड़ जड़ से उखड़ गये थे। वो तो गनीमत थी कि साइबेरिया एक सुनसान इलाका है, नहीं तो तबाही का अंदाजा आप लगा सकते हैं। और उसी साइज का एक ऐस्टराइड लगातार धरती की तरफ बढ़ रहा है और खगोलविद हाई अलर्ट पर हैं। इस ऐस्टराइड का नाम 2024 वायआर-4 है और वैज्ञानिकों ने ऐस्टराइड की रफ्तार और तमाम अंतरिक्ष जटिलताओं की गणना कर पता लगाया है, कि इस ऐस्टराइड के साल 2032 तक पृथ्वी से टकराने की आशंका बन रही है, जिसके गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।

अबू धाबी स्थित इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमी सेंटर की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है, कि फुटबॉल पिच के आकार का एक ऐस्टरॉयड पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा है, जिसके भारत से टकराने की आशंका बन सकती है। इस ऐस्टराइड का नाम 2024 वायआर है। धरती की तरफ बढ़ते इस ऐस्टरॉयड को सबसे ज्यादा खतरे वाली कैटोगिरी में रखा गया है।

लगातार नजर रखने की अपील

वैज्ञानिकों ने इस ऐस्टरॉयड को पृथ्वी के 'सबसे नजदीकी पिंडों' वाली लिस्ट में शामिल किया है। वैज्ञानिकों का मानना है, कि ये ऐस्टराइड हमारे वायुमंडल में घुसने के बाद हमारे गृह को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। संयुक्त अरब अमीरात के एक खगोलविद ने भी इस सैटेलाइट को पृथ्वी की तरह बढ़ते देखा है और उन्होंने दुनियाभर के शक्तिशाली वेधशालाओं से इस ऐस्टरॉयड पर लगातार नजर रखने की अपील की है।

2024 बायआर-4 का क्या हो सकता है असर?

2024 बायआर-4 कोड नाम वाले इस ऐस्टरॉयड की खोज यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) की प्लेनेट्री डिफेंस ऑफिस ने सबसे पहले इस ऐस्टरॉयड की खोज की थी, जिसने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 22 दिसंबर 2032 को इस ऐस्टराइड के पृथ्वी के पास से सुरक्षित रूप से गुजरने की लगभग 99 प्रतिशत संभावना है। इसने अपनी रिपोर्ट में कहा है, कि फिर भी पृथ्वी पर इसके पड़ने वाले असर की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है। अंतरिक्ष एजेंसी ने हाल ही में मीडिया अलर्ट में कहा है, कि 'जैसे-जैसे हमारी ऐस्टरॉयड सर्वेक्षण टेक्नोलॉजी में सुधार होता है, हम पृथ्वी के करीब से गुजरने वाली वस्तुओं की बढ़ती संख्या का पता लगाते जा रहे हैं, जिन्हें हम पहले नहीं देख पाते थे।

6 लोगों की मौत की आशंका

फिलाडेल्फिया में प्लेन क्रैश, उड़ान के 30 सेकंड बाद ही गिरा विमान

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के पेंसिलवेनिया राज्य के फिलाडेल्फिया में शनिवार सुबह एक छोटा मेडिकल विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जानकारी के मुताबिक फिलाडेल्फिया से मिसौरी जा रहे प्लेन में 6 लोग सवार थे। इनमें दो डॉक्टर, दो पायलट, एक मरीज और एक फैमिली मेंबर शामिल था। हादसे में सभी लोगों के मारे जाने की आशंका है। विमान में सवार सभी लोग मेक्सिको के थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक लियरजेट 55 नाम के इस विमान ने शाम 6:30 (स्थानीय समय) पर नॉर्थ-ईस्ट फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी।

किसी के जिंदा बचने की खबर नहीं

फिलाडेल्फिया की मेयर चेरेल पार्कर का कहना है कि इस हादसे में कई घरों को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल हादसे में कितने लोग मारे गए इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। वहीं विमान का संचालन करने वाली एयर एम्बुलेंस कंपनी जेट रेस्क्यू ने कहा कि इस वक्त हम किसी के भी जिंदा बचने की पुष्टि नहीं कर सकते।

केंद्रीय आम बजट पर मिली जुली प्रतिक्रिया

बजट में भाजपा को दिखी राहत कांग्रेस को दिखी निराशा

हरिभूमि, जबलपुर।

बीते दो दिनों से शहर में यह चर्चा आम थी कि बजट में क्या होगा, हर खास-ओ-आम की नजर बजट पर थी। शनिवार को जैसे ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में बजट पेश किया, पूरे देश सहित जबलपुर में भी बजट पर चर्चा का दौर शुरू हो गया। बजट में किसे क्या मिला, इस पर बहस शुरू हो गई। इस बार सबसे खास टैक्स स्लैब था, जिसमें 12 लाख तक की आय पर टैक्स में राहत दी गई, वहीं 24 लाख की आय के बाद ही 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब लगाने का ऐलान हुआ। इस पर मध्यम वर्ग और विशेषकर सैलरी क्लास में खुशी की लहर देखी गई। जहां भाजपा को बजट में सब अच्छा ही अच्छा दिखा, वहीं कांग्रेस ने इसे नकारात्मक बताया। भाजपा ने टैक्स स्लैब में बदलाव को ऐतिहासिक कहा, जबकि कांग्रेस का तर्क था कि वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स में राहत दिखाकर, अन्य टैक्स बढ़ा दिए हैं, जिससे लाभ उतना नहीं होगा।

किसानों और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता

"बजट में सरकार ने किसानों और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दी है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की गई, जो किसानों के लिए लाभकारी साबित होगी। प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना से 100 कम उत्पादक जिलों में कृषि रोजगार बढ़ेगा। मखाना बोर्ड का गठन और पूर्वोत्तर में यूरिया प्लांट की स्थापना भी स्वागत योग्य कदम है। कुल मिलाकर, यह बजट किसानों और गांवों के विकास के लिए सकारात्मक कदम है।

राघवेन्द्र सिंह पटेल, प्रचार प्रमुख, भाकिसं

हर वर्ग की चिंता की है

"प्रधानमंत्री ने समाज के हर वर्ग की चिंता की है और बजट में प्रयास किया है कि आर्थिक स्थिरता बनी रहे, महंगाई पर रोक लगे, आम आदमी को राहत मिले और देश आर्थिक महाशक्ति बने। 12 लाख तक की आय पर टैक्स फ्री करना ऐतिहासिक फैसला है।

राकेश सिंह, लोक निर्माण मंत्री

विकसित भारत का बजट है

"यह विकसित भारत का बजट है। सरकार ने हर सेक्टर को प्राथमिकता दी है - कृषि के लिये प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप, देश के उद्योगों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने , मध्यम वर्ग को टैक्स में राहत देना, हर वर्ग के लिए राहत और योजनाएं बजट में शामिल की गई हैं। यह ऐतिहासिक बजट है।

आशीष दुबे, सांसद

आम आदमी को मिलेगी राहत

"दूसरी सरकारों का फोकस सरकार के खजाने को भरने पर होता है, लेकिन मोदी सरकार का फोकस नागरिकों की जेब भरने पर है। यह सर्वसमावेशी बजट न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

अभिलाष पांडे, विधायक उत्तर मध्य

सबकी भलाई का है यह बजट

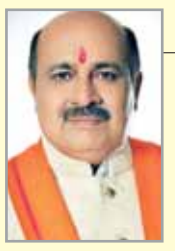

"गांव, शहर, महानगर सबकी भलाई का है यह बजट किसान, मध्यम वर्गीय गरीब, और सरकारी नौकरीपेशा, पेंशनर्स, किसान, महिलाएं सबको कुछ न कुछ दिया है. मध्य वर्ग को टैक्स में राहत है, तो युवाओं को स्टॉर्ट में प्रोत्साहन और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाईयां ड्यूटी फ्री करना और प्रधानमंत्री धन धान्य योजना का प्रावधान करना निसंदेह ऐतिहासिक बजट है."

अशोक रोहाणी, विधायक

जुमलों और छलावों का बजट है

"सामने से पैसा देकर पीछे से उसका दुगना जेब से काट लेना, यही सरकार की नीति है। जहां एक तरफ 12 लाख तक की आय पर इनकम टैक्स फ्री की गई है, वहीं दूसरी तरफ दूसरे टैक्स बढ़ा दिए गए हैं, जिससे आम आदमी की जेब पर पहले से अधिक बोझ आएगा। कुछ भी नया नहीं है, यह बस जुमलों और छलावों का बजट है।

लखन घनघोरिया, विधायक, पूर्व क्षेत्र

आंकड़ों की हेरफेर के अलावा कुछ नहीं

"बजट में आंकड़ों की हेरफेर के अलावा कुछ नहीं है। 80 प्रतिशत भारतीयों की आय 4 लाख से ऊपर नहीं है, जो पहले ही टैक्स फ्री थी। आम आदमी के साथ धोखा किया गया है, इस बजट में आम आदमी के लिए कुछ नहीं है।

सौरभ शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष

मध्यम वर्ग को राहत

"इनकम टैक्स में मध्यम वर्ग को राहत, नए स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ से 20 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट, मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए कॉलेज में 10 हजार सीट बढ़ाया जाना, आई .टी. सेक्टर में 6500 सीट बढ़ाई जाएगी, यह एक अच्छी पहल है। लेकिन किसानों को ट्रेक्टर , इम्प्लीमेंट , स्प्रिंकलर सिस्टम एवं पेस्टिसाइड्स पर जीएसटी टैक्स की कोई राहत नहीं जिससे कृषि वर्ग में और पेट्रोल एवं डीजल पर जीएसटी लागू न होने से आम जनता में निराशा है।

जितेंद्र पचौरी, कैट सदस्य जबलपुर

"प्रधान मंत्री धन धान्य कृषि योजना" का निर्णय स्वागत योग्य

" इस वर्ष देश के कुल बजट 50.65 लाख करोड़ रुपये मे से 1.71 करोड़ रुपये कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र को आबंटित हुआ, यानी 60 प्रतिशत ग्रामीण आबादी का हिस्सा 3.37 प्रतिशत रहा। विगत वर्ष (3.15 प्रतिशत) की तुलना मे गांव, खेत, किसान के बजट मे केवल 0.22 प्रतिशत की बृद्धि से ग्रामीण आबादी की समृद्धि की कल्पना बेमानी होगी। कुल मिलाकर बजट किसानों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। के.सी.सी. की लिमिट 3 से 5 लाख तक बढ़ाए जाने तथा "प्रधान मंत्री धन धान्य कृषि योजना" का निर्णय स्वागत योग्य है।

इंजी. के. के. अग्रवाल, भाकृस

आम बजट से मुद्रास्फीति कम होगी

"आम बजट से मुद्रास्फीति कम होगी, रूपये की आवक बढ़ेगी और महंगाई में कमी आएगी। आयकर में छूट से मध्यम वर्गीय जनसंख्या के खर्च में वृद्धि होगी, जिससे रियल एस्टेट, इन्शुरेंस और म्यूच्यूअल फंडों में निवेश बढ़ेगा। जबलपुर को शहरी विकास योजना और पर्यटन स्थलों के विकास में लाभ मिलेगा, साथ ही चुटका परमाणु ऊर्जा प्लांट और ग्लोबल कैपबिलिटी सेंटर के लिए बजट से सहायता मिलेगी।"

हिमांशु खरे, चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

आमजनों को कोई राहत नहीं

"भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में देश के गरीब मजदूर, किसान, बेरोजगार नागरिकों को कोई फायदा नहीं होगा और न ही इससे आमजन को कोई राहत मिलेगी। प्रस्तुत बजट के द्वारा एक बार फिर आम जनता के साथ छलावा किया गया है, जिससे एक बार फिर से मध्यम वर्ग के लिए निराशा वाला बजट है।"

चमन श्रीवास्तव

अवमानना याचिका

नियमितिकरण प्रक्रिया में वरिष्ठों को दरकिनार कर अपेक्षाकृत कनिष्ठों को उपकृत करने के आरोप का मामला

हाई कोर्ट ने निगमायुक्त प्रीति यादव को हाजिर होने दिए निर्देश

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने पूर्व आदेश की नाफरमानी के रवैये को आड़े हाथों लिया। इसी के साथ प्रीति यादव, आयुक्त, नगर निगम, जबलपुर को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने निर्देश दे दिया। इसके लिए 11 फरवरी, 2025 की तिथि नियत की गई है। अवमानना याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अनिल कुमार सेन सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता राजेश पांडे ने पक्ष रखा। जबकि नगर निगम का पक्ष अधिवक्ता समरेश कटारे ने रखा। अवमानना याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि नगर निगम ने याचिकाकर्ताओं की वरिष्ठता को दरकिनार कर अपेक्षाकृत कनिष्ठ कर्मियों को नियमितिकरण का लाभ दे दिया। इसके विरुद्ध पूर्व में याचिका दायर की गई थी। जिसका महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सहित निराकरण किया गया। इसके बावजूद नगर निगम ने गलती नहीं सुधारी। लिहाजा, नगर निगम आयुक्त से स्पष्टीकरण मांगा जाए।

नगर निगम आयुक्त के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी

नवम व्यवहार न्यायाधीश डीपी सूत्रकार की अदालत ने नगर निगम, जबलपुर के आयुक्त के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी किया है। कुर्की वारंट की रिपोर्ट के लिए 22 फरवरी, 2025 की तिथि नियत की है। मामला श्रम न्यायालय के निर्देश के बावजूद नियमित श्रेणी का वेतनमान सहित अन्य लाभ न दिए जाने से संबंधित है। आवेदक नगर निगम, जबलपुर के उद्यान विभाग से सेवानिवृत्त माली चिरौंजी लाल की ओर से अधिवक्ता राजेश पांडे व सुशील पटेल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि श्रम न्यायालय ने 22 वर्ष पूर्व 25 नवंबर, 2002 को आवेदक के पक्ष में अवार्ड पारित किया था। इसके बावजूद साल-दर-साल गुजरते चले गए किंतु आदेश का पालन नदारद रहा।

पुलिस कप्तान के हस्तक्षेप का भी नहीं हुआ असर

आज-कल करते हुए टीआई-चौकी प्रभारी ने निकाल दिए आठ दिन

48 घंटे बाद घायल खुद पहुंचा चौकी तब दर्ज हुई एफआईआर

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस कप्तान, एएसपी जैसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में अगर कोई पीड़ित पक्ष का मामला आता है तो वह इस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल अधीनस्थ कर्मचारियों को कार्रवाई करने के निर्देश देते हैं। लेकिन अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारी अपनी अलग ही व्यस्तता का बखान करते हुए पुलिस कप्तान के निर्देश के पालन करने में भी 48 घंटे लगा देते हैं जबकि हर चौकी हर थाने में इतना बल मौजूद है कि कम से कम पुलिस कप्तान के निर्देशों के पालन में तो हीला-हवाली नहीं होनी चाहिए। यह सीधे तौर पर अपने कप्तान और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के परिपालन में अवहेलना की मंशा को झलकाता है।

ऐसा ही एक मामला संजीवनी नगर थाना अंतर्गत धनवंतरी नगर चौकी का सामने आया है। जहां संजीवनी नगर टीआई बीडी द्विवेदी और धनवंतरी नगर चौकी प्रभारी आशुतोष मिश्रा ने सड़क एक्सीडेंट की एफआईआर लिखने में आठ दिन गुजार दिए। जब मामला 30 जनवरी को कप्तान संपत उपाध्याय के संज्ञान में आया तो उन्होंने पीड़ित पक्ष को आश्वासन देते हुए अगले दिन एफआईआर होने की बात कही। बावजूद इसके 48 घंटे बाद खुद घायल चौकी पहुंचा तब जाकर उसकी रिपोर्ट दर्ज की गई।

एक दूसरे पर फोड़ते रहे ठीकरा

इस पूरे घटनाक्रम में खास बात यह थी कि घटना के संबंध में टीआई द्विवेदी और चौकी प्रभारी मिश्रा को घटना के अगले दिन से अस्पताल द्वारा सूचना दिए जाने की जानकारी थी। लेकिन दोनों एक-दूसरे पर हमको नहीं मालूम का ठीकरा फोड़ते रहे। लेकिन जब बात कप्तान तक पहुंची उसके बाद सीएसपी के बार-बार बोलने पर भी दोनों के कानों में जूं तक नहीं रेंगी गई। हालांकि प्रकरण पर कप्तान ने सख्त रूख अख्तियार कर लिया है।

22-23 की दरमियानी रात हुई घटना

घटना के संबंध में सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुधा विहार रामपुर निवासी वेयर हाउस संचालक दीपक पटेल 22 जनवरी को अपने वेयर हाउस गोसलपुर ग्राम सिलुआ गए थे। रात करीब 2 बजे जब वह घर लौट रहे थे तभी धनवंतरी नगर चौकी अंतर्गत निशान कार शोरूम के समीप तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक चालक ने उनकी एक्सयूवी क्रमांक एमपी 20 सीजी 2976 को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी उनकी गाड़ी डिवाइडर में चढ़कर पलट गई। जिसमें उनके हाथ में कई जगह फ्रैक्चर, मुंह, नाक में गंभीर चोट पहुंची थी।

24 को अस्पताल से पहुंच गई तहरीर

घटना के बाद घायल को 108 की सहायता से त्रिवेणी हेल्थ केयर में भर्ती कराया गया जहां 24 को ऑपरेशन के पहले अस्पताल से संजीवनी नगर पुलिस को बतौर तहरीर भेजकर सूचना दी गई। 27 जनवरी को अस्पताल से डिस्चार्ज उपरांत वह घर पहुंच गए। लेकिन पुलिस ने एफआईआर तो दूर की बात बयान लेना तक उचित नहीं समझा। जिसके बाद घायल पक्ष के लोगों ने कप्तान उपाध्याय को घटना की सूचना दी। जिसके बाद कप्तान ने सीएसपी गोरखपुर एचआर पांडेय को निर्देशित कर अविलंब एफआईआर करने का फरमान दिया।

खुद पहुंचा चौकी तब हुई जीरो पर कायमी

पीड़ित दीपक पटेल ने बताया कि घटना में उसकी कार पूरी तरह से डैमेज हो गई थी। बगैर एफआईआर के कंपनी में इंश्योरेंस को लेकर बार-बार इश्यू बन रहा था। जिसकी जानकारी उनके द्वारा सीएसपी पांडेय को भी बताया था। जिस पर उन्होंने अगले दिन एफआईआर की बात कहीं। लेकिन जब कोई नहीं आया तो मजबूरी में उनको खुद घायल अवस्था में चौकी जाना पड़ा। जहां चौकी प्रभारी की मौजूदगी में उनकी एफआईआर दर्ज की गई।

खबर संक्षेप

'मिलन' का 52वां सरस्वती पूजन समारोह कल

जबलपुर। 'मिलन' का 52वां सरस्वती पूजन समारोह ओमनगर अमखेरा रोड स्थित मूर्तिकार प्रहलाद की शिल्पशाला में 03 फरवरी को शाम 06 बजे आयोजित है। समारोह की अध्यक्षता प्रज्ञा पीठाधीश्वर साध्वी विभानंद गिरी करेंगी, मुख्य अतिथि डॉ. हरिशंकर दुबे रहेंगे।

संत रविदास विचार मंच की सभा आज

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 02 फरवरी को मध्यान्ह 12.30 बजे लालकुंआ पोलीपाथर ग्वारीघाट रोड स्थित चंदाबाई के निवास पर मंच की सभा आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी होंगे एवं अध्यक्षता महिला प्रकोष्ठ (ग्रामीण) की रामबाई चौधरी करेंगी। कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील मुन्नालाल चौधरी, कमल, नरेन्द्र चौधरी, कंधीलाल मास्टर, काशी मास्टर, सियाबाई, रामकली, द्रोपदीबाई, छोटीबाई चौधरी सहित अन्य ने की है।

मध्यप्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स दल घोषित

जबलपुर। एपी मास्टर्स एथलेटिक्स के सचिव जीवनलाल रजक ने बताया कि 44वीं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप इंडिया मास्टर्स एथलेटिक्स द्वारा राजस्थान के अलवर के ऋषि कॉलेज में 06 फरवरी से 08 फरवरी तक आयोजित की जा रही है, इस प्रतियोगिता में 30 से 90 वर्ष आयु तक के महिला एवं पुरुष एथलीट भाग लेंगे। इस आयोजन में मध्यप्रदेश राज्य से 60 खिलाड़ी भाग लेंगे। संघ के संरक्षक केशलाल भगत ने टीम को शुभकामनाएं दी, मप्र टीम 04 फरवरी को जबलपुर, कटनी से अलवर के लिए प्रस्थान करेगी।

गोंड समाज का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आज

जबलपुर। गोंड समाज महासभा के तत्वावधान में एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 02 फरवरी को मोहनिया रांझी में प्रदेश अध्यक्ष बिसन सिंह परतेती की अध्यक्षता में आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र शासन के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह, जनजाति कार्य मंत्री एवं श्रीमती संपतिया उइके पीएचई मंत्री होंगे। विशिष्ट अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे मोहनिया स्थित बड़ादेव ठाना में पूजन से होगा। सम्मेलन में सभी आदिवासी संगठनों से उपस्थिति की अपील कोमल कोरचे, संजय ठाकुर, सेवल परते, राजेन्द्र तेकाम, मुकेश बट्टी, भानसिंह तेकाम, इंजी. प्रमोद उइके, बालकृष्ण उइके, नरेश कुलस्ते, महेन्द्र मरावी, क्रांति कुंवर मरावी, रतन मरकाम सहित अन्य ने की है।

महाशिवरात्रि पर अबूझ मुहूर्त में होंगी हजारों शादियां

फरवरी का शुभारंभ तिल कुंद चतुर्थी व्रत के साथ हुआ बसंत पंचमी और महाशिवरात्रि सहित कई व्रत व त्योहार रहेंगे

हरिभूमि, जबलपुर

फरवरी माह का शुभारंभ शनिवार को विनायक चतुर्थी व्रत के साथ हुआ। मां त्रीशक्ति पीठ के पुजारी पं. शिवशंकर दुबे ने बताया कि यह महीना बेहद खास होगा। क्योंकि इस माह में बसंत पंचमी, शीतलाषष्ठी, जया एकादशी, प्रदोष व्रत, माघ पूर्णिमा व महाशिवरात्रि जैसे बड़े तीज-त्योहार रहेंगे। बसंत पंचमी व अबूझ मुहूर्त व महाशिवरात्रि को शादियों के अबूझ मुहूर्त पर हजारों शादियां होंगी। तो वहीं इस माह बृहस्पति ग्रह वृषभ राशि में मार्गी होंगे। इसके अलावा दो ग्रह ओर अपनी राशि बदलेंगे।

फरवरी 2025 के व्रत-त्योहार

2 फरवरी विनायक चतुर्थी और गणेश जयंती का पर्व मनाया जाएगा। 3 फरवरी को वसंत पंचमी का पर्व है। 4 फरवरी को नर्मदा जयंती और रथ सप्तमी है। 5 फरवरी को मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत किया जाएगा। 8 फरवरी को माघ माह के शुक्ल पक्ष में जया एकादशी व्रत रहेगा। 9 फरवरी को प्रदोष व्रत है। 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा, कुंभ संक्रांति और गुरु रविदास जयंती मनाई 13 फरवरी को फाल्गुन माह शुरू होगा। इसी दिन ललिता जयंती भी है। 16 फरवरी को संकष्टी चतुर्थी। 18 फरवरी को यशोदा जयंती है। 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती है। 20 फरवरी को शबरी जयंती और कालाष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। 21 फरवरी को जानकी जयंती है।24 फरवरी को फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की जया एकादशी व्रत। 25 फरवरी को प्रदोष व्रत है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व रहेगा।27 फरवरी को फाल्गुन अमावस्या है।

फरवरी के महीने में ये ग्रह करेंगे राशि परिवर्तन

- 4 फरवरी को बृहस्पति ग्रह वृषभ राशि में मार्गी होंगे। इसका शुभ प्रभाव कुछ राशि के जातकों पर पड़ेगा।
- 11 फरवरी को बुध ग्रह कुंभ राशि में परिवर्तन करेंगे।
- 12 फरवरी सूर्य ग्रह कुंभ राशि में परिवर्तन करेंगे।

गणतंत्र दिवस परेड में सग्निल कोर और जम्मू-कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट ने बिखेरी चमक

जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के अंतर्गत कोर ऑफ़ सग्निल्स और जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट का मार्चिंग कंटिंजेंट ने 76वें गणतंत्र दिवस परेड 2025 में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। कोर ऑफ़ सग्निल्स को ₹सर्विसेज़ में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग कंटिंजेंट₹ का ख़िताब मिला, जबकि जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट को प्रतष्ठिति सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग कंटिंजेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कोर ऑफ़ सग्निल्स की कैप्टन ऋतिका खरेटा के नेतृत्व में, परेड प्रदर्शन के दौरान असाधारण सटीकता, अनुशासन और सैन्य धारण का प्रदर्शन किया। 148 सदस्यीय कंटिंजेंट में एक अधिकारी, तीन जूनियर कमीशंड ऑफिसर (खउड२), और 144 अन्य पद शामिल थे, जन्होंने बेजोड़ तालमेल और मार्शल अनुशासन का प्रदर्शन किया। उनकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन महीनों की कड़ी ट्रेनिंग का परिणाम है, जो 1 सग्निल ट्रेनिंग सेंटर (रळउ), जबलपुर में, ब्रिगेडियर टी सुरेश, कमांडेंट, मुख्यालय 1 सग्निल ट्रेनिंग सेंटर की देखरेख में आयोजित हुई। लेफ्टिनेंट जनरल पी एस शेखावत, जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य भारत एरिया ने दोनों मार्चिंग कंटिंजेंट को उनकी उत्कृष्टता और समर्पण के लिए सराहा।

नरसंहार पीड़ित परिवार से मिले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

मप्र में माफिया राज वाली सरकार : जीतू

हरिभूमि जबलपुर।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार को पाटन के टिमरी गांव में नरसंहार पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे. यहां उनके साथ राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री तरुण भनोत, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा उनके साथ मौजूद थे. यहां श्री पटवारी ने पीड़ित परिवार को दिलासा दिया और आश्वासन किया पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथा खड़ा है. आरोपियों को सजा दिलाने से लेकर, पीड़ित परिवारों के भविष्य सुरक्षित करने तक हर कदम पर कांग्रेस संघर्ष करेगी. पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि अराजकता, आतंक, हत्या और हत्यारे सब प्रशासन बन गए है। मप्र में माफिया राज वाली सरकार चल रही है भिंड पर जब कलेक्टर पर हमला हो सकता है तो आमजनता की सुरक्षा का अंदाजा शायद ही लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस काम सिर्फ हत्या करवाना बच गया है। जो घटनाएं महसूस की जाए, उससे साफ है कि कानून नाम की कोई चीज मध्य प्रदेश में नहीं है। यह हत्याकांड महसूस कराता है कि प्रदेश में अब कानून नहीं बचा है। गौरतलब है कि पाटन तहसील के टीमरी गांव में चार लोगों के जघन्य हत्याकांड ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी थी। चार लोगों की तलवार से बेरहमी से काटकर हत्या कर दी गई थी।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत गत दिवस मादक पदार्थ गांजा के कारोबार में लिप्त एक आटो पार्टस संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 767 ग्राम गांजा और नगदी 220 रुपए जब्त की है। पनागर थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह ने बताया कि गत दिवस भ्रमण के दौरान गुरुनानक वार्ड पनागर निवासी 36 वर्षीय दीपक जैन अपनी आटो पार्टस की दुकान के बाहर गांजा लेकर खड़ा था जो पुलिस को देखकर दौड़कर दुकान के अंदर जाने लगा, संदेह होने पर पुलिस ने आरोपी दीपक जैन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 767 ग्राम गांजा और नगदी 220 रुपए जब्त किए है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

सर्द-गर्म के मौसम में बीमारियों का हमला

पारे में उछाल, दिन गर्म, रातें सर्द

जबलपुर। मौसम के तेवर अचानक बदल गए हैं। शनिवार को दिन में गर्मी जैसे माहौल रहा। धूप तीखी लगी और पारा 30 डिग्री के पार पहुंच गया। दिन तेज, गर्म और रातें गुलाबी ठंडक दे रही हैं। सर्द गर्म के इस मौसम में बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। खासकर सर्दी, खांसी, बुखार और गले में खरास के मरीज, ज्यादातर पाये जा रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अभी मौसम के तेवर ऐसे ही चलेंगे।

स्थानीय मौसम विभाग के मुताबिक पिछले एक पखवाड़े से जबलपुर में मौसम शुष्क बना हुआ है। दिन प्रतिदिन हवा में नमीं घटने और तापमान बढ़ने से गर्मी का वातावरण बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 30.05 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 87 प्रतिशत और सायंकाल 54 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6 बजकर 49 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 5 बजकर 58 मिनिट पर हुआ। उत्तर पश्चिमी हवाएं 2 से 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अगले 24 घण्टों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

5000 मातृशक्ति की गोद भराई एवं सुहागले आज

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में निःशुल्क माघ मास कल्पवास के दसवें वर्ष के 21वें दिन 02 फरवरी रविवार सुबह 9:00 बजे से 12:00 बजे तक सुहागले एवं गोद भराई का आयोजन होगा। आश्रम के द्वारा सभी माता, बहनों, सुहागनों का सम्मान किया जाएगा एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा। वहीं जिन माता, बहनों को शादी उपरांत मातृत्व की प्राप्ति नहीं हुई है, किन्नर मगलामुखी समाज के द्वारा गोद भराई की रस्म अदा की जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील सुहागल एवं गोद भराई की प्रेरणा स्त्रोत श्रीमती सावित्री देवी अग्रवाल ने की है।

आईपीएपी ने नए पदाधिकारी घोषित किए

जबलपुर। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी (आईपीएपी) के राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. पुरूषोत्तम तिवारी ने जबलपुर जिले में नवीन पदाधिकारियों का मनोनयन किया। जिसमें रूद्रप्रताप सिंह को जिला उपाध्यक्ष, संजीव अग्रवाल को जिला महामंत्री, अरविंद खरे जिला मीडिया प्रभारी, संत कुमार रजक को जिला सचिव धर्मेन्द्र पटेल को सीहोरा अध्यक्ष एवं इंडियन स्टूडेन्ट यूनियन का शहर अध्यक्ष राजकुमार झारिया, मदन महल वार्ड अध्यक्ष सुजल रैकवार को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष लीलाधर झारिया, जिला अध्यक्ष ओ.पी. बिल्थरिया जिला महामंत्री बलराम श्रीवास्तव, जिला संगठन मंत्री राहुल वर्मा, केशव पटेल जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, प्रिंस पटेल, वार्ड अध्यक्ष जगदीश अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

डीआरएम इलेवन की टीम ने जीत की हासिल

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के रेल अधिकारियों ने कार्य की थकावट को रिलीज करने के लिए आज शनिवार को दो टीमों बनाकर एक सौहार्दपूर्ण क्रिकेट मैच खेला। इस मैच में डीआरएम 11की टीम ने एडीआरएम 11 की टीम को हराकर विजेता होने का गौरव हासिल किया। रेलवे स्टेडियम में प्रातः 10:00 बजे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के रेलवे ऑफीसर्स की 02 टीमों डीआरएम 11और एडीआरएम 11के बीच एक क्रिकेट मैच खेला गया । टॉस जीत कर डीआरएम 11 ने बैटिंग का फैसला किया और 20 ओवर में 182 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया । इसमें मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री कमल कुमार तलरेजा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, श्री सुबोध विश्वकर्मा, श्री राम बदन मिश्रा ,श्री आकाश , श्री मुनव्वर खान, सौरभ अवस्थी ने शानदार बैटिंग कर महत्वपूर्ण रन जोड़े । श्री आनंद कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा सचिपति नंदन ने बॉलिंग कर विकेट लिए । 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में एडीआरएम 11, 7 विकेट पर 129 रन ही बना सकी । डीआरएम 11की ओर से मंडल रेल प्रबंधक, कमल कुमार तलरेजा और डॉ. मधुर वर्मा, श्री रामबदन मिश्रा, श्री संजय, श्री आकाश, श्री प्रशांत कुमार श्री सौरभ अवस्थी , श्री आकाश ने विकेट लिए । एडीआरएम 11 से श्री आनंद कुमार ,अपर मंडल रेल प्रबंधक (नाबाद) रहे तथा श्री प्रिंस विक्रम, श्री अक्षय कुमरावत , श्री सर्वेश, श्री रोहित ने महत्वपूर्ण रन बनाए ।

गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया

जबलपुर। सेठ मन्नूलाल जगन्नाथदास ट्रस्ट के द्वारा समय-समय पर ग्राम नटवारा और उसके आसपास के ग्रामों के विकास के लिए, उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक सराहनीय कार्य किए जाते हैं, इसी श्रृंखला में 27/01/2025 को ग्राम नटवारा में गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें ग्राम नटवारा और आसपास के गांवों की अनेक गर्भवती महिलाएं उपस्थित हुईं और स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। उन महिलाओं को गर्भावस्था में अपना कैसे ध्यान रखना है और क्या-क्या सावधानी बरतना है, क्या पौष्टिक आहार लेना है, इस समय इन सभी बातों की जानकारी सेठ मन्नूलाल जगन्नाथदास हॉस्पिटल से पधारे शीर्ष डॉक्टरों द्वारा उन्हें प्रदान की गई। साथ ही साथ उन्हें जिन दवाईयों की, जिस प्रकार के पौष्टिक आहार की उन्हें गर्भावस्था के दौरान आवश्यकता होती है उसे ध्यान में रखते हुए सभी गर्भवती महिलाओं को दवाईयों और पौष्टिक आहार की एक किट सेठ मन्नूलाल जगन्नाथदास ट्रस्ट द्वारा भेंट की गई।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान में श्री जी का अभिषेक

जबलपुर। लार्डगंज जैन मंदिर में चल रहे सिद्ध चक्र महामंडल विधान में आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य निर्यापक श्रवण श्री 108 संभव सागर महाराज आर्यिका श्री 105 विमल मति माता ससंघ मंगल सानिध्य में सैकड़ो भक्तों ने जिनेन्द्र भगवन की पूजन भक्ति आरती की। विधान में सर्व प्रथम भक्तो ने श्री जी का अभिषेक एवं विश्वशांति की कामना से शांतिधारा किया। उसके पश्चात 64 रिद्धि सिद्धि विधान किया इस अवसर पर विमल मति मति जी ने कहा की आज का विधान बहुत महत्वपूर्ण है विधान के अवसर पर बहुत से श्रावक श्राविकाओं ने 64 रिद्धि का व्रत करने का संकल्प लिया माता ने कहा की वर्तमान पंचम काल में यदि व्यक्ति के भाव भगवन के पूजन के हो रहे। विधान का समापन 5 फरबरी को विश्वशांति की कामना से विश्वशांति हवन के साथ सम्पन होगा तदुपरांत श्री जी की शोभा यात्रा निकली जाएगी।

रीवा-छत्रपति शिवाजी टर्मिनस एक्सप्रेस को नियमित करने की मांग

भाजपा युवा मोर्चो पूर्व राष्ट्रीय मंत्री गौरव तिवारी ने रेल मंत्री से मुलाकात

जबलपुर। भाजपा युवा मोर्चो पूर्व राष्ट्रीय मंत्री गौरव तिवारी ने रेल मंत्री से मुलाकात कर रीवा - छत्रपति शिवाजी टर्मिनस एक्सप्रेस को नियमित करने की मांग की है। गौरव तिवारी ने दिल्ली में रेल मंत्री से मुलाकात कर विंध्य क्षेत्र की जनता की विभिन्न मांगों व समस्यां को लेकर ध्यानाकर्षण कराया है। इस संबंध में एक ज्ञापन दिया है। जिसमें उन्होंने रीवा से लखनऊ (वाया प्रयागराज) ओवरनाइट एक्सप्रेस अथवा इंटरसिटी एक्सप्रेस को शुरू करने,रीवा - वाराणसी (वाया प्रयागराज-मिजार्पुर) इंटरसिटी एक्सप्रेस शुरू करने की मांग की। इसी तरह रीवा - राजकोट एक्सप्रेस (22938) को नियमित या सप्ताह में तीन दिन चलाए जाने की मांग की है। इसी तरह रीवा - बिलासपुर (18248) को दुर्ग तक बढ़ाने की मांग की। तो वहीं देश की राजधानी दिल्ली से विंध्य को जोड़ने वाली एक मात्र ट्रेन रीवा आनंद विहार एक्सप्रेस (02427) में नए रैक लगाने एवं बेहतर रख रखाव की व्यवस्था की बात भी ज्ञापन में कहीं।

प्रधानमंत्री ने दिया नया एयरपोर्ट

इस दौरान ज्ञापन में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में विंध्य को हाल ही में रीवा में नया एयरपोर्ट प्राप्त हुआ, जिसके लिए हम सभी भाजपा के सक्षम एवं संवेदनशील नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हैं। आपकी विशेष पहल से वन्दे भारत एक्सप्रेस रीवा से भोपाल करने के लिए विंध्य की जनता आपकी ऋणी हैं। वर्तमान में विंध्य जो की एक तेजी से विकसित होता क्षेत्र है एवं जिसमे पर्यटन की अनंत सम्भावनाये हैं, उसमे अभी रेलवे के क्षेत्र में विभिन्न रूट पर ध्यान देने की आवश्यकता है। रीवा एवं उसके आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज, छात्र, कर्मचारी, व्यापारी तथा अन्य नागरिक मुंबई यात्रा करते हैं। विंध्य से बड़ी संख्या में कैंसर के मरीज उपचार के लिए मुंबई एवं पीजीआई लखनऊ जाते हैं, किन्तु उनके लिए रेल मार्ग से नियमित सेवा उपलब्ध नहीं हैं, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

नाम एवं जन्मतिथि सुधार सूचना

मैं आर्मी नं. 16019418A नाम :-बृजेश प्रताप सिंह (BRAJESH PRATAP SINGH) पुत्र श्री प्रदीप सिंह (PRADEEP SINGH) ग्राम कोटा पोस्ट झिंगोदर जिला सतना निवासी हूं। मैं आर्मी में राजपूताना राइफल में सेवारत् हूं मेरी सर्विस बुक में मेरी माता जी का नाम प्रभा सिंह (PRAVHA SINGH) दर्ज है जबकि माता जी के आधार कार्ड (5659 1658 0473) और पैन कार्ड में प्रभा सिंह (PRABHA SINGH) दर्ज है और उनकी जन्मतिथि 1/1/1969 दर्ज है और पिताजी के आधार कार्ड (7983 00239912) और पैन कार्ड में उनकी जन्मतिथि 01/01/1966 दर्ज है, जो की सही व सत्य है। अतः मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरी माता जी का सही व सत्य नाम (PRABHA SINGH) सही व सत्य जन्मतिथि 1/1/1969 एवं पिता जी की सही व सत्य जन्मतिथि 01/01/1966 दर्ज की जावे।

नाम सुधार सूचना

मैं, गोविन्द सिंह राजपूत पिता सुन्दर सिंह राजपूत निवासी प्लाट नंबर 55, समदडिया रेसीडेंसी, न्यू ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय वार्ड 30 जबलपुर मप्र-482002 आधार कार्ड क्रमांक - 3045 7237 9518 का स्थाई निवासी हूँ मुझ शपथकर्ता के पासपोर्ट क्रमांक K-860438 में मुझ शपथकर्ता का नाम GOVIND SING THAKKUR एवं मेरे पेन कार्ड क्रमांक - AUTPR2976D में मुझ शपथकर्ता का नाम त्रुटिवश GOVINDSINGH SUNDAR SINGH RAJPUT दर्ज हो गया है जो कि गलत व असत्य नाम है मुझ शपथकर्ता का सही व सत्य नाम GOVIND SINGH RAJPOOT है जो कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक - 3045 7237 9518 एवं मेरे अन्य दस्तावेजों में दर्ज है मुझ शपथकर्ता का सही व सत्य नाम GOVIND SINGH RAJPOOT मेरे उपरोक्त दस्तावेज एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मान्य किया जावे शपथ पत्र दिनांक 01/02/2025 समक्ष पब्लिक नोटरी महोदय जिला जबलपुर मप्र
गलत व असत्य नाम
GOVIND SING THAKKUR
GOVINDSINGH SUNDARSINGH RAJPUT
सही व सत्य नाम
GOVIND SINGH RAJPOOT

निधन

श्री रमाकांत रायजादा- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री रमाकांत रायजादा (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती बुन्टो नायडू- बदनपुर शक्तिनगर निवासी श्री बैजू नायडू की धर्मपत्नी श्रीमती बुन्टो नायडू (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री मोहन थापा- सिद्धि विनायक कॉलोनी बिलपुरा मड़ई निवासी श्री मोहन थापा (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हेमलता ठाकुर- आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री दुर्गा शंकर ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती हेमलता ठाकुर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री बाबा राव राउत- धनंवतरी नगर निवासी श्री बाबा राव राउत (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुभाष चंद्र खेर- आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री सुभाष चंद्र खेर (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती माया बाई पटेल- यादव कॉलोनी निवासी श्री काशीराम पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती माया बाई पटेल (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रति बाई बेन- द्वारका नगर लालमाटी रंजन मेढिकल के पीछे निवासी श्री लोकमन बेन की धर्मपत्नी श्रीमती रति बाई बेन (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रजनी साहू- रानी दुर्गावती नगर फेस 2 तिलहरी निवासी श्री राजेश कुमार साहू की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी साहू (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हीरा लाल चौधरी- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री हीरा लाल चौधरी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शशिकला वर्मा- बिलपुरा निवासी श्री छठी लाल वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शशिकला वर्मा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उमा गुप्ता- पश्चिमी घमापुर निवासी श्री राम कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती उमा गुप्ता (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रूप लाल पटेल- रामपुर पटेल मोहल्ला निवासी श्री रूप लाल पटेल (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश जाट- कंजड़ मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री राजेश जाट (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मधु दुबे- नैना विहार सगड़ा निवासी श्री नरेंद्र कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती मधु दुबे (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरस्वती बाई- मिलौनीगंज निवासी श्री सुरेश कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती बाई (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

बजट में खास

टीडीएस/टीसीएस की दरों में दी राहत

- अब धनप्रेषणों पर टीसीएस की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपए किया
- उच्च टीडीएस कटौती के प्रावधान केवल गैर–पैन मामलों पर ही लागू होंगे।
- विवरणी दाखिल करने की नियत तारीख तक टीडीएस के भुगतान में विलंब को गैर-आपराधिक कर दिया गया था अब अपराध नहीं
- लगभग 90 लाख करदाताओं ने अतिरिक्त कर का भुगतान करते हुए स्वैच्छिक रूप से अपनी आय संबंधी ब्यौरों को दिया
- छोटे धर्मार्थ न्यासों/संस्थाओं की पंजीकरण अवधि को बढ़ाकर 5 वर्ष से 10 वर्ष की
- पिछले बजट में प्रस्तुत की गई विवाद से विश्वास योजना को शानदार प्रतिक्रिया मिली है और इसके द्वारा लगभग 33,000 करदाताओं ने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने विवादों का निपटारा किया
- वरिष्ठ और अति वरिष्ठ नागरिकों को लाभ देते हुए 29 अगस्त, 2024 को या उसके बाद राष्ट्रीय बचत योजना (एनएसएस) से किए गए आहरण पर छूट प्रदान करने का प्रस्ताव
- एनपीएस वात्सलय खातों के लिए भी ऐसी ही व्यवस्था का प्रस्ताव
- अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के मामलों में आर्म्स लेन्थ मूल्य निर्धारण करने के लिए एक योजना शुरू करने का प्रस्ताव है। यह योजना सर्वोत्तम वैश्विक पद्धतियों के अनुरूप होगी
- अंतरराष्ट्रीय कराधान में विवादों को कम करने और निश्चितता को बनाए रखने की दृष्टि से सेफ हार्बर नियमों के दायरे का विस्तार किया जा रहा
- बजट में सॉवरेन धन निधियों और पेंशन निधियों द्वारा अवसंरचना क्षेत्र में वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिए निवेश करने की तारीख को 5 वर्ष तक बढ़ाने का प्रस्ताव
- औद्योगिक वस्तुओं के लिए सीमा-शुल्क टैरिफ संरचना को युक्तिसंगत बनाने के लिए बजट में सात टैरिफ दरें घटाई, अब 8 बचीं।
- एक से अधिक उपकर अथवा अधिभार नहीं लगाने का प्रस्ताव
- व्यवसाय प्रोविजनल कर निर्धारण को अंतिम रूप देने के लिए दो वर्ष की समय-सीमा तय करने का प्रस्ताव जिसे एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है।
- आयातक या निर्यातक की सुविधा के लिए माल की मंजूरी के बाद स्वेच्छा से महत्वपूर्ण तथ्यों की घोषणा कर सकते हैं और जुर्माने के बिना ब्याज सहित शुल्क का भुगतान कर सकते हैं
- आयातित वस्तुओं के अंतिम उपयोग की समय-सीमा 6 महीने से बढ़ाकर एक वर्ष की गई
- ऐसे आयातकों को केवल तिमाही विवरण दाखिल करना होगा

ओल्ड टैक्स रिजीम में बदलाव नहीं

बजट में ओल्ड टैक्स रिजीम में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। ओल्ड टैक्स रिजीम चुनने पर अभी भी 2.5 लाख रुपए तक की इनकम ही टैक्स फ्री रहेगी। हालांकि इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 87ए के तहत करदाताओं को 5 लाख तक की इनकम पर 12,500 रुपए माफ करते हैं अर्थात् कोई टैक्स नहीं देना होगा। अगर आपकी सालाना इनकम 5 लाख से 10 लाख के बीच है तो आपको 20% तक टैक्स लगेगा। यानी आपको 1,12,500 रुपए टैक्स चुकाना होगा। लेकिन इनकम टैक्स कानून में ऐसे कई प्रावधान यानी टैक्स छूट हैं, जिनसे आप 10 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री कर सकते हैं। ध्यान रहें, अगर आपकी आय 5 लाख से 1 रुपए भी ज्यादा होती है तो आपको 87ए का फायदा नहीं मिलेगा। आपको 2.5 लाख से ज्यादा की इनकम पर टैक्स चुकाना होगा। हालांकि, वेतनभोगी लोगों की 5.50 लाख रुपए तक की रकम टैक्स फ्री होती है। उन्हें 50 हजार रुपए की अतिरिक्त छूट मिलती है।

हर साल नया अंदाज...

साल 2019 | साल 2020 | साल 2021 | साल 2022 | साल 2023 | 2024 अंतरिम | साल 2024 | साल 2025

नई टैक्स रिजीम वाले फायदे में, पुरानी जस की तस

इनकम टैक्स से बड़ी राहत, 12 लाख तक 'कमाई' पर 80 हजार का फायदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025-26 में इनकम टैक्स को लेकर बड़ी राहत दी है। इस बार वित्त मंत्री सीतारमण ने 77 मिनट लंबा बजट भाषण दिया। इस बार न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए तक हो जाएगी। न्यू टैक्स रिजीम के स्लैब में भी बदलाव किया गया है। पुरानी टैक्स रिजीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि नई टैक्स रिजीम में 12 लाख रुपए तक की छूट इनकम टैक्स एक्ट की धारा 87ए के तहत दी गई है। यानी नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख तक की सालाना कमाई वालों पर 4-8 लाख रुपए की कमाई पर लगने वाले 5% टैक्स और 8-12 लाख की कमाई पर लगने वाला 10% टैक्स सरकार माफ कर देगी। वहीं सैलरीड लोगों को 75 हजार रुपए का अतिरिक्त स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलेगा। यानी अगर किसी की सैलरी से सालाना इनकम 12.75 लाख रुपए है तो उसे कोई टैक्स नहीं देना होगा।

नई टैक्स रिजीम के दूसरे और तीसरे स्लैब में कर माफ

पहला लाभ, इस साल की नई टैक्स रिजीम के दूसरे और तीसरे स्लैब के टैक्स सरकार 87ए के तहत माफ कर देगी। इसके अलावा 75 हजार का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों की कुल 12.75 लाख की आय टैक्स फ्री हो जाएगी। ध्यान रहे कि यह राहत केवल नौकरीपेशा लोगों के लिए है। अन्य किसी भी जरिए से आमदनी होने पर टैक्स में छूट की सीमा केवल 12 लाख ही रहेगी। दूसरा लाभ, आयकरदाता पिछले 4 साल का आईटी रिटर्न एकसाथ फाइल कर सकेंगे। इससे पहले तक यह सीमा 2 साल की थी। तीसरा लाभ है कि सीनियर सिटीजंस के लिए टीडीएस की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख कर दी है।

नए टैक्स स्लैब से कितना फायदा

2024		2025	
सालाना आय	टैक्स	सालाना आय	टैक्स
0-3 लाख	कुछ नहीं	0-4 लाख*	कुछ नहीं
3-7 लाख	05%	4-8 लाख*	05%
7-10 लाख	10%	8-12 लाख*	10%
10-12 लाख	15%	12-16 लाख	15%
12-15 लाख	20%	16-20 लाख	20%
15 लाख से ज्यादा	30%	20-24 लाख	25%
-	-	24 लाख से ज्यादा	30%

नोट: *न्यू टैक्स रिजीम में 4-8 लाख पर 5% टैक्स और 8-12 लाख पर लगने वाला 10% सरकार सीधे माफ कर देती है।

इनकम टैक्स भरने के लिए प्रोत्साहन

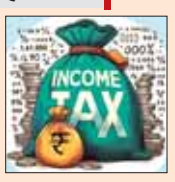

- पिछले 4 साल का आईटी रिटर्न एकसाथ फाइल कर सकेंगे। इससे पहले सीमा 2 साल तक की थी।
- इनकम रिटर्न फाइल करते समय इनकम टैक्स प्रेयर्स को क्रिप्टो करंसी में किए गए निवेश की भी जानकारी देनी होगी।
- घर अथवा उसके भाग से मिलकर बनी संपत्ति का वार्षिक मूल्य शून्य माना जाएगा। बजट में दो संपत्तियों पर वार्षिक मूल्य शून्य मान्य किया गया है।

व्यापार के सरलीकरण के लिए ये बिंदु

- स्टार्ट-अप हेतु पांच वर्षों के लिए आईएसी की धारा 80 के तहत लाभ दिए जाएंगे।
- धर्मार्थ न्यासों व संस्थाओं के लिए कर प्रावधानों का सरलीकरण किया।
- छोटे न्यासों अथवा संस्थान के पंजीकरण की वैधता अवधि 5 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष की गई।
- व्यावसायिक न्यासों के कराधान को युक्तिसंगत बनाना
- संगृहीत किए गए कर (टीसीएस) पर देरी से भुगतान के लिए छूट

सरकार कर रही प्रोत्साहित

ज्यादा से ज्यादा लोग न्यू टैक्स रिजीम के दायरे में आएं

मौजूदा समय में दो तरह के आयकर सिस्टम हैं। न्यू टैक्स रिजीम और ओल्ड टैक्स रिजीम। वर्तमान में ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत 10 लाख से ज्यादा की आय पर 30% आयकर की व्यवस्था है, जबकि न्यू टैक्स रिजीम में 15 लाख से ज्यादा की आय पर 30% आयकर की व्यवस्था है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश में 65 फीसदी से ज्यादा करदाता न्यू टैक्स रिजीमको अपना चुके हैं, यानी हर 3 में से 2 लोग न्यू टैक्स रिजीम के तहत आयकर फाइल कर रहे हैं। इस डेटा में पिछले एक साल के दौरान ज्यादा बदलाव आया है, क्योंकि सरकार ने जब बजट 2020 में न्यू टैक्स रिजीम को लागू किया तो लोग इसे अपनाने से कतरा रहे थे। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि सरकार एक नए बिल को लाकर ओल्ड टैक्स रिजीम को खत्म कर सकती है।

टीडीएस के बोझ को कम किया

- 50 लाख से अधिक मूल्य की विशेष वस्तुओं की बिक्री के स्रोत पर कोई कर नहीं लिया जाएगा।
- आय की विवरणी दाखिल नहीं करने वाले लोगों के लिए उच्च टीडीएस/टीसीएस दर को हटा दिया है। इसके तहत अधिनियम की धारा 206कख और धारा 206गगक को विलोपित की जाएंगी।
- अधिनियम की धारा 206ग(7) के तहत 'वन उत्पाद' के अर्थ को तर्कसंगत और स्पष्ट करने का प्रस्ताव है ताकि इसकी परिभाषा से संबंधित किसी भी प्रकार की अस्पष्टता को दूर किया जा सके। टीसीएस 'किसी अन्य वन उत्पाद, जो वन पट्टे के तहत प्राप्त किया जाता है' पर ही अर्जित किया जाएगा।

बजट में सरकार की करों की कटौती और राहत का साइड इफेक्ट

प्रत्यक्ष करों में लगभग एक लाख करोड़ रु. और अप्रत्यक्ष करों में 2600 करोड़ का होगा नुकसान

36 जीवन रक्षक दवाओं को बुनियादी सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट में करों की कई राहत से सरकार को प्रत्यक्ष करों में लगभग एक लाख करोड़ रुपए का और अप्रत्यक्ष करों में 2600 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। सरकार ने 36 जीवन रक्षक औषधियों और दवाओं को बुनियादी सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट दी गई हैं।

हस्तशिल्प वस्तुओं की निर्यात अवधि बढ़ाई

बजट में हस्तशिल्प की निर्यात अवधि 6 महीने से बढ़ाकर एक वर्ष की गई, आवश्यकता पड़ने पर आगे तीन महीनों के लिए और बढ़ाई जा सकती है। शुल्क मुक्त वस्तुओं की सूची में नौ और वस्तुएं शामिल की गई हैं। चमड़े की वस्तुओं में वेट ब्लू लेदर पर बुनियादी सीमा शुल्क में पूर्ण छूट दी गई है।

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं में छूट बढ़ाकर 20%

इन्टेरेक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर बुनियादी सीमा शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों के बैट्री के विनिर्माण के लिए 35 अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुओं और मोबाइल फोन बैट्री विनिर्माण हेतु 28 अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुओं पर छूट है। पोत निर्माण में कच्चे माल, घटकों, पुर्जों पर अगले दस वर्षों तक बुनियादी सीमा शुल्क में छूट दी गई है।

समुद्री उत्पाद को बढ़ावा

फ्रोजेन फिश पेस्ट (सुरीमी) और ऐसे ही उत्पादों के निर्यात पर बुनियादी सीमा शुल्क 30 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है। मछली और झींगा के आहार बनाने के लिए फिश हाइड्रोलीसेट पर बुनियादी सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है। रेल वस्तुओं के लिए घरेलू एमआरओ में वायुयानों और जलपोतों के मरम्मत के लिए आयातित एमआरओ के समान ही छूट का लाभ प्रदान किया जाएगा। ऐसी वस्तुओं के निर्यात की समय-सीमा छह महीने से बढ़ाकर एक वर्ष की गई।

कर सुधारों को लेकर नया कानून

अगले हफ्ते आएगा नया इनकम टैक्स बिल, सरल भाषा में होगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगले हफ्ते नया इनकम टैक्स बिल को संसद में रखा जाएगा जिससे कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। संभवतः टैक्स रिजीम में फेरबदल होने वाला है। दरअसल, अब नया आयकर कानून को बजट सत्र के दौरान संसद में पेश किया जाएगा। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा अधिनियम में संशोधन। यह मसौदा विधि मंत्रालय के पास था। नया आयकर कानून लाने का मुख्य मकसद मौजूदा इनकम टैक्स एक्स, 1961 को आसान, स्पष्ट और समझने योग्य बनाना है।

6500 सुझाव आए

इसमें कानून को आसान भाषा में लिखा जाए, ताकि आम लोग इसे आसानी से समझ सकें। अनावश्यक और अप्रचलित प्रावधानों को हटाया जाएगा। कर विवादों (टैक्स लिटिगेशन) को कम किया जाएगा। टैक्सपेयर्स के लिए अनुपालन (कम्प्लाएंस) को आसान बनाया जाएगा। इसके लिए इन सुधारों के लिए आयकर विभाग को जनता और उद्योग जगत से 6,500 सुझाव प्राप्त किए हैं।

आम बजट पर एक्सपर्ट का नजरिया

बजट में भारत के आर्थिक भविष्य की एक दूरदर्शी और व्यावहारिक योजना

प्रो. हिमांशु राय
निदेशक
आईआईएम, इंदौर

केंद्रीय बजट 2025-26 भारत के आर्थिक भविष्य की एक दूरदर्शी और व्यावहारिक योजना प्रस्तुत करता है। इस बजट में तीन प्रमुख बदलाव उभरकर सामने आते हैं- आर्थिक सशक्तिकरण, सतत विकास और सुशासन में क्रांति। आर्थिक सशक्तिकरण केवल कर राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय समावेशन पर केंद्रित है। एमएसएमई, महिला उद्यमियों और स्टार्टअप्स को दी गई वित्तीय सहायता से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि समृद्धि केवल बड़े उद्योगों तक सीमित न रहे, बल्कि हर स्तर तक पहुंचे। सतत विकास का संकेत नए शहरीकरण मॉडल से मिलता है। 'अर्बन चैलेंज फंड' और ग्रीन सिटी योजनाओं से अव्यवस्थित विस्तार के बजाय सुव्यवस्थित और पर्यावरण-अनुकूल शहरों की नींव रखी जा रही है, जिससे भारत का शहरी जीवन बेहतर और टिकाऊ बने। सुशासन में बदलाव तकनीक-संचालित नीतियों के रूप में स्पष्ट है। एआई-आधारित सरकारी सेवाओं और तेजी से स्वीकृत होने वाली योजनाओं से प्रशासन अधिक कुशल बनेगा।

बाजार में कैश फ्लो बढ़ेगा, उद्यमी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बजट में बड़ी पहल

आस्था वैश्य
चार्टर्ड अकाउंटेंट
भोपाल

बजट 2025 में इनकम टैक्स से बहुप्रतीक्षित राहत दी गई है। न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। 5 लाख रुपए का अतिरिक्त लाभ मिलने करदाताओं की ओर से यह पूंजी बाजार में आएगी। बाजार में पूंजी प्रवाह (कैश फ्लो) बनेगा। उनके पास अधिक पैसा छोड़ने, घरेलू खपत, बचत और निवेश बढ़ाने का मौका होगा। न्यू टैक्स रिजीम के स्लैब में भी बदलाव किया गया है। इसका कारण है कि सरकार निरंतर अधिक से अधिक लोगों को न्यू टैक्स रिजीम में तहत लाना चाहती है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस की सीमा 50 हजार रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए करके उन्हें बड़ी राहत दी गई है। इनकम टैक्स भरने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अब एकसाथ 4 साल तक का अपडेटेड आईटीआर भर सकेंगे। किराया आमदनी पर टीडीएस छूट सालाना 2.40 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रुपए की गई है। पहली बार व्यापार करने वाली महिलाओं को बिना गारंटी के 2 करोड़ रुपए का ऋण उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगा, लोगों को रोजगार दिलाएगा।

आम बजट संसद के पटल पर पेश कर दिया गया है। इसमें सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने का प्रयास है तो अगली पीढ़ी के आर्थिक सुधारों पर भी जोर है। इसमें दिल्ली और बिहार के लिए राजनीतिक ऐलान भी है और इनकम टैक्स रिफॉर्म का वादा भी है। बजट में विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने का संकल्प है तो कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटेक, ग्रीन टेक, उद्योग क्षेत्र को बूस्ट देने की योजना है। समग्रता से देखें तो बजट खपत को बढ़ाने वाला है, सोशल वेलफेयर में समावेशी है, भविष्य के लिए मिशनरी है और आर्थिक बुनियाद को और मजबूती प्रदान करने वाला है। 12 लाख रुपये की सालाना आय को टैक्स नेट से बाहर कर और अन्य कर रियायतों से मध्यमवर्ग को लंबे अर्से बाद राहत दी गई है। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने समेत अगली पीढ़ी के सुधारों को तेज करने का प्रस्ताव किया है। बीमा क्षेत्र में एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेश निवेश) की सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने के साथ ही कर कानूनों को सरल बनाने का ऐलान किया गया है। सरकार कराधान, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र, बिजली और नियामकीय ढांचा जैसे छह क्षेत्रों में सुधारों की शुरुआत करेगी। बजट में विकसित भारत के लक्ष्य के लिए चार इंजन-कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को चिन्हित किया गया है। इस बार के आम बजट में किसके लिए क्या है, इन सब पहलुओं का विश्लेषण करता आजकल का यह विशेष अंक...

अर्से बाद मध्यमवर्ग पर मेहरबान बजट

विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बजट को समावेशी बनाने की कोशिश है। सबसे बड़ी घोषणा मध्यमवर्ग नौकरीपेशा को राहत देने के रूप में की गई है। नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख 75 हजार रुपये तक की आय को करमुक्त कर दिया गया है। नई टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब को भी बदला गया है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और कुछ महीनों बाद देश की राजनीति की धड़कन माने जाने वाली मगध की धरती यानी बिहार में भी चुनाव होना है। निर्मला सीतारमण की ओर से मिली आयकर छूट से सरकारी कर्मचारियों की भी राजधानी मानी जाने वाली दिल्ली चुनाव पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। बजट प्रस्ताव में बिहार के किसानों के लिए मखाना बोर्ड का ऐलान किया है।

इस बार के बजट में हेडलाइन भी है, राजनीति भी है, अर्थव्यवस्था भी है और मध्यमवर्ग पर मेहरबानी भी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि, स्वास्थ्य, ईवी उद्योग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा आदि पर खास ध्यान दिया है। बजट को समावेशी बनाने की कोशिश है। सबसे बड़ी घोषणा मध्यमवर्ग नौकरीपेशा को राहत देने के रूप में की गई है। नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख 75 हजार रुपये तक की आय को करमुक्त कर दिया गया है। नई टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब को भी बदला गया है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और कुछ महीनों बाद देश की राजनीति की धड़कन माने जाने वाली मगध की धरती यानी बिहार में भी चुनाव होना है। निर्मला सीतारमण की ओर से मिली आयकर छूट से सरकारी कर्मचारियों की भी राजधानी मानी जाने वाली दिल्ली चुनाव पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। शायद यही वजह है कि अरविंद केजरीवाल मोदी सरकार के बजट से खुश नहीं हैं और कह रहे हैं कि इस बजट से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिली है।

मखाना किसानों को राहत

इस बजट में बिहार को बहुत कुछ मिला है। निर्मला सीतारमण ने बजट प्रस्ताव में बिहार के किसानों के लिए मखाना बोर्ड का ऐलान किया है। इससे बिहार के मखाना किसानों को राहत मिलने के आसार है। इसके उत्पादन, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और मार्केटिंग के अवसर बढ़ेंगे। जाहिर है कि इसका सीधा फायदा बिहार के ही लोगों को मिलेगा। बजट प्रस्तावों में मखाना निकालने के काम में लगे लोगों के लिए भी सरकारी राहत की बात की गई है। यानी मखाना उत्पादक, उसके वितरक और उसके कामगार, सबको राहत और मौका देने की बात की गई है। प्रस्तावित मखाना बोर्ड की एक और जिम्मेदारी होगी। वह किसानों को प्रशिक्षण और सहयोग भी देगा। साथ ही उन्हें सरकार की तरफ से मिलने वाले फायदों को भी सुनिश्चित करेगा। वैसे देखें तो मध्य वर्ग को केंद्र सरकार ने इन बजट प्रस्तावों के जरिए एक लाख करोड़ रुपये का उपहार दिया है। इसमें 12 लाख 75 हजार की आमदनी वाले लोगों को टैक्स में 80 हजार रुपये का फायदा हुआ है। बहरहाल 16 लाख रुपये की आमदनी वाले लोगों को टैक्स में 50 हजार रुपये का फायदा हुआ है तो 18 लाख रकी आमदनी वाले को टैक्स में 70 हजार का लाभ दिख रहा है। इसी तरह 20 लाख रुपये की आमदनी वाले को 90 हजार रका फायदा होगा तो 25 लाख रुपये की आमदनी वाले को एक लाख दस हजार रुपये का नए टैक्स नियमों से फायदा होगा। इसी तरह 50 लाख रुपये की आमदनी वाले को भी एक लाख दस हजार रुपये का फायदा हो रहा है।

लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी

जाहिर है कि मध्य वर्ग को इससे फायदा होता नजर आ रहा है। वायस ऑफ बैंकिंग के प्रमुख अश्विनी राणा के अनुसार, टैक्स बचने से लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा आयेगा। इससे लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी। इससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। केन्द्रीय बजट में कृषि और महिलाओं पर भी फोकस किया गया है। पीएम धन-धान्य योजना का प्रस्ताव किया गया है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख करने से किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए लाभ होगा। भारतीय पोस्ट के दफ्तरों के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। इसका लाभ भी किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा। एमएसएमई को भी क्रेडिट कार्ड देने की तैयारी है। इसके साथ ही बजट प्रस्तावों में राज्यों को शहरों में पूंजीगत योजनाओं में निवेश के लिए ऋण से जहां विकास होगा, वहीं रोजगार भी मिलेगा। सक्षम आंगनवाड़ी 2.0 के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। ऊर्जा और जल मिशन पर भी फोकस किया गया है।

रोगियों को मिलेगी बड़ी राहत

रोजगार पैदा करने के लिए पर्यटन केंद्रों और आध्यात्मिक स्थलों का विकास अच्छा प्रयास है। इसी तरह बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश को 75 से 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। इससे बीमा क्षेत्र में विकास की उम्मीद है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के लिए नए कोड की घोषणा शीघ्र होगी। जीवन रक्षक दवाइयों पर आयात शुल्क समाप्त करने से रोगियों को बड़ी राहत मिलेगी। हर जिले में कैंसर के इलाज की सुविधा देना भी बड़ा फैसला है। इसके साथ ही मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी है। आम आदमी का सपना है अपने सिर पर अपनी छत होना। इस बजट के जरिए लोगों को घर खरीदने में राहत का भी ऐलान किया गया है। इससे लोगों के साथ ही रियल एस्टेट को भी फायदा होगा। इससे निर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। बिहार के पटना हवाई अड्डे के विकास और उसकी क्षमता बढ़ाने के लिए भी बजट प्रस्ताव किया गया है। इससे देश-विदेश में काम कर रहे बिहार के लोगों को सीधे फायदा होगा और उनकी अपनी माटी से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

बिहार के लिए विशेष योजनाएं

बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, और उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना का प्रस्ताव है। इस संस्थान के जरिए समूचे पूर्वी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को मजबूती देने की तैयारी है। इसके द्वारा किसानों के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने की तैयारी तो है ही, उनकी आय में बढ़ोत्तरी का भी प्रस्ताव है।

निर्मला सीतारमण के अनुसार, इस संस्थान के जरिए युवाओं को हुनरमंद बनाने की तैयारी है। इसके साथ ही उन्हें उद्यमिता और रोजगार प्राप्त करने के अवसर पैदा होंगे। बिहार में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाएंगे। इसके जरिए पश्चिमी कोसी नहर परियोजना को भी आर्थिक मदद दी जा रही है। इससे उत्तरी बिहार के 50 हजार हेक्टेयर में सिंचाई की सहूलियत बढ़ेगी। इससे मिथिलांचल की कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।यूं तो हर बजट सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक भी होता है। लेकिन आयकर छूट और बिहार को मिलने वाली विशेष सहायता योजनाओं के संदर्भ में यह राजनीतिक बजट भी है। हालांकि इन पंक्तियों को लिखे जाने तक किसी ने इस नजरिए से बजट पर सवाल नहीं उठाया है, लेकिन यह तय है कि इन प्रस्तावों से दिल्ली और बिहार के वोटरों को लुभाने की कोशिश की गई है।कुल मिलाकर कह सकते हैं कि बजट के जरिए लोक को साधने के साथ ही आर्थिक स्थिति को भी बेहतर बनाने की कोशिश है। हालांकि लोगों को उम्मीद थी कि जीएसटी दरों में राहत मिलेगी, मध्य वर्ग को कर्ज मुक्ति मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। लेकिन कह सकते हैं कि यह बजट कुछ संदर्भों में लोकलुभावन है तो कुछ अर्थों में नहीं। इन अर्थों में यह राजनीतिक भी है और राजनीतिक हित साधने का साधन भी।

'खास' साड़ी पहनकर हस्तशिल्प को बढ़ावा

न्यूट्रेंड

डॉ. रमेश ठाकुर

वरिष्ठ स्तंभकार

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने कार्यकाल का 8वां बजट पेश किया, लेकिन कोई ऐसा बजट उनका नहीं रहा, जब उन्होंने बजट के दिन कोई 'खास' साड़ी पहनकर हस्तशिल्प कला के प्रचार को बढ़ावा न दिया हो। देशभर में जितनी चर्चा आम 'बजट' की हो रही हैं, उतनी ही उस चमकदार 'साड़ी' की भी है जिसे निर्मला सीतारमण ने बजट के दौरान संसद में पहना? वित्तमंत्री ने पहली फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करने के मौके पर ऐसी खास साड़ी पहनी जिसने संसद सदस्यों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करवाया। क्या पक्ष, क्या विपक्ष सभी में साड़ी को लेकर खूब चर्चाएं होती रहीं। साड़ी की खूबसूरत डिजाइन, फॉक, कढ़ाई, इम्बाइडरी, चमकदार सूत और स्वनिर्मित पेंटिंग का मिश्रित स्वरूप सभी को मोहित किया। मैजेंटा बॉर्डर की सफेद रंग की मंगलागिरी सिल्क साड़ी की खूबसूरती को देखकर संसद सदस्य अचरज में पड़ गए और आपस में गपशप होने लगी कि साड़ी किस प्रदेश की बनावट है। दरअसल, निर्मला सीतारमण की वो ख़ास साड़ी बिहार के मधुबनी में निर्मित हुई थी। साड़ी को नामचीन हस्तशिल्प कलाकार व पद्मश्री विजेता दुलारी देवी उर्फ चाची ने बनाकर वित्तमंत्री को भेंट किया था। कुछ समय पूर्व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण जब बिहार में 'मिथिला कला संस्थान' में आयोजित 'क्रेडिट आउटरीच' प्रोग्राम में मधुबनी गाई थीं, तब उनकी मुलाकात दुलारी देवी से हुई थी। तभी दुलारी देवी ने उन्हें ये साड़ी भेंट की थी और गुजारिश की थी कि उसे बजट पेश करने के दौरान ही पहनें। उनके विशेष आग्रह पर ही निर्मला सीतारमण ने मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी को पहना। वित्त मंत्री ने न सिर्फ दुलारी देवी की भावनाओं का कद्र किया, बल्कि भारत की 'पारंपरिक हस्तशिल्प कला' के प्रति आदर-सम्मान भी दिया। साड़ी पर कुरेदी गई कलाकारी आंध्रप्रदेश संस्कृति के प्रतीक को प्रदर्शित कर रही थी। जिसे दुलारी देवी ने करीब 20 दिनों में स्वयं तैयार किया था। साड़ी की चर्चा जब से होनी शुरू हुई है, लोग उनके संबंध में जानकारियां जुटा रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर लोग पड़ताल कर रहे हैं। खैर, चलिए हम बताते हैं कौन हैं चाची और उनका व्यक्तित्व? चाची यानी दुलारी देवी का जन्म बिहार के मधुबनी जिले के एक छोटे से गांव 'मलियापुर' में मल्लाह जाति में हुआ था। पारिवारिक सदस्य शुरू से मछली पकड़ने और मजदूरी के कार्य में लगे हैं। उनका जीवन बेहद कठिनाइयों में बीता। पारिवारिक परिवेश ऐसा रहा ,जहां महिलाओं को कला-हुनर से सदैव दूर रखा गया। पर, उन तमाम बंदिशों की बेड़ियों को तोड़कर इस दलित आर्टिस्ट ने नया इतिहास लिखा। उनकी बनाई पेंटिंग वाली साड़ी को आज हर कोई सराहता है। उनके हुनर को देखते हुए ही केंद्र सरकार ने दुलारी देवी को पद्मश्री से नवाजा। उनके जीवन में कुछ ऐसी परिस्थितियां आईं कि उन्होंने मधुबनी पेंटिंग को अपने जीवन में पूरी तरह से आत्मसात कर भविष्य ही बना लिया। जिसका परिणाम ये है कि आज चाची सफलता के शिखर पर हैं और उनकी बनाई साड़ी को देश की वित्तमंत्री ने पहनकर बजट पेश किया। इसके अलावा रेडियो प्रसारण 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनकी तारीफ कर चुके हैं।

वित्तमंत्री अपने प्रत्येक बजट में विभिन्न प्रदेशों की प्रसिद्ध साड़ियां पहनती हैं। 2024 के बजट में उन्होंने आंध्र प्रदेश संस्कृति में पहनी जाने वाली साड़ी को पहना था। 2023 में उन्होंने काले बॉर्डर और सुनहरे डिजाइन वाली रेड टेम्पल साड़ी पहनी थी, जो साउथ के धार्मिक अवसरों पर पहनी जाती है। इसी कड़ी में 2022 में उन्होंने ओडिशा की पारंपरिक रस्ट ब्राउन बॉमकै साड़ी पहनी थी, जो अपनी सादगी और बारीक कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध है। वहीं, 2021 के बजट में उन्होंने हैदराबाद की प्रसिद्ध रेड एंड ऑफ-व्हाइट पोचमपल्ली साड़ी पहनी थी। उससे पहले 2020 में उन्होंने सुनहरे पीले रंग की सिल्क साड़ी पहनी थी, जिसमें नीली बॉर्डर थी। 2019 में जब निर्मला सीतारमण का पहला बजट था, तब उन्होंने गुलाबी रंग की मंगलागिरी साड़ी पहनी थी, जिसमें सुनहरे बॉर्डर की सुंदर कढ़ाई थी। उनकी वह साड़ी काफी यादगार है।

आर्थिक सुधारों को गति देने की पटकथा

बजट आर्थिकी

डॉ. सुनील कुमार मिश्र

एसोसिएट प्रोफेसर, विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली

विगत कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है, जिससे यह उम्मीद जगी है कि आगामी कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व के तीन अग्रणी देशों में स्थान बना लेगी। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में प्रस्तुत पूर्ण बजट भी आर्थिक सुधारों की पटकथा लिखने का प्रयास है, जिसमें मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के साथ ही कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का ताना-बाना बुनने का प्रयास किया गया है। इस बजट में एक तरफ तकनीकी, कौशल, एवं नवाचारों से जुड़ी कई योजनाओं को सम्मिलित किया है तो वहीं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को भी महत्त्व दिया गया है।

मध्यवर्गीय करदाताओं को राहत

बजट में मध्यमवर्गीय करदाताओं को राहत देकर सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले इस वर्ग को महंगाई के इस दौर में राहत आवश्यक है, और यह तभी संभव है जब मध्यम वर्ग आर्थिक रूप से मजबूत हो। वर्तमान महंगाई दर का दंश झेलने वाले मध्यमवर्ग के चेहरे पर मुस्कान लाकर सरकार ने आगामी चुनावों में भी बढ़त हासिल करने की ओर कदम बढ़ा दिया है क्योंकि इस बजट ने मध्यम वर्ग को संजीवनी देने का कार्य किया है। सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि समग्र विकास प्रक्रिया में इस वर्ग को भी जोड़ा जा सके क्योंकि पिछले कुछ बजट में निम्न वर्ग के लिए तो कई योजनाएं थीं परन्तु मध्यमवर्ग को विशेष राहत नहीं मिल सकी थी जिससे यह वर्ग उपेक्षित महसूस कर रहा था। अब 12 लाख की वार्षिक आय वाले व्यक्ति को टैक्स नहीं देना होगा जबकि 18 लाख वार्षिक आय वाले व्यक्ति को 70 हजार की बचत, एवं 25 लाख तक की आय वाले व्यक्ति को 1 लाख 10 हजार की बचत का मार्ग प्रशस्त करके सरकार ने नौकरीपेशा लोगों को आकर्षित करने का सार्थक प्रयास किया है। विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है जो बदलाव एवं प्रगति की प्रक्रिया से सर्वथा भिन्न है। यह प्रक्रिया समाज के सभी अंगों की सहभागिता के बिना पूर्ण नहीं हो सकती है, और यह तभी संभव है जब सरकार समाज के सभी वर्गों की सामाजिक, राजनैतिक, एवं आर्थिक सहभागिता सुनिश्चित करे। सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट सिर्फ आर्थिक लेखा-जोखा से जुड़ी प्रक्रिया न होकर, राष्ट्र के विकास में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने की वह प्रक्रिया है जिससे राष्ट्र के सशक्तिकरण में मदद मिलती है। बजट से यह सुनिश्चित होता है कि सरकार देश को किस दिशा में ले जाना चाहती है, साथ ही सरकारी योजनाओं को क्या स्वरूप देना चाहती है? सरकारी योजनाओं के संचालन का देश पर असर क्या होगा, एवं उन योजनाओं से देश की जनता एवं देश की सेहत पर क्या असर होगा?

विकसित भारत की ओर अग्रसर

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट विकसित भारत की ओर बढ़ने का प्रयास है जिसके केंद्र में शिक्षा सुधार है तो स्वास्थ्य सुधार के उपाय भी हैं, पर्यटन को बढ़ावा देने की कार्ययोजना है तो वहीं निर्यात को बढ़ावा देने के

लिए उत्प्रेरक रूपी योजनाएं भी हैं। मोदी सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जिस प्रकार से मातृभाषा को बढ़ावा देने की योजना को समाहित किया है, उसके लिए प्रस्तुत भारतीय भाषा पुस्तक योजना से मदद मिलेगी। वर्तमान तकनीकी परिवेश में शिक्षा को तकनीकी से जोड़ने का प्रयास हो अथवा 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन ए आई' को स्थापित करने की योजना, सरकार की दूरदृष्टि की ओर इशारा करता है। एक ओर सरकार का प्रयास है कि भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को महत्त्व मिले तो वहीं सरकार वैश्विक चुनौतियों पर भी नजर रखे हुए है। सरकार यह जानती है कि भारतीय ज्ञान परम्परा राष्ट्रबोध के लिए आवश्यक है तो वहीं उसे यह भी पता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस युग में भारतीय मानव संसाधन के लिए वैश्विक चुनौतियां क्या हैं? मेडिकल एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा क्षेत्र में विस्तार की योजना को केंद्र में रखकर सरकार ने 'मेडिकल ट्यूरिज्म' एवं अपनी 'अन्तरिक्ष' योजना को भी पंख लगाने का कार्य किया है। मेडिकल सीटों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो या फिर नये आईआईटी संस्थानों की स्थापना, भविष्य को देखते हुए सकारात्मक कदम कहे जा सकते हैं। प्रस्तुत बजट में कृषि एवं किसानों की स्थिति को सुधारने से जुड़ी कई योजनाओं को सम्मिलित किया गया है जिसमें किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 5 लाख तक किये जाने, कृषि जगत को तकनीकी से जोड़ने सम्बंधित योजना, मखाना एवं कपास की खेती करने वाले किसानों के लिए विशेष योजना, कृषि उत्पादों के भण्डारण एवं विपणन से जुड़ी योजना प्रमुख है जिससे कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में मदद मिलेगी एवं किसानों की आय में भी वृद्धि होगी, जिससे कृषि प्रधान देश भारत कृषि उत्पादों के उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन से आवश्यक लाभ ले सकेगा। बजट में बिहार को विशेष महत्त्व दिया गया है। ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट एवं मखाना बोर्ड की योजना एक सार्थक कदम है। सरकार के इस बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को भी विशेष महत्त्व दिया गया है जिसमें जीवन रक्षक दवाओं में विशेष छूट, मेडिकल उपकरण को सस्ता करने का प्रयास, एवं मेडिकल छात्रों की संख्या बढ़ाकर स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने जैसी योजनाएं सम्मिलित हैं। वर्तमान एवं भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों को ध्यान में रखकर सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को विस्तार देने का प्रयास किया है जिससे भारतीय नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें, साथ ही अन्य देशों के मरीजों को भी 'मेडिकल ट्यूरिज्म' की योजना से जोड़ा जा सके। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को विस्तार देकर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह सबका साथ, सबका विकास के ध्येय को लेकर आगे बढ़ रही है जिससे भविष्य का भारत समृद्ध एवं सशक्त हो सके। जल जीवन मिशन को 2028 तक बढ़ाकर सरकार ने स्वच्छ पेयजल को सुनिश्चित करने की ओर कदम बढ़ाया है तो वहीं आर्थिक गतिविधियों में महिला भागीदारी को बढ़ावा देने का भी प्रयास किया है।

लघु उद्योग को भी बढ़ावा

दलित एवं आदिवासी समाज को विकास प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास किया है तो वहीं लघु उद्योग को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया है। स्टार्ट अप को प्रोत्साहित करने की योजना है तो वहीं धार्मिक महत्ता के पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने एवं लोगों को इस ओर आकर्षित करने की दृष्टि भी है। विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए वीजा नियमों को आसान बनाने की योजना से निश्चित रूप से लाभ मिलने की सम्भावना है। निश्चित रूप से वर्तमान सरकार का यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए कदम के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि सरकार को दीर्घकालीन योजनाओं के साथ ही वार्षिक योजनाओं को भी केंद्र में रखना चाहिए जिससे एक निश्चित समयान्तराल में उसकी समीक्षा की जा सके।

इस बजट से बदल पाएगी कृषि की सूरत!

खेती-किसानी

रवि शंकर

वरिष्ठ स्तंभकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में किसानों और एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई नई स्कीमों का ऐलान किया है। कृषि क्षेत्र के लिए बजट में 1.71 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। किसान क्रेडिट कार्ड से लोन की सीमा तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी। इसके अलावा निर्मला सीतारमण ने किसानों के लिए 'पीएम धन धान्य कृषि योजना' का ऐलान किया। इस योजना का मकसद कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए नीति तैयार करना है। इस स्कीम के तहत देश के उन 100 जिलों पर फोकस किया जाएगा, जहां कृषि उत्पादन कम है। माना जा रहा है कि इससे देश के 1.74 करोड़ किसानों को सीधे तौर पर फायदा होगा। इस योजना के साथ ही मखाना किसानों के लिए एक विशेष बोर्ड बनाने, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने, उन्नत बीज मिशन और कपास उत्पादन के लिए पांच साल की योजना लागू करने की घोषणा की गई है। वहीं भारत को दालों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने छह साल के विशेष मिशन की घोषणा की है।

दाल उत्पादकों को प्रोत्साहन

तुअर, उड़द और मसूर दालों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियां अगले चार वर्षों तक इनकी खरीद करेंगी। कहा जा रहा है कि इससे दाल उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा और घरेलू बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। यूं कहें कि बजट में कृषि के उत्पादन में उत्पादकता और लचीलापन लाने पर पूरा फोकस किया गया है। जो हर बार की तरह इस बार भी बजट में देखने को मिला। लेकिन कृषि क्षेत्र के लिए वित्त मंत्री ने वैसा कोई ठोस ऐलान नहीं किया, जिससे किसानों को सीधा फायदा उनकी जेब में आता दिखे। वित्तमंत्री ने कहा कि ये बजट ग्रामीण, युवाओं, और छोटे किसानों पर फोकस करते हुए पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 100 जिलों में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने का काम करेगी।

एमएसपी की गारंटी पर चुप्पी

हमारा लक्ष्य राज्यों के साथ मिलकर कृषि का विकास करना है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि वित्त मंत्री ने बजट में एमएसपी की गारंटी देने के संबंध में कुछ नहीं कहा। जबकि किसान संगठन लंबे समय से एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। चंद राज्यों को छोड़ दें तो एमएसपी पर खरीद का ठोस तंत्र तक नहीं है। साथ ही किसान सम्मान निधि की राशि में भी वित्त मंत्री ने कोई बढ़ोतरी नहीं की है।

किसान सम्मान निधि यथावत

यानी पहले की तरह अब भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को साल में 6,000 रुपये ही मिलेंगे। जबकि खेती की बढ़ती लागत को देखते हुए किसान और किसान नेता पीएम किसान निधि में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे थे। किसान सम्मान निधि के तौर पर किसानों को साल भर में 3 किस्तों में 6 हजार रुपये दिए जाते हैं। समय और महंगाई बढ़ने के साथ ही इस राशि में बढ़ोतरी ना हो तो इसका मतलब है कि सरकार

अपने ही वादे के खिलाफ जा रही है। अहम बात ये है कि कृषि प्रधान देश भारत में आजादी के 77 साल बाद भी किसानों की समस्याएं दूर नहीं की जा सकी हैं। किसान अपने आप को आर्थिक रूप से सबसे कमजोर मान रहा है।

आय बढ़ाने का लक्ष्य अधूरा

समाज के हर वर्ग की आय साल-दर-साल बढ़ रही है लेकिन किसान कर्ज के जंजाल से बाहर नहीं निकल पा रहा है। किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य अभी कई चुनौतियों के बीच संघर्ष कर रहा है। भारत के ज्यादातर किसान अब अपने बच्चों को खेती की जिम्मेदारी नहीं सौंपना चाहते हैं। भारतीय कृषि व्यवस्था में अपनी पूरी जिंदगी खपाने वाले किसान आज खेती को घाटे का सौदा बताते हैं।

आखिर क्या कारण है कि तमाम प्रयासों के बावजूद कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सरकार नहीं कर पाई है। इस पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। जबकि आज भारत विश्व की टॉप पांच सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। लेकिन आजादी के बाद योजनाबद्ध तरीके से कृषि में निवेश के बाद भी भारतीय किसान दूसरे देशों के मुकाबले काफी पिछड़ा हुआ है। देश की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता वैश्विक औसत से कम है। दूसरी तरफ देशभर में किसानों के असंतोष का सबसे बड़ा कारण उनकी उपज का सही मूल्य न मिलना रहा है और यही उनकी सबसे बड़ी समस्या है। किसानों की समस्याएं कोई नई नहीं हैं, लेकिन उनके समाधान की ईमानदार कोशिशें होती कभी नज़र नहीं आई।

देखा ये गया है कि समय बीतने के साथ किसानों की हालत में कोई बहुत बड़ा क्रांतिकारी सुधार नहीं हुआ है। किसानों को संतुष्ट करने के लिए देश के नीति-निर्धारक समय-समय पर जो उपाय करते हैं, वे तात्कालिक राहत पहुंचाने वाले होते हैं। इन उपायों के तहत किसानों को लुभाने वाले कदम उठाए जाते हैं, जबकि ज़रूरत ऐसे संरचनात्मक उपायों की है जो दीर्घकालिक हों और किसानों की समस्या को स्थायी तौर पर हल कर सकें। कृषि को अभी तक की जो भी सरकारें सत्ता में रही हैं, वह सिर्फ देश की आवाम का पेट भरने तक का ही संसाधन मानती आयी हैं। कृषि के माध्यम से देश की जीडीपी बढ़ाने पर कभी गहन मंथन नहीं हुआ है।

देश के अलग-अलग हिस्सों में किसानों की समस्याएं अलग हो सकती हैं, लेकिन कुछ समस्याएं हैं जो सब किसानों के साथ है। पिछले कई सालों से खेती करने की लागत जिस तेजी से बढ़ती जा रही है, उस अनुपात में किसानों को मिलने वाले फसलों के दाम बहुत ही कम बढ़े हैं। किसानों को उम्मीद थी कि इस बार बजट में सरकार खेती- किसानी के साथ-साथ छोटे किसानों के लिए कुछ अहम घोषणाएं करेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

छोटे किसान खाली हाथ

कहने को बजट में कृषि सेक्टर के लिए योजनाओं का अंबार है, लेकिन छोटे किसानों के लिए समस्याओं का समाधान होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। इस समस्या पर कोई गौर होता नहीं दिख रहा कि किसानों को उनका बकाया कैसे दिलवाया जाए या उनकी आर्थिक सेहत को कैसे ठीक किया जाए। भारत के ज्यादातर किसानों के पास कृषि में निवेश के लिए पूंजी का अभाव है। आज भी देश के ज्यादातर किसानों को व्यावहारिक रूप में संस्थागत ऋण सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता। कई बार किसानों के पास इतनी भी पूंजी नहीं होती कि वे बीज, खाद, सिंचाई जैसी बुनियादी चीजों का भी प्रबंध कर सकें। इसका परिणाम यह होता है कि किसान समय से फसलों का उत्पादन नहीं कर पाते। ऐसे में सवाल फिर यही खड़ा होता है कि किसानों के लिए ये बजट लाभदायक कैसे हो सकता?

बजट में खास

स्टेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार

सरकार ने रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए भी बड़ा बजट दिया है। देशभर में ट्रैक विस्तार, नए पुलों, प्लेटफार्मों के विकास और नई तकनीकों के इस्तेमाल पर खास फोकस किया गया है। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में बने रेलवे लिंक का भी इस बजट में जिक्र किया गया है, जिससे उत्तर भारत के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी।

बुलेट ट्रेन व हाई स्पीड प्रोजेक्ट्स

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (MAHSR), जिसे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के नाम से जाना जाता है, के लिए इस बार अतिरिक्त फंड दिया गया है। सरकार चाहती है कि इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि भारत में तेज रफ्तार ट्रेनों का सपना हकीकत बन सके।

कमाई और भविष्य की योजनाएं

इसके साथ ही सरकार को उम्मीद है कि रेलवे 2025-26 में 3.02 लाख करोड़ रुपये कमाएगा। इसमें माल ढुलाई से 1.88 लाख करोड़ रुपये और यात्री किराए से 92,800 करोड़ रुपये की आय होगी। खासकर, वंदे भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ने से यात्रियों की संख्या में भी इजाफा होने की संभावना है।

पूंजीगत व्यय में मामूली कमी की

बजट 2025 में भारतीय रेलवे को तकनीकी सुधार, नई ट्रेनों और बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए बड़ा फंड मिला है। हालांकि, इस बार रेलवे के पूंजीगत व्यय में मामूली कमी की गई है, जिससे रेल कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई लेकिन सरकार का फोकस रेलवे के आधुनिकीकरण और सुरक्षा पर बना हुआ है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

विद्युतीकरण और माल ढुलाई

सरकार के अनुसार पिछले 10 सालों में भारतीय रेलवे ने 41,655 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण किया है। इससे ट्रेनों की स्पीड और सुरक्षा दोनों में सुधार होगा। इसके अलावा, भारतीय रेलवे ने इस साल 1,588 मिलियन टन माल की ढुलाई की, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

3 रेलवे आर्थिक गलियारे बनेंगे

बजट में कहा गया है कि भारत में तीन प्रमुख रेलवे आर्थिक गलियारे बनेंगे। इनमें ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारा, पोर्ट कनेक्टिविटी गलियारा और उच्च यातायात घनत्व वाला गलियारा शामिल होगा। बजट में पेंशन फंड में 66 हजार करोड़ रुपए रखे गए हैं। जबकि नई लाइनें बिछाने के लिए 32,235 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। लाइनों के दोहरीकरण में 32,000 करोड़ और गॉज लाइन में बदलने में 4,500 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है।

एक दशक से पकड़ी रफ्तार

देखा जाए तो पिछले दशक में रेलवे में सुधार की गति तेज रही है। 2014-15 में जहां प्रति दिन 4 किलोमीटर नए ट्रैक बिछाए जा रहे थे, वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 14.54 किलोमीटर प्रतिदिन हो गया। पिछले दस वर्षों में 31,180 ट्रैक किलोमीटर का विस्तार किया गया है। इसी तरह 2014 से 2024 के बीच 41,655 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है, जो 2014 से पहले के 21,413 रूट किलोमीटर के मुकाबले लगभग दोगुना है।

रेल बजट 2025

श्रेणी	आवंटित राशि
■ कुल बजट	2,55,445 करोड़
■ राजस्व खर्च	3,445 करोड़
■ पूंजीगत व्यय	2,52,000 करोड़
■ पेंशन फंड	66,000 करोड़
■ नई रेलवे लाइनें	32,235 करोड़
■ लाइन दोहरीकरण	32,000 करोड़
■ गॉज परिवर्तन	4,550 करोड़

क्षेत्रवार बजट आवंटन

विभाग	आवंटित राशि
■ सिग्नलिंग और टेलीकॉम	6,800 करोड़
■ विद्युत लाइनों का विस्तार	6,150 करोड़
■ स्टाफ कल्याण	833 करोड़
■ रेलवे स्टाफ ट्रेनिंग	301 करोड़
■ रेलवे सेफ्टी फंड	45,000 करोड़

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2025 पेश कर दिया है, और इसमें भारतीय रेलवे के लिए कई अहम घोषणाएं की गई हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश कर दिया है। इस आम बजट में वित्त मंत्री ने अपने बजट में एक बार भी भारतीय रेलवे का जिक्र तक नहीं किया है। हालांकि उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए वित्तीय वर्ष 2026 के लिए केंद्रीय बजट में रेलवे के लिए 2.55 लाख करोड़ का आवंटन किया है। यह राशि पिछले वित्तीय वर्ष (वित्तीय वर्ष 2025) के लिए आवंटित राशि के समान है। इनमें राजस्व में 3445 करोड़ रुपए और कैपिटल एक्सपेंडिचर में 2,52,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस तरह रेलवे बजट में कुल 2,55,445 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आम बजट में रेलवे को लेकर कोई नई घोषणा की बजाय पहले की घोषणाओं को पूरा करने पर जोर दिया गया है। पिछले बजट में सरकार ने नए वंदे भारत ट्रेनों के साथ-साथ तीन प्रमुख रेलवे आर्थिक कॉरिडोर – ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर, पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर और हाई ट्रैफिक डेंसिटी कॉरिडोर की घोषणा की थी। लेकिन इस बार के बजट में रेलवे के लिए इस तरह के किसी बड़े नए प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की गई है।

रेल में नया प्रोजेक्ट नहीं

पहले रेलवे के लिए अलग से बजट पेश किया जाता था, लेकिन अब इसे आम बजट का हिस्सा बना दिया गया है। इस बार सरकार ने रेलवे को 2.55 लाख करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है, जो पिछले साल के 2.62 लाख करोड़ रुपए से थोड़ा कम है। इस साल रेलवे में वंदे भारत स्लीपर, वंदे मेट्रो और बुलेट ट्रेन जैसी आधुनिक ट्रेनों को शामिल करने पर जोर दिया गया है। खासतौर पर मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए सरकार ने 21,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिससे इस प्रोजेक्ट की रफ्तार तेज होगी। इसके अलावा, लंबी दूरी के यात्रियों के लिए वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की योजना भी बनाई गई है।

इस बार रेल हादसों को रोकने के लिए "कवच" नामक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (ATP) सिस्टम पर जोर दिया गया है। यह सिस्टम ट्रेन को अपने आप रोकने में मदद करेगा, जिससे दुर्घटनाओं में भारी कमी आएगी। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 1,112.57 करोड़ रुपए अलग से रखे हैं। इसमें प्रमुख रूट पर कवच का अपग्रेट वर्जन 4.0 तेजी से लगाया जाएगा। नए रूटों पर कवच लगाने के लिए सर्वे होगा और चार हजार किमी. प्रति वर्ष कवच लगाने का लक्ष्य रखा गया है। नए वर्जन को रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड आर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) ने हाल में अप्रूवल दे दिया है। रेलवे मंत्रालय के अनुसार भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त रूटों में से दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता शामिल हैं। इन दोनों रूटों को कवच से लैस किया जा रहा है। बजट के बाद मुंबई-चेन्नई व चेन्नई-कोलकाता रूट पर भी कवच लगाया जाएगा। इस तरह चारों रूटों को मिलाकर करीब 9 हजार किमी. लंबे ट्रैक को कवच से लैस कर दिया जाएगा।

डिफेंस सेक्टर के लिए सरकार ने दिए 6.80 लाख करोड़, रक्षा आयात घटाने पर रहेगा जोर

सरकार ने 2025-26 के लिए 6,81,210 करोड़ का रक्षा बजट पेश किया, जो पिछले साल की तुलना में 9.5% अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में रक्षा बजट के 6,21,940 करोड़ था। इस बार के रक्षा बजट आवंटन में सेना के लिए नए हथियार और उपकरण की खरीद के लिए 1.8 लाख करोड़ रुपए दिए गए हैं। कुल आवंटन का 26.43 फीसदी कैपिटल खरीद में खर्च होगा। 3.11 लाख करोड रेवेन्यू खर्च यह पूरे बजट का 45 फीसदी से ज्यादा है। पेन्शन के लिए 1.6 लाख करोड़ आवंटित है यह पूरे बजट का 23.6 फीसदी है। रक्षा मंत्रालय (सिविल) के लिए 28,682 करोड रुपए आवंटित किए गए है यह पूरे बजट का 4.2 फीसदी है।

इस बजट में कुल 1,92,387 करोड़ का पूंजीगत व्यय और 4,88,822 करोड़ का राजस्व व्यय निर्धारित किया गया है, जिसमें से 1,60,795 करोड़ पेंशन के लिए आरक्षित है। इस बार बजट में विमान और एयरो इंजन के विकास पर अधिक ध्यान दिया गया गया है, जिनके लिए 48,614 करोड़ का आवंटन किया गया है, वहीं नौसेना बेड़े के लिए 24,390 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। अन्य उपकरणों के लिए 63,099 करोड़ का बजट रखा गया है। इसके अलावा, भारत सरकार ने रक्षा उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं, ताकि देश अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशों पर निर्भरता कम कर सके।

रक्षा क्षेत्र में सुधारों का साल

2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह घोषणा की थी कि यह साल रक्षा क्षेत्र में सुधार करने का साल होगा। सरकार इस दिशा में एकीकृत थिएटर कमांड, साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नए क्षेत्रों, सरल और समयबद्ध अधिग्रहण, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने वाली है। 2024-25 में रक्षा क्षेत्र का पूंजीगत व्यय पिछले साल के मुकाबले अधिक रहा, और भारत ने रक्षा खर्च में स्थिर वृद्धि देखी है। इसके अलावा, सरकार ने रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण और सशस्त्र बलों की क्षमता को मजबूत करने के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा की है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 2020-21 के बाद रक्षा खर्च का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में हिस्सा घटा है, जो पहले 2.3% था, अब 2.1% तक पहुंच गया है। हालांकि, भारत का रक्षा खर्च दुनिया में चौथा सबसे बड़ा है। आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत ने वैश्विक रक्षा खर्च में 1.2% हिस्सा लिया। सरकार ने FY29 तक रक्षा उत्पादन को3 लाख करोड़ और निर्यात को 50,000 करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

रेलवे को आबंटित किया 2.55 लाख करोड़ एसईसीआर और छत्तीसगढ़ को कुछ नहीं

आम और रेल बजट पेश करने के दौरान वित्त मंत्रालय ने रेलवे को 2.55 लाख रुपए करोड़ का बजट आबंटित किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2.62 लाख करोड़ रुपए से थोड़ा कम है। इस बजट में छत्तीसगढ़ और सबसे अधिक रेलवे बोर्ड को राजस्व देने वाले एसईसीआर जोन के लिए अलग से कुछ भी बजट का प्रावधान नहीं है, जिसके कारण रेल अफसर भी पिंक बुक का इंतजार कर रहे हैं।

शनिवार 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केन्द्रीय बजट 2025 पेश कर दिया है। इसमें देश के सभी रेलवे के लिए अहम घोषणाएं की गई है। प्रतिवर्ष आम और रेल बजट पेश होने के कुछ घंटो उपरांत सभी जोन के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन और छत्तीसगढ़ प्रदेश के अंदर होनें वाले अधोसंरचना कार्य और यात्री सुविधाओं के लिए राशि आबंटित की घोषणा तत्काल हो रही थी। एसईसीआर जोन पूरे रेलवे का ऐसा जोन है जो प्रतिवर्ष माल लदान में सबसे अधिक राजस्व रेलवे बोर्ड को देता है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश और जोन को वित्त मंत्रालय ने 6922 करोड़ रुपए का बजट आबंटन किया था, जो वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में 1872 करोड़ रुपए अधिक था। इस 6922 करोड़ रुपए के बजट से 1665 करोड़ रुपए की लागत से 32 स्टेशनों के कायाकल्प का कार्य, जनरल कोच के मैनूफेक्चरिंग का बडा टारगेट रखा गया था। इसके अलावा पूरे जोन में छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जहां सबसे अधिक काम चल रहे हैं। इसमें 37 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। एसईसीआर जोन के छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र चार स्टेट में में ट्रेनों का सुचारू रूप से परिचालन करने के लिए प्रतिवर्ष 162 किलोमीटर की नई रेल लाइन बिछाई जा रहा है। रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग तीनों स्टेशनों को एयरपोर्ट की तरह बनाना का काम भी शुरु कर दिया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष में मिली बजट की राशि से प्रदेश में कुछ साल में 129 रेल ओवर ब्रिज और अंडर पास बने हैं। इसके अलावा रेलवे के मेजर प्रोजेक्ट बिलासपुर से झारसुगुड़ा चौथी लाइन, अनूपपुर से कटनी मुरवारा तीसरी लाइन और राजनांदगांव से नागपुर के बीच तीसरी लाइन का काम भी अंतिम चरण पर है। इन कार्यो को आगे बढ़ाने के लिए रेल अफसर वित्तीय वर्ष 2025 में पेश होने वाले आम और रेल बजट का इंतजार कर रहे थे, जिसमें दूसरे जोन के साथ एसईसीआर जोन को भी राशि आबंटित होती। बजट पेश होने के शाम और रात तक पूरे रेलवे के लिए 2.65 लाख करोड़ रुपए आबंटन की घोषणा तो हुई, लेकिन छत्तीसगढ़ और एसईसीआर जोन के लिए बजट में किसी तरह की राशि का जिक्र नहीं किया गया।

आम बजट पर खास नजरिया

कृषि ऋण तक बेहतर पहुंच

-डॉ. पवन सिंह
अर्थशास्त्र विभाग
लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

संघीय बजट 2025 ने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं जो देश के लिए फायदेमंद साबित हो सकती हैं। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने से किसानों को कृषि ऋण तक बेहतर पहुंच मिलेगी, जबकि हर जिले में डे-केयर कैंसर केंद्र और जीवन रक्षक दवाइयों की कीमतों में कमी से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती और सुलभ होंगी। शिक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा अवसंरचना में सुधार की प्रतिबद्धता बजट में नजर आ रही है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन उद्योगों के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान करता है और राष्ट्रीय खाद्य तेल बीज मिशन आयात पर निर्भरता कम करने और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। आयकर में छूट, विशेष रूप से मध्यवर्ग के लिए, उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देगी, जो जीडीपी वृद्धि में एक गुणक प्रभाव पैदा करेगी। हालांकि, कृषि पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, विशेष रूप से मूल्य सब्सिडी, गोदामों और परिवहन सुविधाओं के संदर्भ में। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसके दीर्घकालिक विकास के लिए यह आवश्यक है। भारत की युवा जनसंख्या को देखते हुए, कौशल विकास में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है ताकि हम इस जनसांख्यिकीय लाभ को आर्थिक लाभ में बदल सकें।

नजरअंदाज कर सकते हैं खामी

प्रो.राजेंद्र प्रसाद दास
कुलपति
गुवाहटी विवि, असम

टैक्स स्लैब में बदलाव मध्यमवर्ग के लिए संजीवनी है। टैक्स में जो छूट दी गई है, उससे जीवन स्तर में वृद्धि होगी। नए निवेश के बारे में मध्यम वर्ग इस राहत के बाद सोच सकेगा। इसके अतिरिक्त डिजिटल कलेक्टिविटी के लिए जो रूपरेखा तैयार की गई है, उससे नए रोजगार की संभावनाएं निर्मित हो रही हैं। मौजूदा हालातों और अवसरों को देखते हुए प्रत्येक स्तर पर लगभग सभी को कुछ ना कुछ देने की कोशिश की गई है। जो नीतियां बनाई गई हैं, उनका उचित रूप में कार्यान्वयन आवश्यक है, तब ही बजट के उद्देश्य पूर्ण हो सकेंगे। मध्यम वर्ग को टैक्स स्लैब में दी गई राहत ही इतनी महत्वपूर्ण है कि यदि किसी अन्य क्षेत्र में मिडिल क्लास को राहत नहीं मिल सकी है, तो उसे नजरअंदाज किया जा सकता है।

20 करोड़ रुपये तक का सावधि ऋण प्रदान किया जाएगा।

किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाकर पांच लाख

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लिए ब्याज सहायता योजना की सीमा तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने की घोषणा की। सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए ऋण गारंटी कवर बढ़ाएगी ताकि उनकी कर्ज तक पहुंच में सुधार हो सके। इसके अलावा, सरकार सूक्ष्म उद्यमों के लिए पांच लाख रुपये की सीमा वाले 'कस्टमाइज्ड' क्रेडिट कार्ड पेश करेगी। किसान क्रेडिट कार्ड 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को अल्पकालिक ऋण की सुविधा प्रदान करेंगे। अच्छी तरह से संचालित निर्यातोन्मुख एमएसएमई को 20 करोड़ रुपये तक का सावधि ऋण प्रदान किया जाएगा।

1.7 लाख किसानों को लाभ पहुंचाने पीएम धन धान्य कृषि

'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना' की घोषणा से कम पैदावार, आधुनिक फसल गहनता और औसत से कम ऋण मानदंडों वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा। इस योजना से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। सरकार युवाओं, महिलाओं और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रामीण समृद्धि व लचीला कार्यक्रम शुरू करेगी। सरकार दालों में आत्मनिर्भरता के लिए छह साल का कार्यक्रम भी शुरू करेगी, जिसमें तुअर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सब्जियों और फलों के उत्पादन को बढ़ाने तथा लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा।

1.7 करोड़ किसानों को 'धन धान्य योजना लाभ मिलेगा।

बजट में खास

उच्च उपज वाले बीजों का राष्ट्रीय मिशन शुरू किया जाएगा

असम के नामरूप में 12.7 टन सालाना क्षमता का यूरिया संयंत्र लगाया जाएगा

सब्जियों व फलों का उत्पादन बढ़ाने व्यापक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा

उच्च उपज वाले बीजों का राष्ट्रीय मिशन शुरू किया जाएगा

सरकार दालों पर छह साल का एक कार्यक्रम शुरू करेगी, तुअर, उड़द और मसूर पर रहेगा विशेष ध्यान

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ अगले चार वर्षों में दलहन की खरीद करेंगे

पश्चिमी कोसी नहर के लिए सरकार वित्तीय सहायता देगी, बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में 50,000 हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ होगा

किसानों के खेत अब उगलेंगे सोना धन-धान्य से आबाद होंगे खलिहान

किसानों के लिए इस बार के बजट में वित्त मंत्री ने काफी उदारता दिखाई है। कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए छह नई योजनाओं की घोषणा की गई जिसमें सब्सिडी वाले किसान कार्ड से लेकर फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए हर चीज को बढ़ावा देना शामिल है। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से ऋण प्राप्त करने की सीमा को पांच लाख रुपए से बढ़ाकर सात लाख रुपए कर दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य देश भर में बेरोजगारी से लेकर फसल उत्पादकता बढ़ाने तक हर चीज को बढ़ावा देना है।

बजट में कृषि क्षेत्र के लिए छह नई योजनाएं

बेरोजगारी से लेकर फसल उत्पादकता बढ़ाने पर जोर

सीतारमण ने कृषि को 'विकास का पहला इंजन' बताया

पलायन रोकने ग्रामीण क्षेत्रों में पैदा होंगे अवसर

सीतारमण ने कहा, ''इनका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त अवसर पैदा करना है ताकि पलायन एक विकल्प रहे, लेकिन अनिवार्यता न होने पाये।'' यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं, युवा किसानों, ग्रामीण युवाओं, सीमांत और छोटे किसानों और भूमिहीन परिवारों पर केंद्रित होगा।

दलहन को बढ़ाना देने छह साल का मिशन

दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए एक बड़े कदम के रूप में छह साल का मिशन अरहर, उड़द और मसूर उत्पादन को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा। इस पहल के तहत, सहकारी संस्थाएं नेफेड और एनसीसीएफ इन एजेंसियों के साथ समझौते करने वाले पंजीकृत किसानों से चार साल तक दालों की खरीद करेंगी।

ये है छह योजना

1. किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ी
2. पीएम धन्य-धान्य योजना
3. डेयरी व मछली पालन के लिए लोन
4. दालों का उत्पादन बढ़ाने मिशन
5. कपास उत्पादन के लिए कार्य योजना
6. मखाना बोर्ड का गठन होगा

ग्रामीण समृद्धि व मजबूत कार्यक्रम होगा लागू

राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में लागू की जाने वाली इस योजना से कृषि उत्पादकता बढ़ने, फसल विविधीकरण और कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे में सुधार के जरिये 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण बेरोजगारी को दूर करने के लिए सरकार एक व्यापक 'ग्रामीण समृद्धि और मजबूती' कार्यक्रम लागू करेगी।

मछली और जलीय कृषि को बढ़ावा

मछली और जलीय कृषि में दूसरे सबसे बड़े वैश्विक उत्पादक के रूप में भारत की स्थिति को मान्यता देते हुए, 60,000 करोड़ रुपये के समुद्री खाद्य निर्यात के साथ सरकार भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र और दूर समुद्र में स्थायी मछली पकड़ने के लिए एक रूपरेखा पेश करेगी और इसके लिए विशेष रूप से अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह पर ध्यान केंद्रित करेगी।

बजट के बाद कृषि शेयरों में उछाल

कृषि क्षेत्र के लिए छह नई योजनाओं की घोषणाओं से बीएसई पर कावेरी सीड कंपनी का शेयर 6.99 प्रतिशत बढ़कर 962.25 रुपए पर बंद हुआ। पारादीप फॉस्फेट्स 3.41 प्रतिशत बढ़कर 116.65 रुपए पर, मंगलम सीड्स 3.23 प्रतिशत बढ़कर 214 रुपये पर, नाथ बायो-जीन्स (इंडिया) 2.78 प्रतिशत बढ़कर 173.55 रुपये पर और बेयर क्रॉपसाइंस 0.55 प्रतिशत बढ़कर 5141.95 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा पीआई इंडस्ट्रीज का शेयर 0.34 प्रतिशत बढ़कर 3,494.25 रुपये पर और यूपीएल का शेयर 0.17 प्रतिशत बढ़कर 604.30 रुपये पर बंद हुआ।

टाटा केमिकल्स में रही गिरावट

दूसरी ओर, चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स 2.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 490.05 रुपये पर, धानुका एग्रीटेक 2.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,403.45 रुपये पर, टाटा केमिकल्स 2.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 964.45 रुपये पर और कोरोमंडल इंटरनेशनल 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,783.50 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई पर राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स का शेयर 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 161.05 रुपये पर और मेंगलोर केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स का शेयर 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 167.10 रुपये पर बंद हुआ।

मनरेगा...जैसे था पहले, अब भी वैसा ही

ग्रामीण विकास मंत्रालय को 2025-26 के केंद्रीय बजट में 1.88 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो पिछले बजट में आवंटन से लगभग 5.75 प्रतिशत अधिक है। बजट प्रस्तावों के अनुसार, ग्रामीण विकास मंत्रालय को 2024-25 के बजट में 1,77,566.19 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। हालांकि, 2024-25 का संशोधित अनुमान, जो मंत्रालय द्वारा किए गए व्यय की मध्यावधि समीक्षा है, 1,73,912.11 करोड़ रुपये रहा। यह शुरुआती आवंटन से 3,654.08 करोड़ रुपए कम है। प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण विकास योजना (मनरेगा) के लिए आवंटन 86,000 करोड़ रुपये रखा गया है जो पिछले वर्ष के समान है।

कपास की किस्मों को मिलेगा बढ़ावा

इसके अतिरिक्त, एक पांच वर्षीय कपास मिशन उत्पादकता में सुधार और 'एक्स्ट्रा-लांग स्टेपल' कपास किस्मों को बढ़ावा देने पर काम करेगा, जो कपड़ा क्षेत्र के लिए भारत के एकीकृत 5-एफ दृष्टिकोण का समर्थन करेगा।

दलहन, बीज और प्रौद्योगिकी पर बजट का जोर स्वागत योग्य : कृषि उद्योग

उद्योग जगत के लोगों ने केंद्रीय बजट 2025-26 की कृषि पहल का स्वागत किया है। उन्होंने विशेष रूप से प्रौद्योगिकी एकीकरण और बीज विकास पर सरकार के जोर की सराहना की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्र-विशिष्ट मांगें अब भी अनसुलझी हैं। बजट का कृषि प्रारूप, जो इस क्षेत्र को प्राथमिक विकास इंजन बनाने पर केंद्रित है, ने आयात निर्भरता को कम करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केन्द्रित करने के लिए सकारात्मक प्रतिक्रियाएं प्राप्त की हैं।

खाद्य तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी: एसईए

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने बयान में कहा, 'सरकार अर्थव्यवस्था के विकास इंजन के रूप में कृषि पर ध्यान केंद्रित कर रही है और खाद्य तेल के आयात पर निर्भरता को कम करने का लक्ष्य बना रही है।' उन्होंने तिलहन विकास कार्यक्रम के लिए कम से कम 5,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त वार्षिक आवंटन की उम्मीद जताई।

कृषि आय को बढ़ावा मिलेगा : अदाणी विल्मर

कम उत्पादकता वाले जिलों को लक्षित करने वाली प्रधानमंत्री कृषि योजना को उद्योग के अधिकारियों से विशेष सराहना मिली। अदानी विल्मर के प्रबंध निदेशक अंगशु मलिक ने इसे ''एक प्रगतिशील कदम बताया जो न केवल कृषि आय को बढ़ावा देगा बल्कि खाद्य तेलों और खाद्य प्रसंस्करण जैसे संबद्ध क्षेत्रों के विकास का भी समर्थन करेगा।''

1.5 लाख ग्रामीण डाकघर बड़े लॉजिस्टिक संगठन में बदलेंगे

सरकार की योजना भारतीय डाक विभाग को 1.5 लाख ग्रामीण डाकघरों के साथ एक बड़े लॉजिस्टिक्स संगठन में बदलने की है।भारतीय डाक को 1.5 लाख ग्रामीण डाकघरों के साथ एक बड़े सार्वजनिक लॉजिस्टिक संगठन में तब्दील किया जाएगा, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए उत्प्रेरक बनेगा। इसके अलावा निवेश और कारोबार की सीमा बढ़ाने की बात कही गई। गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ एमएसएमई की हमारे निर्यात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

किसानों को सही प्लेटफॉर्म देने में चूक, ये गलती ही बनती है आंदोलन की वजह

प्रो.मोहम्मद शमीम
फायनेंस एक्सपर्ट, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, अलीगढ़ मुस्लिम विवि, उप्र

हमारी देश की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है। हम कृषि कार्यों के लिए बड़ा बजट तो घोषित करते हैं, लेकिन किसानों को सही प्लेटफॉर्म देना भूल जाते हैं। इस बजट में भी यह खामी बनी रही। किसानों को उनके उत्पाद से अधिक मुनाफा नहीं मिल पाता है। बिचौलिए ही अधिक कमा रहे हैं। कृषि के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च किया जाता है और उन्हें अन्य सुविधाएं भी दी जाती हैं, लेकिन उचित मार्केट नहीं होने के कारण ये विकास के लिए विशेष लाभकारी नहीं हो पाते हैं। लाभ नहीं मिलने के कारण ही किसान आंदोलन पर उतरते हैं और राजनीतिक पार्टियां उनका दुरूपयोग करती हैं। मोदी कार्यकाल में जो बजट आए हैं, उनमें से इसे श्रेष्ठ कहा जा सकता है। इनकम टैक्स स्लैब में जो बदलाव किए गए हैं वो मध्यमवर्ग के लिए राहत पहुंचाने वाला है। मध्यमवर्ग की जीवनशैली में इससे सुधार आएगा। पब्लिक की समस्याओं को अच्छा वेटेज दिया गया है। सैलरी क्लास की स्थिति में सुधार आने की उम्मीद इनकम टैक्स स्लैब में किए गए बदलाव से कर सकते हैं।

आम बजट पर खास नजरिया

मैन्यूफैक्चरिंग-माइनिंग को बढ़ावा

अनिल अग्रवाल
चेयरमैन, वेदांता लिमिटेड

बजट ने एकदम सही कदम उठाया है। 12 लाख रुपए प्रति वर्ष तक की आय को पूरी तरह से इनकम टैक्स फ्री करके मिडिल क्लास को बहुत बड़ी राहत दी है। यह मिडिल क्लास का सबसे बड़ा हिस्सा है। इससे 24 लाख रुपए तक की आय पर टैक्स का बोझ भी काफी कम हो गया है। हमने एक वर्ल्ड-क्लास टैक्स सिस्टम की ओर निर्णायक कदम उठाया है जो सरल, पारदर्शी और टैक्सपेयर फ्रेंडली होगा। ये टैक्स परिवर्तन की भावना अर्थव्यवस्था के अन्य हिस्सों में भी दिखाई देने वाली है, जिसके नींव "ट्रस्ट और सेल्फ-सर्टिफ़िकेशन" हैं। इससे मैन्यूफ़ैक्चरिंग और माइनिंग को बहुत बढ़ावा मिलेगा। खुशी है कि माइनिंग अगले 5 वर्षों में परिवर्तनकारी सुधारों के लिए पहचाने गए 6 डोमेन में से एक है। माइनिंग के साथ-साथ कृषि भी एक प्राथमिकता, खासकर खाद्य तेल जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य है। माइनिंग, कृषि, मैन्यूफ़ैक्चरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स सहित, जो सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है) घरेलू उत्पादन बढ़ाने, इम्पोर्ट कम करने और भारत में लाखों अच्छी नौकरियां पैदा करने में मदद कर सकते हैं।

हमारे कार्टूनिस्ट हरिओम की नजर में बजट

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बजट-2025 को सराहा

विकसित और श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बजट-2025 को विकसित और हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट बताया। शाह ने सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को बधाई दी। एक्स प्लेटफॉर्म पर अपनी सिलसिलेवार पोस्ट्स में श्री अमित शाह ने कहा कि बजट-2025 विकसित और हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट है।

नई दिल्ली। किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला और बच्चों की शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य से लेकर स्टॉर्टअप, इनोवेशन, इंवेस्टमेंट तक, हर क्षेत्र को समाहित करता यह बजट मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप है। इस सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी जी और वित्त मंत्री श्रीमती जी को बधाई देता हूं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश का मध्यम वर्ग हमेशा प्रधानमंत्री मोदी जी के दिल में है। उन्होंने कहा कि 12 लाख रूपए तक की आय पर शून्य आयकर की प्रस्तावित छूट मध्यम वर्ग के वित्तीय कल्याण की दिशा में बेहद मददगार साबित होगी। अमित शाह ने कहा कि बजट-2025 किसान कल्याण की दिशा में मोदी सरकार के संकल्प का प्रतिबिंब है। बजट में 100 सबसे कम फसल उत्पादकता वाले जिलों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' की घोषणा से लगभग 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। साथ ही, 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' व 'कपास उत्पादकता मिशन' से किसानों की समृद्धि व पोषण सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि बजट से लेकर कैबिनेट तक, मोदी सरकार की योजनाओं और नीतियों के केंद्र में किसान होते हैं। यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए बजट-2025 में सरकार ने असम में 12.7 लाख मीट्रिक टन की क्षमता का यूरिया प्लांट खोलने का निर्णय लिया है। साथ ही, किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन की राशि 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख करने के निर्णय से किसानों को बहुत राहत मिलेगी। बजट-2025 में देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को दोगुना कर, अतिरिक्त 1.5 लाख करोड़ रूपए जोड़े जाने पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने एमएसएसई सेक्टर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे स्टार्ट-अप्स बढ़ेंगे और मैन्युफैक्चरिंग हब्स फलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के विज़न को आगे बढ़ाने की दिशा में इस बजट में फुटवियर, चमड़े और खिलौना बनाने वाले उद्योगों पर फोकस रखा गया है जिससे ज़मीनी स्तर पर नौकरियों का सृजन होगा।

अहम साबित होगा बजट

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बजट-2025 में 'भारतीय भाषा पुस्तक योजना' के माध्यम से डिजिटल रूप में भारतीय भाषाओं में पुस्तकें उपलब्ध कराने की घोषणा से भारतीय भाषाओं को नया जीवन मिलने वाला है। यह निर्णय भारतीय भाषाओं से नई पीढ़ी को जोड़ने और शिक्षा को अधिक समावेशी बनाने दिशा में अहम साबित होगा।
केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 1 लाख करोड़ रूपए के **Urban Challenge Fund** के माध्यम से बजट-2025, शहरों के जीवन और विकास में नई जान फूंकेगा। यह कोष जहां हमारे शहरों को विकास और गुणवत्तापूर्ण जीवन के केंद्र के रूप में पुनर्जीवित करेगा, वहीं राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये के 50 वर्षीय ब्याजमुक्त ऋण और 10 लाख करोड़ रुपये की पूंजी वापसी की घोषणा इस उद्देश्य को और मजबूत करेगी।
शाह ने कहा कि बजट-2025 में 20,000 करोड़ रुपये के विशाल परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा कर बिजली क्षेत्र में भारत की असीम ताकत को उजागर किया गया है।

गरीब, किसान, महिला और आम आदमियों का ख्याल रखा गया

नई दिल्ली। दलहन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए विशेष मिशन चलाया जाएगा , जिसमें तुअर, उड़द और मसूर पूरी तरह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जाएगी।

किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) को वरदान बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी ऋण सीमा को 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है, जिससे किसानों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बजट 2025 को आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का ऐतिहासिक बजट बताया है। उन्होंने कहा कि इसमें कृषि विकास, ग्रामीण विकास और गरीबों व महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में

विकास की ललक, विश्वास की महक और विकसित भारत के निर्माण की तड़प है। यह बजट देश के 140 करोड़ नागरिकों के लिए अभूतपूर्व है, जिसमें समाज के हर वर्ग के कल्याण का ध्यान रखा गया है।

चौहान ने कहा कि बजट में कृषि क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। दलहन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए विशेष मिशन चलाया जाएगा , जिसमें तुअर, उड़द और मसूर पूरी तरह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जाएगी। किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) को वरदान बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी ऋण सीमा को 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है, जिससे किसानों को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

ग्रामीण विकास के लिए बड़े प्रावधान

बजट में ग्रामीण विकास के लिए 1.88 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो गांवों के विकास को नई दिशा देगा। कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सरकार प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना शुरू करेगी, जिसके तहत उन जिलों की पहचान की जाएगी जहां कृषि उत्पादन कम है, और वहां उत्पादन बढ़ाने के उपाय किए जाएंगे। इसके अलावा, बिहार में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मखाना बोर्ड का गठन किया जाएगा।

भारत निर्माण का ब्लूप्रिंट है यह बजट

अमित शाह
केंद्रीय गृह मंत्री

बजट-2025 विकसित और हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट है। किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला और बच्चों की शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य से लेकर स्टार्टअप, इनोवेशन और इन्वेस्टमेंट तक, हर क्षेत्र को समाहित करता यह बजट मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप है। इस सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट के लिए पीएम मोदी और वित्त मंत्री को बधाई देता हूं।

दक्षिणी राज्य के लिए एक शब्द नहीं

दयानिधि मारन
डीएमके सांसद

यह बहुत निराशाजनक बजट है। वित्त मंत्री ने यह कहते हुए बड़ी छूट दी है कि 12 लाख रुपए पर कोई टैक्स नहीं है। फिर वह कहती हैं कि 8-12 लाख रुपए के लिए 10% का स्लैब है। इसलिए यह बहुत भ्रामक है। बजट में बिहार के लिए काफी कुछ है क्योंकि इस साल बिहार में चुनाव हैं। दक्षिणी राज्य के लिए एक भी शब्द नहीं है।

झूठी तारीफें बटोरने पर उतारू

मल्लिकार्जुन
खरगे, राष्ट्रीय
अध्यक्ष कांग्रेस

नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली! पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने मिडिल क्लास से 54.18 लाख करोड़ का इनकम टैक्स वसूला है और अब वह 12 लाख तक की छूट दे रहे हैं। पूरा देश महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है, पर मोदी सरकार झूठी तारीफें बटोरने पर उतारू है। बेरोजगारी को कम करने के लिए, नौकरियां बढ़ाने की बात नहीं की गई। आंखों में धूल झोंकने का प्रयास है।

रोजगार सृजन के लिए कोई दृष्टिकोण नही

केसी वेणुगोपाल
कांग्रेस
नेता

रोजगार सृजन के लिए कोई दृष्टिकोण नहीं, भारत के निवेश माहौल में सुधार के लिए कुछ भी नहीं, किसानों के लिए कोई एमएसपी गारंटी नहीं और मध्यम वर्ग के परिवारों के बजट को नष्ट करने वाली भारी मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए कोई रणनीति नहीं। यह बजट मनरेगा को नष्ट करने का एक और प्रयास दर्शाता है, जो करोड़ों नागरिकों को सुरक्षा कवच प्रदान करती है।

बजट के नाम पर बिहार को मिला है धोखा

तेजस्वी यादव
आरजेडी
नेता

बजट के नाम पर बिहार को ठेंगा मिला है। बजट में बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ है। केंद्र सरकार ने गांव, ग्रामीण और गरीब विरोधी बजट पेश किया है। पिछले बजट को ही दोहराने का काम किया है, कुछ नया नहीं है। नीतीश कुमार ने बिहार को कुछ नहीं दिलाया , जबकि चंद्रबाबू 2 लाख करोड़ रुपए केंद्र सरकार से लिए ले गए। पिछली बार 59000 करोड़ दिया गया था, वह करोड़ रुपया कहां गया।

छूट 12 लाख लेकिन कितने लोग कमा रहे?

प्रियंका गांधी
सांसद कांग्रेस

वित्त मंत्री ने बजट में ठीक है टैक्स स्लैब में छूट 12 लाख कर दिया , लेकिन कितने लोग इतना कमा रहे? 7 करोड़ टैक्स भरते हैं, लेकिन 135 करोड़ लोग इतना कमा ही नहीं पाते कि वो टैक्स भरें। मुझे याद है कि 100 ग्राम मक्खन 12 रुपए में मिलता था, दूध के दाम कहां पहुंच गए, आज कितने का है? मोदी जी को जवाहरलाल जी मिल गए। केजरीवाल को मोदी जी मिल गए बस, अपनी जिम्मेदारी टालते हैं।

हर क्षेत्र में रोजगार के अवसर होंगे

पीयूष गोयल
केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय बजट 2025 पर कहा- बहुत सारे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हर क्षेत्र में रोजगार के अवसर होंगे। चमड़ा और जूते के क्षेत्र में, उन्होंने चमड़ा और जूते के क्षेत्र के लिए जो प्रभावशाली विचार प्रस्तावित किए हैं, उनसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 22 लाख से अधिक रोजगार पैदा हो सकते हैं। सूती वस्त्र और परिधान उद्योग में रोजगार पैदा होंगे।

समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया

राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला एक बेहतरीन बजट है। बजट में समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। यह बजट युवाओं, गरीबों, किसानों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों और क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देने वाला है। रक्षा मंत्रालय को 6.81 लाख करोड़ से अधिक का आवंटन किया गया है।

छूट 12 लाख की जगह 15 लाख होनी चाहिए

शत्रुघ्न सिन्हा
टीएमसी सांसद

बिहार मेरी ताकत है और बिहार के लिए किए गए प्रावधानों से मुझे अच्छा लगा, लेकिन अभी चुनाव का समय भी है, तो क्या ये बिहार को आगे ले जाने वाला चुनावी बजट था? बिहार में बुनियादी ढांचे का विकास अच्छा है, लेकिन क्या ये काफी है? बड़े विशेष पैकेजों का क्या हुआ? बिहार को ध्यान में रखते हुए ये बजट लॉलीपॉप जैसा लगता है। छूट 12 लाख की जगह 15 लाख होनी चाहिए थी।

ये राजनीतिक स्वार्थ पूरा करने का बजट है

मायावती
बसपा प्रमुख

ये राजनीतिक स्वार्थ पूरा करने वाला बजट है। देश में महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी की जबरदस्त मार के साथ ही सड़क, पानी, शिक्षा, सुख-शान्ति आदि की जरूरी बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण लगभग 140 करोड़ की भारी जनसंख्या वाले भारत में लोगों का जीवन काफी त्रस्त है, जिसका केंद्रीय बजट के माध्यम से भी निवारण होना जरूरी है।

अरबपतियों के कर्जे माफ करने लुटाया खजाना

अरविंद
केजरीवाल
आप संयोजक

देश के खजाने का एक बड़ा हिस्सा चंद अमीर अरबपतियों के कर्जे माफ करने में चला जाता है। मैंने मांग की थी कि बजट में ये ऐलान किया जाए कि आगे से किसी अरबपति के कर्ज माफ नहीं किए जाएंगे। इस से बचने वाले पैसे से मिडिल क्लास के होम लोन और व्हीकल लोन में छूट दी जाए, किसानों के कर्जे माफ किए जाएं। टैक्स दरें आधी की जाएं। ये नहीं किया गया।

आम बजट पर इनका नजरिया

बजट ऐतिहासिक और आम जनता को खुश करने वाला

वीडी शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष
मप्र भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट ऐतिहासिक और आम जनता को खुश करने वाला बजट है। साथ ही विकसित भारत के अटल संकल्प की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। इस बजट में गरीब, अन्नदाता, नारी शक्ति और नौजवानों को सशक्त व सक्षम बनाने के लिए प्रावधान किए गए हैं। केंद्र सरकार का नया बजट संपूर्ण भारत वर्ष, हर क्षेत्र, हर समाज और वर्ग के विकास को सुनिश्चित करने वाला बजट है। शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। मेडिकल एजुकेशन और आईआईटी में 75000 सीटें बढ़ाने की घोषणा इस बजट में की गई है। इस बजट में किसानों के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य योजना की घोषणा की गई है। इस योजना से देश के 100 जिले और 1.70 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। इस बजट में कृषि और अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ी सौगात देश के नागरिकों को मिली है। बजट में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख तक की आय को टैक्स फ्री किया गया, जो एक ऐतिहासिक निर्णय है। बजट प्रस्तावों से देश और उसके विकास को लेकर पीएम मोदी के विजन की झलक दिखाई देती है।

केंद्र सरकार का बजट महंगाई और बेरोजगारी बढ़ाने वाला

जीतू पटवारी
प्रदेश अध्यक्ष
मप्र कांग्रेस

यह भाजपा सरकार का बजट आम जनता के लिए निराशाजनक और पूंजीपतियों के लिए फायदेमंद है। देश पहले ही गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी के संकट से गुजर रहा है, लेकिन मोदी सरकार ने इस बजट में जनता को बजट में कोई राहत नहीं दी। देश का किसान पहले से ही बदहाल स्थिति में है, लेकिन फिर भी इस बजट में किसानों के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें कोई अवसर देने की बजाय केवल आंकड़ों की बाजीगरी की है। यह बजट उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाला है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग को इसमें कोई राहत नहीं दी गई। मोदी सरकार का यह बजट साफ है कि यह सरकार केवल कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। जनता की उम्मीदों को फिर से तोड़ते हुए यह बजट पूरी तरह निराशाजनक साबित हुआ है। कांग्रेस पार्टी देश की आम जनता की आवाज उठाती रहेगी और जनविरोधी नीतियों का डटकर सामना करेगी।

बजट में खास

25000
करोड़ रुपए के समुद्री विकास कोष का प्रस्ताव

2.33
लाख करोड़ रुपए बजट में गृह मंत्रालय को आवंटित

300
करोड़ रुपए जेलों के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित

इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ क्लीन एनर्जी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा मिलेगा

35
अतिरिक्त चीजें इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली भी इयूटी फ्री

2.87
लाख करोड़ रुपए राजमार्ग मंत्रालय के लिए बढ़ाया आवंटन

20
हजार करोड़ रुपए का बजट न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र के लिए आवंटित

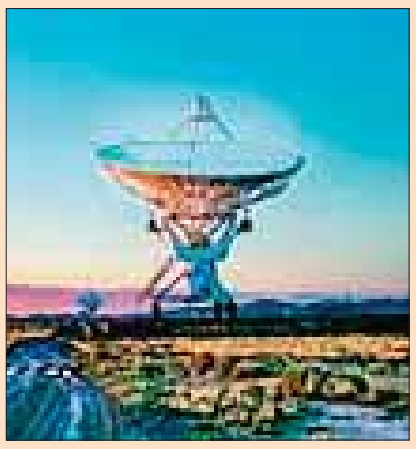

'राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन'की शुरुआत

10
वर्षों में 120 नए गंतव्यों को जोड़ने और 4 करोड़ यात्रियों के लिए संशोधित उड़ान योजना

01
लाख करोड़ रुपए की 'शहरी चुनौती निधि' की होगी स्थापना

01
लाख घरों को पूरा करने के लिए स्वामी कोष-2 की घोषणा

ई-कार सस्ती होंगी सरकार लिथियम आयन बैटरी पर लगने वाले टैक्स को भी कम करेगी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को रुकी हुई आवास परियोजनाओं में एक लाख इकाइयों को पूरा करने के लिए 15,000 करोड़ रुपए के नए 'स्वामी' कोष की घोषणा की। इस योजना का उद्देश्य उन घर खरीदारों को राहत देना है, जिनके निवेश अटके हुए हैं। केंद्र ने नवंबर 2019 में देश में रुकी हुई आवास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष खिड़की' (स्वामी) नाम से एक कोष की घोषणा की थी। इस कोष प्रबंधन भारतीय स्टेट बैंक समूह की कंपनी एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड करती है।

'स्वामी कोष' बनाएगा घर का स्वामी, झट से बनेंगे अटके मकान

सरकार ने रुकी हुई परियोजनाओं के लिए की पहल

वित्त मंत्री ने बजट में किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीतारमण ने अपने बजट भाषण में पहले कोष की सफलता के बाद स्वामी कोष-2 की घोषणा की। उन्होंने बताया कि स्वामी कोष-1 के तहत तनावग्रस्त आवास परियोजनाओं में 50,000 आवास इकाइयां पूरी हो चुकी हैं और घर खरीदारों को चाबियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि 2025 में 40,000 और इकाइयां पूरी की जाएंगी, जिससे मध्यम वर्ग के परिवारों को मदद मिलेगी। ये परिवार आवास ऋण पर ईएमआई (समान मासिक किस्त) का भुगतान कर रहे थे, साथ ही अपने मौजूदा आवास का किराया भी दे रहे थे। सीतारमण ने कहा, 'इस सफलता के आधार पर, स्वामी कोष-2 को सरकार, बैंकों और निजी निवेशकों के योगदान के साथ एक मिश्रित वित्त सुविधा के रूप में स्थापित किया जाएगा।' कुल 15,000 करोड़ रुपए के इस कोष का लक्ष्य अन्य एक लाख इकाइयों को तेजी से पूरा करना है।

2 मकान के मालिकों के लिए भी बड़ी खुशखबरी

वित्त मंत्री ने आम बजट को पेश करते हुए कई ऐसे ऐलान किए जिसका सीधा फायदा टैक्सपेयर्स को मिलने वाला है। ऐसा ही एक ऐलान घर के मालिकाना हक से जुड़ा हुआ है। निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि टैक्सपेयर बिना किसी शर्त के खुद के कब्जे वाली दो संपत्तियों का वार्षिक मूल्य शून्य बता सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा- इस समय टैक्सपेयर केवल कुछ शर्तों को पूरा करने पर ही खुद के कब्जे वाली संपत्तियों का वार्षिक मूल्य शून्य का दावा कर सकते हैं। टैक्सपेयर्स के सामने आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए, बिना किसी शर्त के ऐसी खुद के कब्जे वाली दो संपत्तियों का लाभ देने का प्रस्ताव है।

विकास केंद्रों के रूप में शहर को कार्यान्वित करने 'शहरी चुनौती निधि'

जुलाई के बजट में घोषित 'विकास केंद्रों के रूप में शहर' 'शहरों का सृजनात्मक पुनर्विकास', और 'जल एवं स्वच्छता' के लिए प्रस्तावों को कार्यान्वित करने हेतु सरकार एक लाख करोड़ रुपए की 'शहरी चुनौती निधि' स्थापित किया जाएगा। बुनियादी भू-स्थानिक अवसंरचना और डेटा विकसित करने हेतु 'राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव भी किया गया है। यह मिशन भू-अभिलेखों और अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के डिजाइन के आधुनिकीकरण को संभव बनाएगी।

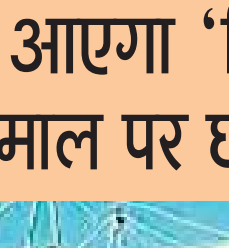

राज्यों के साथ भागीदारी में 50 पर्यटन स्थलों का होगा विकास

देश के शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों को राज्यों के साथ साझेदारी में विकसित किया जाएगा। उन्होंने पर्यटन को रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण साधन बताया और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कौशल विकास तथा यात्रा को आसान बनाने के उद्देश्य से कई पहल की पेशकश की। अपना आठवां लगातार केंद्रीय बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि सरकार मुद्रा ऋण देकर 'होमस्टे' को बढ़ावा देगी।

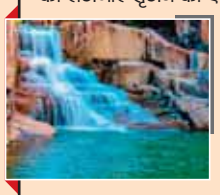

नियमों में संशोधन के प्रस्ताव

सरकार ने आयकर अधिनियम की धारा 23 की उप-धारा दो में संशोधन का प्रस्ताव किया है, जो आवासीय संपत्तियों के वार्षिक मूल्य के निर्धारण से संबंधित है। बजट दस्तावेज में कहा गया कि धारा की उपधारा (2) में यह प्रावधान है कि जहां गृह संपत्ति स्वामी के कब्जे में उसके निवास के लिए है या स्वामी किसी अन्य स्थान पर अपने रोजगार, व्यवसाय या पेशे के कारण है और वास्तव में उसपर कब्जा नहीं कर सकता है, ऐसे मामलों में, ऐसी गृह संपत्ति का वार्षिक मूल्य शून्य माना जाएगा।

न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट सेक्टर की एंट्री, फैक्ट्री में तैयार होंगे रिएक्टर

बदलने वाला है ऊर्जा क्षेत्र का सीन!

नई दिल्ली। भारत न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है। बजट में इसकी स्पष्ट झलक दिखी। वित्त मंत्री ने बजट 2025 में न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र के लिए भारी-भरकम 20 हजार करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। सरकार ने इस क्षेत्र में प्राइवेट प्लेयर्स को आने के लिए न्यौता दिया है। यही नहीं निजी निवेशकों की सहूलियत के लिए सरकार एटॉमिक एनर्जी एक्ट और सिविल लाइबलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट में बदलाव करने को भी तैयार है। वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का विकास हमारे एनर्जी ट्रांजिशन की कोशिशों के लिए आवश्यक है।

निजी क्षेत्र को दिया गया न्योता

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्राइवेट खिलाड़ियों को आमंत्रित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक 100 गीगावाट के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों के साथ सक्रिय साझेदारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के अनुसंधान एवं विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपए की राशि से एक परमाणु ऊर्जा मिशन स्थापित किया जाएगा।

मजबूत होंगी सशस्त्र फोर्स इंटेलिजेंस को भी बड़ा फंड

पुलिस बलों को मिलेगा इसका बड़ा हिस्सा

केंद्रीय बजट 2025-26 में गृह मंत्रालय को 2,33,210.68 करोड़ रुपए आवंटित किये गए, जिसमें से 1,60,391.06 करोड़ रुपए सीआरपीएफ, बीएसएफ और सीआईएसएफ जैसे केंद्रीय पुलिस बलों को दिये जाएंगे। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल(सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) आंतरिक सुरक्षा, सीमा की रखवाली और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। केंद्रीय बजट 2024-25 में केंद्रीय गृह मंत्रालय को 2,19,643.31 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। अर्धसैनिक बलों में सीआरपीएफ को 35,147.17 करोड़ रुपए, बीएसएफ को 28,231.27 करोड़ रुपए, सीआईएसएफ को 16,084.83 करोड़ रुपए, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को 10,370 करोड़ रुपए, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को 10,237.28 करोड़ रुपए और असम राइफल्स को 8,274.29 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। खुफिया ब्यूरो (आईबी) को 3,893.35 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

समुद्री रास्ते से आएगा 'विकास' जहाज के कच्चे माल पर छूट जारी

नई दिल्ली। समुद्री उद्योग के दीर्घावधि वित्तपोषण के लिए 25,000 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ 'समुद्री विकास कोष' स्थापित किया जाएगा। सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करते हुए कहा कि इस राशि का उपयोग प्रतिस्पर्धा को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इसमें सरकार का 49 प्रतिशत तक योगदान होगा जबकि शेष राशि बंदरगाहों और निजी क्षेत्र से एकत्रित की जाएगी। उन्होंने जहाजों के निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल एवं कलपुर्जों पर सीमा शुल्क छूट को अगले 10 वर्षों तक बढ़ाने की भी घोषणा की। ये घोषणाएं इस लिहाज से महत्वपूर्ण हैं कि देश अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए घरेलू जहाज निर्माण को बढ़ावा देना चाहता है।

नागर विमानन मंत्रालय के लिए 2,400 करोड़ का प्रस्ताव

बजट में नागर विमानन मंत्रालय के लिए आवंटन लगभग 10 प्रतिशत घटाकर 2,400.31 करोड़ रुपए कर दिया गया है। वहीं, क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के लिए भी आवंटन घटाकर 540 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट 2025-26 में आवंटन 2024-25 के संशोधित बजट 2,658.68 करोड़ रुपए की तुलना में कम है। एक अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष के लिए कुल आवंटन में से 'उड़ान' को 540 करोड़ रुपए मिलेंगे, जो कि एक पिछले साल के 800 करोड़ रुपए के आवंटन की तुलना में 32 प्रतिशत कम है। 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) योजना को संशोधित कर 120 नए गंतव्यों को जोड़ा जाएगा।

330 करोड़ रुपए किया गया है नागर विमानन महानिदेशालय के लिए आवंटन

राजमार्ग मंत्रालय के लिए 2.87 लाख करोड़ रुपए का आवंटन

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के लिए 2,87,333.16 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह राशि इससे पिछले वित्त वर्ष के 2,80,518.80 करोड़ रुपए के परिव्यय से 2.41 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के लिए आवंटन भी सालाना आधार पर 1,693,71 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1,878,03 करोड़ रुपए कर दिया। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में एनएचएआई का कुल कर्ज 3.35 लाख करोड़ रुपए आंका गया था, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के अंत में लगभग 2.76 लाख करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में राजमार्ग विकासकर्ताओं के कर्ज को कम करने के लिए एनएचएआई के उधार लेने का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

एनएचएआई के उधार लेने का कोई प्रावधान नहीं किया गया है इस बार के बजट में

ऑटो सेक्टर को दी बड़ी सौगात

इलेक्ट्रिक वाहन-मोबाइल्स होंगे सस्ते

मोबाइल फोन और ई-कार सस्ती होंगी। सरकार लिथियम आयन बैटरी पर लगने वाले टैक्स को भी कम करेगी। इससे ईवी और मोबाइल की लीथियम आयन बैटरी सस्ती हो जाएंगी। इसका सीधा असर इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों पर भी देखने को मिलेगा, जिसका फायदा आम जनता को होगा। इतना ही नहीं गाड़ियों के साथ-साथ एलईडी-एलसीडी टीवी भी सस्ती होंगी। सरकार ने स्मार्ट टीवी की कस्टम इयूटी को घटाकर 2.5% कर दिया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा

साल 2025 के बजट में भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण सामग्रियों पर बेसिक कस्टम इयूटी (बीसीडी) पूरी तरह से हटा दी है, जिसमें कोबाल्ट, लिथियम आयन बैटरी स्क्रैप, लेड, जिंक और 12 अन्य मिनरल्स शामिल हैं। इन सामग्रियों का इस्तेमाल बैटरी, सेमीकंडक्टर और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के निर्माण में किया जाता है। इन सामग्रियों पर कस्टम इयूटी हटाने से इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ क्लीन एनर्जी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली 35 अतिरिक्त चीजों को भी इयूटी फ्री कर दिया गया है।

आम बजट पर खास नजरिया

समय की आहट को समझने की गहरी अंतदृष्टि वाला बजट

ओपी चौधरी
मंत्री, वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना-आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री के नाते और भारत देश के एक आम नागरिक के रूप में भी मैं बहुत उत्सुकता से केंद्रीय बजट का इंतजार कर रहा था। पिछले एक दशक में मैंने देखा है कि हर बार हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आये बजट में लोककल्याण तथा अर्थव्यवस्था के विकास के ऐसे इनसाइट और नवाचारी निर्णय होते हैं, जिन्हें एक संवेदनशील और साहसिक नेतृत्व ही ले सकता है। हमारा देश चाणक्य का देश है जिन्होंने लोककल्याणकारी अर्थशास्त्र की नींव रखी। चाणक्य का फोकस ऐसे करारोपण पर था, जो जनता पर दबाव न डाले। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार टैक्स सुधार पर काम हुए हैं और टैक्स का बोझ कम हुआ है। इस बार के बजट में उन्होंने 12 लाख रुपए तक की आय को कर मुक्त कर दिया है। इसे मैं ऐतिहासिक निर्णय मानता हूं। पिछले एक दशक में देश में तेजी से आर्थिक विकास हुआ और इस आर्थिक विकास के चलते भारत में एक बड़े मध्यमवर्ग का निर्माण हुआ है। प्रधानमंत्री जी की योजनाओं से करोड़ों लोग गरीबी रेखा से निकले और मध्यम वर्ग में शामिल हुए। यह बजट उनके हाथों की बचत को मजबूत करने वाला है। उनकी क्रयशक्ति को बढ़ाने वाला है। मध्यमवर्ग की बचत बढ़ने से यह राशि बाजार में निवेश के रूप में भी जाएगी।

आम जनता की बचत के प्रति संवेदनशील प्रधानमंत्री से मध्यमवर्ग को यह आशा थी कि इस बार वे जरूर आयकर में छूट प्रदान करेंगे लेकिन यह इतनी बड़ी छूट होगी, ऐसा सोचना भी उनके लिए मुमकिन नहीं था लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी के लिए तो कहा ही जाता है कि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी जी के विजन के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हम सब प्रदेश की जनता की भागीदारी के साथ कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस बजट में डबल इंजन की हमारी सरकार की कैपेसिटी को और बढ़ा दिया है। इससे विकास का यह इंजन द्रुत गति से बढ़ेगा। हमारी नई उद्योग नीति आने के बाद से ही 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश अब तक प्रदेश में आ गया है। अब नए स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का बजट रखने से नवा रायपुर में निवेश का माहौल और भी बेहतर होगा जो पहले ही आईटी हब और स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। एमएसएमई को मजबूत करने वाले प्रावधान रखने से छत्तीसगढ़ में निवेश का माहौल शानदार हो गया है। छत्तीसगढ़ की पहचान खनिज संपदा से है तो स्वाभाविक रूप से बजट में खनन क्षेत्र में जिस तरह से सुधारों को और क्रिटिकल मिनरल मिशन को प्रोत्साहन दिया गया है। उससे छत्तीसगढ़ के कटघोरा, जहां लिथियम का भंडारा मिला है उसका पूरा लाभ छत्तीसगढ़ को मिलेगा। इस बजट में छोटे-छोटे उद्यमियों को भी बूस्टअप डोज दिया गया है।

ओला इलेक्ट्रिक ने जेन 3 विकसित किया

जबलपुर। भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 जेन 3 पोर्टफोलियो का लॉन्च करके इलेक्ट्रिक वाहन की टेक्नोलॉजी को नैक्स्ट लेवल में पहुँचा दिया है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर एडवांस्ड जेन 3 प्लेटफॉर्म पर बने हैं। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, भाविश अग्रवाल ने कहा दूसरी जनरेशन के स्कूटरों को हमने ज्यादा स्मार्ट बनाया और अपने पोर्टफोलियो का वस्तिार किया।

स्वस्थ और समृद्ध भारत के लिए बजट

कोटा। यह बजट उत्कृष्ट है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को मजबूत करने के साथ ही इस बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से देश को स्वस्थ और समृद्ध भवष्यि प्रदान करने की दृष्टि स्पष्ट नजर आ रही है। कॅरियर सिटी कोटा के लिए भी यह बजट अच्छा है, इससे यहां तैयारी करने वाले और अधिक वद्यिार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियर बनने का अवसर मिलेगा। आईआईटीज में सुविधाएं बढ़ाना, सीटें बढ़ाना युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर देना है। आईआईटीज और आईआईएससी में 10 हजार फैलोशिप देना युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन है। देश में चिकत्सिा पेशेवरों की आवश्यकता को समझते हुए, अधिक मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में 75,000 सीटें बढ़ाने की घोषणा की गई है, इसमें अगले वर्ष में 10 हजार सीटें बढ़ाने का लक्ष्य है। यह भारत की स्वस्थता और समृद्धता के लिए बड़ा कदम है। सरकार के इस कदम से मेडिकल व इजीनियरिंग संस्थानों में पढ़ने के इच्छुक वद्यिार्थियों की संख्या बढ़ेगी और कोटा में भी नीट व जेईई की तैयारी करने के लिए आने वाले वद्यिार्थियों की संख्या बढ़ेगी।

सांपों ने की अजीब हरकतें, फिर खुला 700 साल पुराना रहस्य! दिव्यशक्ति देने लगी दिखाई

एजेंसी ▶▶| मंगलुरु

तुलु नाडु की मिट्टी की महिमा ऐसी है कि यहां के देवताओं द्वारा किए गए चमत्कारों का मनुष्यों के पास कोई जवाब नहीं है। इतने सारे चमत्कार हुए हैं कि विज्ञान भी उन्हें समझ नहीं सकता। जो लोग देवताओं की खोज में निकले हैं, वे सचमुच हैरान है। अब मंगलुरु के बाहरी इलाके पेडामाले में एक ऐसा ही वाकया हुआ है। लगभग

300 साल पहले मिट्टी में दबी एक दिव्य शक्ति अब दिखाई देने लगी है। हाल ही में मंगलुरु के पेडामाले गांव में दर्जनों समस्याएं सामने आ रही थीं। गांव में जहां भी जाते, एक सांप दिखाई देता। आखिरकार, हर घर में सांप दिखने लगा। इसलिए, इस सांप की हरकतें पूरे गांव के लिए एक बड़ी यक्ष प्रश्न बन गई थीं। रास्ता न मिलने पर गांव वालों ने सवाल उठाना और सोचना शुरू किया। उन्हें तुरंत यह सुराग मिला कि सांप की उपस्थिति है। वाजिलादाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गिरीधर शेट्टी ने कहा कि थोड़ी सफाई करते समय, सभी ने देखा कि वाजिलादाई मंदिर का पत्थर रुक गया था।

मंदिर का मिला पत्थर

कहा जाता है कि यहां लगभग 700 साल पहले एक मंदिर बनाया गया था, लेकिन तब इसके साथ क्या हुआ, यह पता नहीं है। लगभग 300 साल पहले, नागदेवस्थान जमीन के नीचे चला गया। बाद की पीढ़ियों के लिए यहां मंदिर का कोई निशान नहीं था, लेकिन अब वही भगवान दिख रहे हैं। इस प्रकार, नागब की खुदाई करते समय मंदिर का पत्थर मिला। इसे जांचने वाले पुरातत्वविदों ने कहा कि यह 700 साल पुराना पत्थर है। इसलिए, गांव वाले एक साथ मिलकर एक विशाल मंदिर बना रहे हैं।

भावनात्मक एकता एक बड़ी बात है

गांव वालों ने खुद मंदिर के निर्माण के लिए जमीन दी और ईसाई समुदाय के एक व्यापारी ने सड़क बनाने की जिम्मेदारी ली। उन्होंने लाखों रुपए भी दान किए। इसके माध्यम से, उन्होंने भावनात्मक एकता का एक बड़ा काम किया है। मंदिर को दान देने वाले मिनेयास ने कहा कि मैंने जितना हो सका, उतना दान दिया है। मंदिर का निर्माण चल रहा है। हम भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे। मंदिर का निर्माण लगभग अंतिम चरण में है और ब्रह्म कलश का निर्माण 18 फरवरी को किया जाएगा। संक्षेप में, चाहे विज्ञान कितना भी आगे बढ़ जाए, यह बार-बार साबित हो रहा है कि मनुष्य भगवान और देवताओं के सामने कुछ भी नहीं है।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने स्पेसवॉक का बनाया रेकॉर्ड

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन में पिछले 8 महीनों से फंसी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को वापस लाने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं। इस बीच दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने दुनिया को हैरान करते हुए एक नया रेकॉर्ड कायम किया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है, दोनों अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने गुरुवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में 5.5 घंटे की स्पेसवॉक की है, जो एक नया रेकॉर्ड है। आपको जानकर हैरानी होगी, कि यह सुनीता विलियम्स का नौवां स्पेसवॉक था, जबकि विल्मोर का ये पांचवां स्पेसवॉक था। सुनीता विलियम्स के नाम अब कुल 62 घंटे और 6 मिनट तक स्पेसवॉक करने का नया रेकॉर्ड शामिल हुआ है, जो नासा की तरफ से अभी तक जितने भी अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेसवॉक किया है, उसमें चौथा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि सुनीता विलियम्स और विल्मोर ने स्पेस में रहने के अपने प्राथमिक मकसदों को हासिल कर लिया है, जिनमें स्टेशन के ट्रस से रेडियो फ्रीक्वेंसी समूह एंटीना असेंबली को हटाना और डेस्टिनी प्रयोगशाला और क्वेस्ट एयरलॉक से विश्लेषण के लिए सतह सामग्री के नमूने एकत्र करना शामिल है।

अंतरिक्ष में कैसे फंसी सुनीता विलियम्स?

जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट पर सवार होकर सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे। इस दौरान दोनों को सिर्फ आठ दिनों तक ही स्पेस स्टेशन के ऑर्बिट प्रयोगशाला में रहना था, लेकिन स्पेसक्राफ्ट खराब हो गया और दोनों वहीं फंस गये। जिसके बाद नासा ने पिछले साल अगस्त में घोषणा की थी, कि स्पेसएक्स का स्पेसक्राफ्ट अब दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को धरती पर लेकर आएगा। लेकिन, स्पेसएक्स ने इस बीच एक नये अंतरिक्ष यान को तैयार करने की बात कही, जिसकी वजह से दोनों को अंतरिक्ष पर ही रहना पड़ा।

जल्द होगी अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी

इस बीच अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है, कि स्पेसएक्स 'जल्द ही' दोनों अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को धरती पर वापस लाने के लिए एक नया मिशन शुरू करेगा। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरिक्ष यात्रियों को मार्च के अंत में कू 9 मिशन से वापस लाया जाएगा।

5.5 घंटे की स्पेसवॉक की है

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा है, कि 'नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने गुरुवार पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के 60 घंटे और 21 मिनट के अंतरिक्ष में चहलकदमी के कुल समय को पार कर लिया है। सुनीता अभी भी अंतरिक्ष के वैक्यूम में रेडियो कम्युनिकेशन हार्डवेयर को हटा रही हैं।' वहीं, नासा ने बुधवार को कहा था, कि वह अरबपति कारोबारी एलन मस्क की स्पेस एजेंसी स्पेसएक्स के साथ मिलकर दोनों अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को सुरक्षित धरती पर वापस लाने के लिए काम कर रहा है। ये दोनों पिछले साल जून से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं। नासा ने कहा है कि दोनों को 'जितनी जल्दी हो सके'वापस घर लाया जाएगा। वहीं, एलन मस्क ने दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेस फंसे होने को लेकर जो बाइडेन को जिम्मेदार ठहराया है।

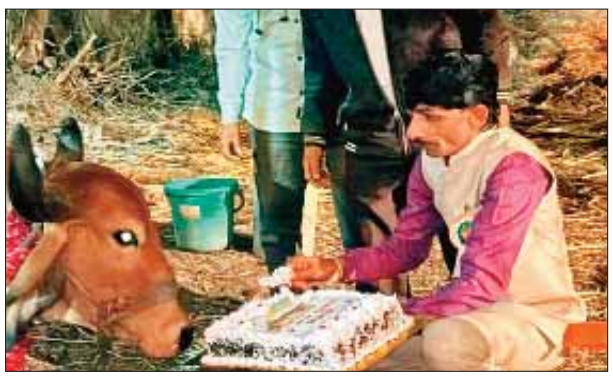

गोमूत्र ने कोरोना से बचाई जान! गाय के जन्मदिन की रखी पार्टी

एजेंस▶▶| नासिक

हिंदू धर्म में गाय को माता के रूप में पूजा जाता है।गाय माता की पूजा तो हम सब बचपन से करते आए हैं, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी ने अपनी गाय का जन्मदिन ऐसे मनाया हो, जैसे घर में कोई शादी-ब्याह हो? नासिक के एक शख्स ने अपनी गाय का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया है।करीब 4 हजार लोगों ने इस अनोखे जन्मदिन समारोह में हिस्सा लिया। सिन्नर तालुका के शिंदे पडसे गांव के रामेश्वर सदगीर ने हर साल की तरह इस बार भी गाय का जन्मदिन मनाया और इसकी चर्चा हर जगह हो रही है। सोशल मीडिया पर भी इस वीडियो को खूब देखा जा रहा है। बता दें कि रामेश्वर को बचपन से ही गो सेवा कर रहे हैं। 29 जनवरी 2016 को उन्होंने जोधपुर से एक गिर गाय अपने घर लाई और उसका नाम गीता रखा। रोजाना सदगीर परिवार इस गाय की सेवा करता है। गीता के 7 साल पूरे होने पर उन्होंने उसका जन्मदिन मनाया। उनका कहना है कि इससे दूसरों को भी गाय का महत्व समझ में आएगा और गाय की देखभाल की जाएगी।

कोरोना के समय गोमूत्र का लाभ

सदगीर ने बताया कि देश में कोरोना आया तो मुझे भी कोरोना हो गया था। हर जगह ऑक्सीजन की कमी थी, लेकिन, आज मैं गीता की वजह से जिंदा हूं। मैं रोज गोमूत्र पीता था। इससे गाय ने मुझे जीवनदान दिया। हिंदू धर्म में गाय का महत्व है। शास्त्र में भी गाय को महत्वपूर्ण माना गया है। इसलिए गोमूत्र पीने से मैं कोरोना जैसी बीमारी से ठीक हो गया। यह सब गीता की वजह से संभव हुआ। इसलिए मैं उसका बड़ा जन्मदिन मना रहा हूं।

वैवाहिकी
वर चाहिए
वर चाहिए
29 वर्षीया 5'-4" एमए, एमकॉम, रिसर्च स्कॉलर, गॉड (ध्रुव) स्वशासी महाविद्यालय में गेस्ट असिस्टेंट प्रोफेसर स्मार्ट कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिये
सम्पर्क करें
9424399425
7987467641

वर चाहिए
जन्म तिथि 16/11/1983 हाईट 5'-1" विडो महिला, सुहाग भंडार शॉप अपना व्यवसाय, मासिक आय 75000/- सभी मान्य है जाति बंधन नहीं खासकर जरूरतमंद ही कॉल करें
7415070430

बौध्द वर चाहिए- गोरी, सुन्दर सुशील बौद्ध महाराष्ट्रीयन (महार) जन्म 1996, 5'-3" डॉक्टर (फिजियो थेरपिस्ट) कन्या हेतु सजातीय सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें- 887130 0333 (665)

वधु चाहिए
ब्राम्हण वधु चाहिए- ब्राह्मण 40/5'3'' ग्रोत्र-शाण्डिल्य, इलेक्ट्रिकल गारमेंट कॉन्ट्रेक्टर स्वयं का व्यवसाय मासिक आय 80 हजार हेतु विधवा तलाकशुदा, अविवाहित, बिना बच्चे वाले (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) संपर्क करें:- 98262 94381, 9329023361 (671)

गणतंत्र दिवस पर अश्लील शायरी, शिक्षक और प्राचार्य निलंबित

बिलासपुर। मुंगेली जिले के लोरमी ब्लॉक के सरकारी स्कूल में गणतंत्र दिवस के मौके पर बच्चों और शिक्षकों के सामने अश्लील शायरी प्रस्तुत करने वाले व्याख्याता को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही मामले में कार्रवाई नहीं करने पर प्राचार्य महेशी राम साहू को भी निलंबित किया गया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी किया है। गौरतलब है कि मुंगेली जिले के लोरमी ब्लॉक स्थित ठा. रामसिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला रामहेपुर में आर्ट्स के व्याख्याता स्वारथ लाल जायसवाल ने गणतंत्र दिवस के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान खुलेआम अश्लील शायरी की। इस दौरान उन्होंने मंच संचालन के नाम पर अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया, जो स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं, नागरिकों और अन्य शिक्षकों के सामने हुआ। घटना के वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि शिक्षक ने कई बार अश्लील शायरी के अंदाज में बातें की।

राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

कोर्ट ने कहा- सरकार को बिना नोटिस हटाने का अधिकार

हाईकोर्ट ने अजा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की बर्खास्तगी को सही माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की बर्खास्तगी को सही ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार की इच्छा के अधीन नियुक्त व्यक्तियों को किसी भी समय बिना नोटिस, कारण या सुनवाई के हटाया जा सकता है। जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की सिंगल बेंच ने अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला जारी किया है।

याचिकाकर्ताओं ने राज्य में नई सरकार द्वारा अपनी बर्खास्तगी को चुनौती देते हुए अर्जी दाखिल की थी, जिसे खारिज कर दिया गया है।

इस मामले में चार याचिकाकर्ता भानु प्रताप सिंह (अध्यक्ष), गणेश ध्रुव, अमृत लाल टोप्पो और अर्चना पोर्टे (सदस्य)—शामिल थे। इन्हें 16 जुलाई 2021 को पिछली सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग में नियुक्त किया था। ये नियुक्तियां छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग (संशोधन) अधिनियम, 2020 की धारा 3 के तहत हुई थी, जिसमें कहा गया है कि अध्यक्ष और सदस्य "राज्य सरकार की इच्छा के अधीन" पद पर रहेंगे। हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद नई सरकार ने 15 दिसंबर 2023 को एक आदेश जारी कर राजनीतिक नियुक्तियों को हटाने का निर्देश दिया। इसी आदेश के तहत याचिकाकर्ताओं को भी उसी दिन बिना कोई नोटिस या सुनवाई के उनके पद से हटा दिया गया। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की गई थी। याचिका में पद से हटाए जाने को असंवैधानिक व राजनीतिक बताया गया था।

पद पर बने रहने का संवैधानिक अधिकार नहीं

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति पिछली सरकार की इच्छा पर हुई थी, और उनकी विचारधारा वर्तमान सरकार की नीतियों के अनुरूप नहीं है, इसलिए उनकी बर्खास्तगी को उनके कार्य या चरित्र पर कलंक नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि नामित सदस्य को पद पर बने रहने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। यदि नियुक्ति नामांकन द्वारा हुई है, तो सरकार को अधिकार है कि वह ऐसी नियुक्ति को अपनी इच्छा पर समाप्त कर सके। हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दी और याचिकाकर्ताओं की बर्खास्तगी को वैध ठहराया। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार की इच्छा के अधीन पदाधिकारी को किसी भी समय, बिना नोटिस, बिना किसी कारण, और बिना किसी कारण की आवश्यकता के हटाया जा सकता है।

चीनी वैज्ञानिकों ने किया चमत्कार, बिना मां के सिर्फ दो पिताओं से पैदा किए बच्चे

बीजिंग। चीनी वैज्ञानिकों ने भ्रूण स्टेम सेल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल करके दो पिताओं वाले चूहे बनाए हैं। ये चूहे अब अपनी वयस्क उम्र तक जिंदा रहने में कामयाब रहे हैं। चीनी वैज्ञानिकों की इस कामयाबी से दुनिया के सामने भ्रूण की विकास क्षमता को बढ़ाने का एक संभावित तरीका भी सामने आया है। वैज्ञानिकों ने दो दशक पहले दो मादा माता-पिता वाले चूहे सफलतापूर्वक बनाए थे, लेकिन दो- दो नर माता-पिता के साथ यही उपलब्धि हासिल करना एक चुनौती साबित हुआ है। गुआंगजौ में सन यात-सेन विश्वविद्यालय के सह-लेखक और प्रोफेसर लुओ गुआनझेंग ने एक जर्नल प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'ये निष्कर्ष इस बात के पुख्ता सबूत देते हैं कि स्तनधारियों के एकलिंगी प्रजनन में मुख्य बाधा इंप्रिंटिंग असामान्यताएं हैं।' लुओ ने कहा, 'यह दृष्टिकोण भ्रूण स्टेम कोशिकाओं और क्लोन किए गए जानवरों के विकासात्मक परिणामों में उल्लेखनीय रूप से सुधार कर सकता है, जो रिजेनरेटिव दवाइयों को और ज्यादा प्रभावी और उन्नत बनाने के लिए रास्ता खोल सकता है।' कुछ जानवर जैसे छिपकलियों की कुछ प्रजातियां अलैंगिक प्रजनन के माध्यम से संतान पैदा कर सकती हैं, लेकिन स्तनधारियों में यह स्वाभाविक रूप से कभी नहीं देखा गया है। जब वैज्ञानिकों ने दशकों पहले कृत्रिम रूप से इसे हासिल करने का प्रयास करना शुरू किया, तो वे द्वि-मातृ भ्रूण बनाने में सफल रहे, लेकिन गर्भाशय में प्रत्यारोपित होने के बाद वे मर जाते थे। अंततः यह पता चला कि इंप्रिंटेड जीन ही समस्या थे।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5766

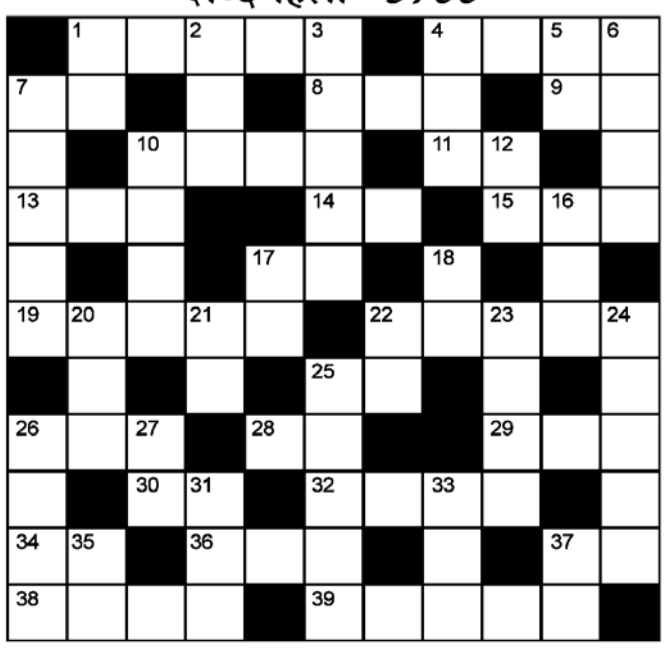

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 5765 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह			व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज			जा	ग्र	त
म		र	ज		ध	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

सूडोकु नवताल - 5776

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

कठिनतम

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5775 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

MANGAL SENACHA BANGALORE

वसंत ऋतु केवल भौतिक प्रकृति में परिवर्तन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और परंपरा का वाहक भी है। वसंत जीवन, स्वास्थ्य और संस्कृति का समग्र उत्सव है। यह ऋतु हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने, उत्साह और आनंद के साथ जीवन जीने और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संजोने की प्रेरणा देती है। आइए, इस मनमोहक ऋतु में हम भी अपना मन-जीवन वासंती कर लें।

प्रकृति-जीवन का उत्सव मनमोहक वसंत

आवरण कथा / संदीप भटनागर

रितु ललित बसंती आन लगे,
हरे पत्र पियरान लगे।
घटन लगी छिन ही छिन रजनी,
रवि के रथ ठहरान लगे।
उमड़ आए चहुं ओर पताका,
मां मांरू फहरान लगे।

पीली चूनर लहराती ग्राम बालाओं का स्वर मन में उतर वासंती उत्सव रच, मन-मानस वासंती कर रहा है।

पौराणिक मान्यताएं

पौराणिक कथाओं के अनुसार वसंत को कामदेव का पुत्र कहा गया है। कवि देव ने वसंत ऋतु का वर्णन करते हुए कहा है कि रूप और प्रेम के देवता कामदेव के घर पुत्रोत्पत्ति का शुभ समाचार प्राप्त होते ही प्रकृति झूम उठती है, पेड़ नवागत के लिए कोपलों का पालना डालते हैं, फूल वस्त्र पहनाते हैं, पवन झुलाती है और कोयल उसे गीत सुनाकर बहलाती है।

वसंत पंचमी को मां सरस्वती की उत्पत्ति का उत्सव भी कहा जाता है। इसके पीछे भी एक पौराणिक कथा प्रचलित है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी, तब हर तरफ शांति व्याप्त थी। कहीं कोई ध्वनि, किसी प्रकार का स्वर नहीं सुनाई पड़ रहा था। उसी समय भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्माजी ने अपने कमंडल से जल लेकर धरती पर छिड़का, जिससे अद्भुत शक्ति लिए चार भुजाओं वाली तेजमयी देवी प्रकट हुईं। उनकी दो भुजाओं में वीणा, एक भुजा में अक्ष माला और एक भुजा में पुस्तक थी। ब्रह्माजी ने उनसे वीणा बजाने को कहा। ब्रह्मा जी के कहने पर जब उन्होंने वीणा बजाई तो चारों ओर एक मधुर ध्वनि फैल गई। मोहक स्वर लहरियां गुंजित होने लगीं। इसके बाद ब्रह्माजी ने वीणा की देवी को सरस्वती नाम से विभूषित किया। सरस्वती को ज्ञान और संगीत की देवी के रूप में पूजा जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है, 'ऋतूनां कुसुमाकरः।' श्रीकृष्ण के कथन 'ऋतुओं में मैं बसंत हूं' के अनुरूप, यह ऋतु प्रकृति और जीवन की दिव्यता का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा वसंत को ऋतुओं में सर्वश्रेष्ठ घोषित करना इस ऋतु की आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाता है। यह ऋतु प्रकृति की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति है, जो जीवन के हर पहलू को सुंदरता और उल्लास से भर देती है।

ऋतु चक्र में परिवर्तन का प्रतीक

ऋतु चक्र में वसंत ऋतु को विशेष स्थान प्राप्त है, जो भारतीय समाज और संस्कृति में विशेष स्थान रखती है। यह ऋतु केवल मौसम का परिवर्तन संकेत ही नहीं वरन जीवन का उत्सव है, प्रकृति के नवजीवन का प्रतीक है। इसे लोक जीवन और संस्कृति में उत्सव और उल्लास की ऋतु के रूप में देखा जाता है। वसंत ऋतु का आरंभ माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी से होता है, जिसे वसंत पंचमी कहा जाता है। सर्दी की ठिठुरन के बाद जब वसंत आता है, तो यह न केवल प्रकृति को हरियाली और रंगों से भर देता है, बल्कि मानव जीवन में भी उमंग और ताजगी का संचार करता है। इसीलिए वसंत ऋतु को प्रकृति का नवजीवन कहा जाता है। शीत ऋतु की कठोरता के बाद यह ऋतु धरती पर आनंद और उमंग का संदेश लेकर आती है। इस समय वृक्षों पर नई कोपलें फूटती हैं, सरसों के खेत पीले फूलों से भर जाते हैं, आम के वृक्ष बौर से सुसज्जित हो महकने लगते हैं और कोयल की मधुर कूक सुनाई देने लगती है। सुनहले पीले खेत किसानों के मन में उम्मीदों की फसल उगा देते हैं। यह परिवर्तन केवल दृश्य सौंदर्य न होकर ग्राम्य जीवन में खुशियों की नवीन आशा और उत्साह का संचार भी करता है।

लोकजीवन में आए उल्लास

वसंत ऋतु का आगमन लोक जीवन में भी उल्लास और उत्साह का संदेश लेकर आता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समय फसल कटाई का होता है, जो किसानों के जीवन में समृद्धि और खुशी लाता है। नई फसल के आने की खुशी में इस ऋतु में गांव-गांव में उत्सव और मेलों का आयोजन होता है। लोक गीत और नृत्य, वसंत ऋतु की भावना को अभिव्यक्त करते हैं। लोक गीतों में वसंत की प्राकृतिक छटा, प्रेम, उल्लास और उत्सव का वर्णन होता है।

फूलों में रंग वसंती छाए/कोयल कूके मन भरमाए,
मधुर बांसुरी बजती झूमे/ ऋतु वसंती सबको भाए।

किसानों के लिए यह समय भविष्य के सपनों को साकार करने का समय होता है। इस समय कृषि आधारित जीवन में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार होता है। वसंत का आगमन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए समृद्धि का संदेश लाता है। इस समय खेतों में सरसों, गेहूं और जौ की फसलें तैयार होती हैं, जो किसानों की आर्थिक संपन्नता का प्रतीक हैं। वसंत पंचमी को नए कार्यों के आरंभ के लिए शुभ माना जाता है। यह समय धर्म और अध्यात्म के साथ जुड़ने का भी है, जब प्रकृति के साथ मानव गहरा जुड़ाव महसूस करता है। सामाजिक दृष्टि से वसंत, मेलों और उत्सवों का समय होता है। ये आयोजन न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि समाज में सहयोग को भी बढ़ावा देते हैं।

मां वाग्देवी की करते हैं आराधना

परंपरा के साथ भारतीय संस्कृति में भी वसंत का विशेष महत्व है। वसंत पंचमी का त्योहार विद्या और कला की देवी मां सरस्वती को समर्पित है। यह दिन देवी सरस्वती को समर्पित होने से ज्ञान, विद्या और कला की देवी की विशेष अर्चना-आराधना होती है। इस दिन विद्यार्थी अपनी पुस्तकों और वाद्य यंत्रों के साथ सरस्वती मां की पूजा करते हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों में विशेष समारोह आयोजित किए जाते हैं। यह पर्व जीवन में शिक्षा और ज्ञान के महत्व को भी दर्शाता है। इस दिन लोग पीले वस्त्र धारण करते हैं और पीले पकवान बनाते हैं, जो वसंत के रंग और सौंदर्य का प्रतीक है। इसके साथ ही होली, जो वसंत ऋतु के अंत में मनाई जाती है, प्रेम, भाईचारे और समानता का संदेश देती है। इस पर्व पर लोग आपसी भेदभाव भूलकर एक-दूसरे को रंगों से सराबोर करते हैं। लोकगीत, नृत्य और फाग के माध्यम से संस्कृति अभिव्यक्त होती है।

स्वास्थ्य के लिए हितकर

स्वास्थ्य की दृष्टि से वसंत को 'प्रकृति का वरदान' कहा जा सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, यह ऋतु शरीर के त्रिदोषों यानी वात, पित्त और कफ से उत्पन्न दोषों को संतुलित करने और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का समय है। इस समय हल्का और पौष्टिक भोजन करना लाभदायक होता है। वसंत ऋतु में प्रकृति का सौंदर्य न केवल मन को आनंदित करता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी उत्तम बनाता है। खुला वातावरण, ताजी हवा और हरी-भरी प्रकृति मन और शरीर को ताजगी प्रदान करते हैं। सैर, योग और व्यायाम इस ऋतु परिवर्तन के समय में विशेष रूप से लाभकारी होते हैं। *

विश्व पुस्तक मेला-2025
बरकरार है किताबों का जादू

नई दिल्ली के भारत मंडपम में कल से शुरू हो गया है किताबों का मेला। पूरे देश से ही नहीं विदेशों से भी आने वाले पुस्तकप्रेमियों का लगने लगा है जमावड़ा। इस मेले की खासियतों और लोगों के मन में किताबों से बरकरार लगाव पर एक नजर।

आयोजन / लोकमित्र गौतम

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाला बहुप्रतीक्षित विश्व पुस्तक मेला-2025 कल से आरंभ हो चुका है और आगामी 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में किताबों का यह मेला सजा रहेगा। इस मेले के आयोजक नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडियन ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन और भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय हैं।

अनूठी है मेले की थीमः पांच दशकों की समृद्ध साहित्य-सांस्कृतिक विरासत के साथ यह पुस्तक मेला, इस बार रिपब्लिक-75 की थीम के साथ आयोजित हो रहा है। इस थीम को जीवंत करने के लिए क्रिएटिव ग्राफिक्स, इंस्टॉलेशन और कलाकृतियों का उपयोग किया गया है। वास्तव में यह थीम, भारतीय संविधान के 75 वर्षों के सफर तथा विकसित भारत की कल्पना में ज्ञान और किताबों की उपयोगिता के साथ संबद्ध है।

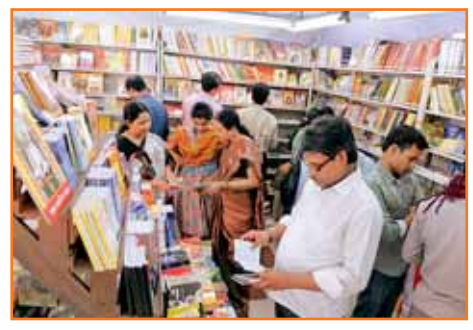

पुस्तक मेले की महत्ताः विश्व पुस्तक मेला जैसे आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि यहां सिर्फ किताबें ही नहीं बिकतीं बल्कि लेखकों, पाठकों और प्रकाशकों के बीच एक सरस और सुविधाजनक मेलजोल होता है। साहित्य, संस्कृति और विविध विचारों का, विविध भाषाओं के संदर्भों से आदान-प्रदान होता है। विश्व पुस्तक मेला, महज किताबों का मेला नहीं होता बल्कि यह कला, साहित्य और संस्कृति का संपूर्णता में होने वाला संवाद भी होता है। पुस्तक मेले जैसे आयोजन सामुदायिक महत्व को भी दर्शाते हैं। क्योंकि ये विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र भी बनते हैं। यहां लेखक, विचारक और कलाकार सब एक मंच पर मिलते हैं और विभिन्न रचनाओं का सामूहिक उत्सव मनाते हैं। पुस्तक मेलों में वैश्विक स्तर की सामग्री उपलब्ध होती है, वहां युवा और बच्चे इनकी तरफ खूब आकर्षित होते हैं। इस तरह नई पीढ़ी में भी पढ़ने की आदत विकसित करने में ये पुस्तक मेले मददगार होते हैं।

कम नहीं हुई पठनीयताः किताबों के बारे में एक सवाल उठता है कि मौजूदा दौर में जब पढ़ने की आदत और प्रवृत्ति किताबों के बजाय स्क्रीन की तरफ शिफ्ट हो गई हो, क्या तब भी हमें यह उम्मीद रखनी चाहिए कि किताबों का भविष्य सुरक्षित है? यह सवाल इसलिए भी क्योंकि इस संबंध में स्थिति बड़ी विरोधाभासी है। आमतौर पर 100 में 80 फीसदी लोग यही कहेंगे, अब किताबें कौन पढ़ता है? कुछ प्रकाशक भी किताबों की बिक्री को लेकर यही बात कहते हैं। लेकिन अगर किताबों की बिक्री के वास्तविक आंकड़ों को देखें या बड़े-बड़े लेखकों से बात करें तो या तेजी से लोकप्रिय हो रहे साहित्य उत्सवों में जुटने वाले लोगों के विचार सुनें तो यही लगता है कि किताबों का महत्व कभी कम नहीं होगा।

इसलिए कम नहीं हुआ आकर्षणः किताबों के प्रति लोगों में आकर्षण कम न होने की पहली महत्वपूर्ण वजह तो यही है कि आज भी पुस्तकों का सांस्कृतिक और बौद्धिक महत्व स्वीकार किया जाता है। दरअसल, किताबें किसी भी समाज की संस्कृति, इतिहास और ज्ञान का महत्वपूर्ण स्रोत होती हैं। वे समय के साथ विचारधाराओं और परंपराओं को संरक्षित रखती हैं, जो डिजिटल माध्यमों के मुकाबले कहीं ज्यादा टिकाऊ होता है। किताबों का जादू इसलिए भी कायम है, क्योंकि किताबों को पढ़ना जहां मानसिक शांति पाना है, वहीं लगातार स्क्रीन का उपयोग आंखों और दिमाग को थकाता है। लेकिन कागजों की पुस्तकें पढ़ने का अनुभव हमेशा स्क्रीन के मुकाबले शांतिपूर्ण और बिना किसी तनाव वाला होता है।

बढ़ती है समझ-याद्दाश्तः हाल के सालों में हुए कई शोधों से यह भी स्पष्ट हुआ है कि किताबें पढ़ने से गहरी समझ बनती है और याद्दाश्त बढ़ती है, जबकि स्क्रीन में पढ़ने से चीजें याद नहीं रहतीं और वे ज्यादा समय तक स्मृति में भी नहीं रहतीं।

स्तर होता है बेहतरः स्क्रीन रीडिंग के दौर में भी अगर कागज में छपी किताबें पढ़ने के लिए आकर्षित करती हैं, तो इसकी एक वजह यह भी है कि डिजिटल कंटेंट आमतौर पर किताबी कंटेंट के मुकाबले बेहद सतही होता है, जो पढ़ने की महज तात्कालिक जरूरत भर पूरा करता है, वहीं छपी हुई किताब गहरी सोच और आत्म निरीक्षण को बढ़ावा देती है।

होता है स्थायी प्रभावः किताबों का जादू आज भी सिर चढ़कर इसलिए बोल रहा है, क्योंकि ये सिर्फ ज्ञान का स्रोत भर नहीं होतीं, ये हमारे मन-मस्तिष्क में एक स्थायी प्रभाव भी छोड़ती हैं। *

गीत / गोविंद भारद्वाज

वसंत भरा तुझ में

फूलों सी खुशबू तुझ में है,
सांसों को भाए तू ही तू।
तितली सरीखी उड़ती फिरे,
मन में इठलाए तू ही तू।
रंग वसंत का भरा तुझमें,
प्यारी तेरी है सुंदरता।
छू कर देखें तो लगता ये,
मखमल जैसी हो कोमलता।
जब देखें निगाहें उठाकर,
आंखों में छाए तू ही तू।
तितली सरीखी उड़ती फिरे,
मन में इठलाए तू ही तू।
लगती है तू उजली किरण,
अभिनंदन करे धूप तेरा।
कंचन जैसा निखरा-निखरा,
लगता है मुझे रूप तेरा।
उपवन की नन्ही कलियों-सी
हरदम मुस्काए तू ही तू।
तितली सरीखी उड़ती फिरे,
मन में इठलाए तू ही तू।
अधरों पर मकरंद भरा है,
पीने को सबका जी चाहे।
सरसों सी महकी-महकी तू,
भौंरों को तू पास बुलाए।
वसंत ऋतु क्या आई दिलबर,
दिन भर बलखाए तू ही तू।
तितली सरीखी उड़ती फिरे,
मन में इठलाए तू ही तू।

कुंभ स्नान और मां

छोटी कहानी / अशोक वाधवाणी

आलोक अपने पिता की मृत्यु के बाद अपनी मां का विशेष ध्यान रखने लगा। पत्नी खुशबू और मां के बीच कभी मनमुटाव, मतभेद होता तो वह अधिकतर मां का पक्ष लेकर, खुशबू को अकेले में समझाता, 'तुम्हें मां से कभी कोई शिकवा-शिकायत हो तो मुझे बताया करो। शिकायत उचित होगी तो मां को जरूर समझाऊंगा। हम दोनों का कर्तव्य बनता है कि मां का मान-सम्मान करें। मां को इस बात का अनुभव नहीं होना चाहिए कि पिता जी के निधन के बाद वो अकेली और असहाय हैं।'

आलोक की बातें खुशबू को तीर के समान चुभती थीं। दरअसल, उसके मन में अपनी सास के प्रति ईर्ष्या-द्वेष के भाव भरे थे। खुशबू धीमे-धीमे अपनी सास के विरुद्ध आलोक के कान भरने लगी। अचानक एक दिन आलोक ने मां से कहा, 'कुंभ मेले में स्नान करके, पुण्य पाने के लिए प्रयागराज चलने की तैयारी करो, मां।'

मां को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। खुशी के मारे मां के पांव जमीन पर नहीं टिक रहे थे। भागती-दौड़ती अपनी सहेली शांति के घर पहुंची। प्रयागराज जाने की खुशखबरी सुनाई। शांति अपनी सहेली के प्रति बहू-बेटे के व्यवहार से भली-भांति परिचित थी, उसका माथा ठनका। उसके चेहरे पर प्रसन्नता की जगह चिंता के भाव उमड़े। शांति ने अपनी सहेली को कुंभ मेले में न जाने की सलाह दी। उसे यह सुनकर आश्चर्य हुआ। उसकी समझ में नहीं आया कि शांति उसे क्यों रोक रही है? बुरा मानने की बजाय शांति को समझाते हुए वह बोली, 'सहस्रं कार्तिके स्नानं माघे स्नानशतानि च।

वैशाखे नर्मदा कोटिः कुंभस्नानेन तत्फलम्।। अर्थात कार्तिक माह में एक हजार बार, माघ में सौ बार गंगा में और वैशाख में करोड़ बार नर्मदा में स्नान करने से जो फल मिलता है, वह प्रयाग कुंभ में एक बार स्नान करने से प्राप्त होता है। मुझे क्यों रोक रही हो?'

शांति ने सहेली की खुशी की खातिर चुप्पी साध ली। बस हंसी-खुशी जाने को कहा। उसने मुस्कुराते हुए शांति को गले लगा लिया।

कुंभ मेले में पहुंचते ही उमड़ा जन सैलाब देखकर मां आनंद-विभोर हो उठी। मन मचलने लगा, त्रिवेणी संगम में स्नान करने को। पति के गुजरने के बाद, कुंभ मेले के पवित्र स्नान की आस छोड़ चुकी मां ने मन में ईश्वर का आभार माना। मन में बेटे को भी आशीर्वाद देते हुए कहा, 'ऐसी आज्ञाकारी संतान सबको नसीब हो। बेटा भी इस पुण्य का भागीदार बनेगा।' फिर जय गंगा मैया! का जयकारा लगाते मां नदी में डुबकियां लगाने लगी। सुध-बुध खोकर, श्रद्धा भाव से स्नान करने लगी। आलोक ने मोबाइल स्विच ऑफ कर रखा था।

उधर खुशबू मोबाइल पर आलोक से हाल-चाल लेना चाह रही थी, लेकिन मोबाइल बंद होने के कारण चिंतातुर हो उठी। रात में सास के साथ पति को घर लौटा देखकर उसकी सारी चिंताएं दूर हो गईं। तुरंत पति को कमरे में ले जाकर सास के बारे में पूछा, 'तुम तो अपनी मां को कुंभ में छोड़कर आने वाले थे, पर इनको साथ लेकर वापस आ गए?'

आलोक ने जवाब दिया, 'दरअसल, तुम्हारे बहकावे में आकर, मां को कुंभ मेले में छोड़कर आने वाला था। लेकिन वहां एक महिला की सास गुम हो गई थी, वो दहाड़े मारकर रोने लगी।

मेरा मन अपनी मां के लिए द्रवित हो गया। आत्मग्लानि होने लगी। इसके अलावा मैंने वहां देखा कि श्रद्धालुओं की सेवा और सहायता भी की जा रही है, ताकि वे बेहतर अनुभव लेकर घर लौटें। मैं भला कटु अनुभव लेकर पाप का भागीदारी कैसे बनता? इसलिए मां को साथ ले आया। तुम बार-बार फोन करके मां के बारे में न पूछो, इसलिए मोबाइल स्विच ऑफ किया था।'

पति की बातें सुनकर, खुशबू को भी पछतावा हुआ, बोली 'मैं कितनी स्वार्थी मूरख हूं, जो मां से मुक्ति चाहती थी।' उधर मां चुपके से बहू-बेटे की बातें सुनकर, दोनों को आशीर्वाद दे रही थी। *

सरस्वती पूजन

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

उसने कई दीप प्रज्ज्वलित कर मां की वंदना की, 'या कुंदेंदुतुषार हार धवला... हे श्वेतांबरा मन-मस्तिष्क का अंधकार दूर कर, ज्ञान से आलोकित कर दो।' फिर घंटी बजाई।

'मां! प्रसाद..!' उसके बेटे गोलू-छोटू का ध्यान, हमेशा की तरह पूजा से अधिक प्रसाद की ओर ही था। केसरिया भात तो दोनों को बहुत पसंद है।

तभी बर्तनों की आवाज से लगा कि कमली आ गई है शायद! हाथ में प्रसाद लिए वह आंगन की ओर गई। कमली के पास ही आठ-दस साल का बच्चा, रूखे बाल, सूखे चेहरे पर कंचे सी चमकती आंखें और देह पर अपनी उम्र से बड़े कपड़े लटकाए आंगन में बैठा कोयले से लगातार आड़ी-तिरछी रेखाएं खींच रहा था।

कमली ने बिना उसके पूछे बताया, 'मैडम जी, जे हमाओ बड़ो बेटा आय। कल रात इसके बाप ने खूब दारू पी लई और सबन को गरियान लगा। इत्तो गुस्सा में हतो कि जलते चूल्हा में इसका बैग फेंक दओ। अब बिना किताबों के ये इस्कूल कैसे जै है? खूब परेशान हो गए सम तो। सिर पिरान लगो है।'

'अब..?' उसने पूछा।

'हमें तो कछु नहीं समझ आ रओ। पता नहीं का हुई है।' कमली की आवाज में गहरी चिंता थी।

'मॉम... मॉम! बाय-बाय!' कहते हुए गोलू और छोटू दोनों अपना-अपना बस्ता टांगे अपने पापा के साथ कार में जा बैठे।

कमली का लड़का अभी भी कोयले से जमीन काली कर रहा था।

'कमली यह ले।' उसने पूजा की थाली में चढ़ाए पांच सौ के दो नोट उठा कर कमली की हथेली पर रख दिए और बोली, 'इसे आज ही किताबें खरीद देना और रोज चार बजे मेरे पास पढ़ने के लिए भेज देना। गोलू-छोटू के साथ यह भी पढ़ लेगा।'

सहसा बहती वासंती बयार से मां सरस्वती की मूरत पर चढ़ा पीला फूल नीचे गिर गया। हाल ही में पूजी गई पुस्तकों के पन्ने फड़फड़ाने लगे। दिपदिपाता दीपक जल रहा था। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज और उन्हें प्रोत्साहित करने की सरकार की प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शनिवार को यहां पेश किए गए केंद्रीय बजट में सबसे ज्यादा फायदा हुआ। खेलों के लिए आवंटन में 351.98 करोड़ रुपए की भारी बढ़ोतरी की घोषणा की गई है जिसका सबसे बड़ा हिस्सा खेलो इंडिया कार्यक्रम को मिलेगा।

खेल बजट : रिकॉर्ड 3,794.30 करोड़ रुपए आवंटित, खेलो इंडिया को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस महत्वाकांक्षी योजना को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह 2024-25 के 800 करोड़ रुपए के अनुदान से 200 करोड़ रुपए अधिक है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय को कुल मिलाकर 3,794.30 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। यह रकम पिछले साल की तुलना में 351.98 करोड़ रुपए अधिक है।

साइ के लिए 815 करोड़ रुपए

भारत वर्तमान में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए एक महत्वाकांक्षी बोली की तैयारी कर रहा है। भारत ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को एक आशय पत्र प्रस्तुत किया है। राष्ट्रीय शिविरों के संचालन और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए साजो-सामान व्यवस्था के लिए नोडल निकाय भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लिए आवंटन 815 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 830 करोड़ रुपए कर दिया गया। साइ देश भर में स्टेडियमों के रखरखाव और उपयोग के लिए भी जिम्मेदार है।

'यह खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ खेलो इंडिया को बढ़ावा देगा और युवा-केंद्रित विकास पहलों का विस्तार करेगा। इससे खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी सशक्त होगी।'
- मनसुख मांडविया
खेल मंत्री

खेल महासंघों को फायदा

यह बढ़ोतरी इस बात को ध्यान में रखते हुए अधिक है कि अगले वर्ष ओलंपिक, राष्ट्रमंडल या एशियाई खेलों जैसा कोई बड़ा खेल आयोजन नहीं है। राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता के लिए निर्धारित राशि को भी 340 करोड़ रुपए से मामूली तौर पर बढ़ाकर 400 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में बढ़ेंगी खेल सुविधाएं

जम्मू-कश्मीर में खेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए 20 करोड़ रुपए के कोष को मंजूरी दी गई है, जो पिछले साल से 14 करोड़ रुपये ज्यादा है। बढ़े हुए बजट का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय सेवा योजना को दिया जाएगा। इसे 450 करोड़ रुपए मिलेंगे, जो पिछले वर्ष से 200 करोड़ रुपए अधिक है। राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य 'स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं के चरित्र और व्यक्तित्व का विकास करना' है। यह एक ऐसी योजना है जो सामाजिक कार्य और सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं को आकार देने की दिशा में काम करती है।

नाडा करेगा और अधिक टेस्ट

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के लिए भी इसी तरह की बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। उसे वित्तीय वर्ष में 23 करोड़ रुपए मिलेंगे जो 2024-25 के 18.70 करोड़ रुपए से अधिक है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी का बजट 20.30 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 24.30 करोड़ रुपए कर दिया गया। साल 1998 में गठित राष्ट्रीय खेल विकास कोष में 18 करोड़ रुपए का योगदान लगातार दूसरे वर्ष जारी रहेगा।

प्रोत्साहन राशि घटी

सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए अनुदान को 42.65 करोड़ रुपए से घटा कर 37 करोड़ रुपए करने का फैसला किया है। इसी तरह की कटौती की घोषणा राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम और युवा छात्रावास के कोष में भी की गई है। बहुपक्षीय निकायों और युवा विनिमय कार्यक्रमों के लिए योगदान को हालांकि 11.70 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 55 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

रणजी ट्रॉफी : ग्रुप ए तालिका में 29 अंक से शीर्ष पर

मुंबई की 'सबसे बड़ी जीत', मेघालय को पारी और 456 रन से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| मुंबई

शार्दुल ठाकुर और तनुष कोटियान के चार चार विकेट की बदौलत मुंबई की टीम शनिवार को यहां मेघालय को पारी और 456 रन से रौंदकर रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। मुंबई के इस जीत से 29 अंक हो गए हैं और जम्मू कश्मीर के भी इतने ही अंक हैं लेकिन गत चैम्पियन नेट रन रेट (1.74) के आधार पर जम्मू कश्मीर (1.59) से आगे है।

यह जीत रणजी ट्रॉफी के इतिहास में एक पारी के लिहाज से मुंबई की सबसे बड़ी जीत थी लेकिन इसने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उनकी संभावनाओं को भी मजबूत किया जो आठ फरवरी से शुरू होगा। पहली पारी के आधार पर 585 रन के विशाल स्कोर से पिछड़ रही मेघालय की टीम के बल्लेबाज मुकाबले में दूसरी दफा विफल रहे और पूरी टीम 129 रन पर सिमट गई जिसमें ठाकुर ने 48 रन देकर चार और कोटियान ने 15 रन देकर चार विकेट झटके। मेघालय ने पहली पारी में 86 रन बनाये थे जिसके जवाब में मुंबई की टीम ने पहली पारी सात विकेट पर 671 रन बनाकर घोषित कर बोनस अंक की जीत की नींव रखी।

बंगाल ने बोनस अंक से दर्ज की जीत

कोलकाता। बंगाल ने शनिवार को यहां एलीट ग्रुप सी मैच में पंजाब पर पारी और 13 रन से जीत दर्ज की। बोनस अंक की इस जीत से बंगाल इस रणजी ट्रॉफी सत्र में अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रही। बंगाल के सात मैच में 21 अंक हैं जिससे वह पहले ही क्वालीफाई कर चुकी केरल (28) और हरियाणा (26) से पीछे है। पंजाब ने तीन विकेट पर 64 रन से खेलना शुरू किया और टीम 35.4 ओवर में 139 रन पर सिमट गई।

कोहली को नहीं मिला दूसरी पारी में खेलने का मौका

***नई दिल्ली।** ऑफ स्पिनर शिवम शर्मा के पांच विकेट की बदौलत दिल्ली ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी लीग में अपने अभियान का अंत रेलवे पर पर बोनस अंक की जीत दर्ज करके किया। दिन की शुरुआत सात विकेट पर 334 रन से करने वाली दिल्ली ने पहली पारी में 374 रन बनाकर 133 रन की बढ़त हासिल की। दोपहर के सत्र में रेलवे की टीम 30.4 ओवर में 114 रन पर ऑल आउट हो गई और उसे पारी तथा 19 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से दिल्ली को बोनस सहित सात अंक मिले। इस नतीजे से दर्शक मैच में दूसरी बार स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को बल्लेबाजी करते हुए देखने से महरूम हो गए।*

क्वार्टर फाइनल में पहुंचा गुजरात

***अहमदाबाद।** गुजरात ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच में हिमाचल प्रदेश पर नौ विकेट की जीत से क्वार्टर फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। गुजरात ने हिमाचल प्रदेश को 62.5 ओवर में 175 रन पर समेट दिया जिसने दिन की शुरुआत सुबह दो विकेट पर 63 रन से की थी। गुजरात को जीत के लिए 144 रन का लक्ष्य मिला। सलामी बल्लेबाज उर्विल पटेल (25) के जल्दी आउट होने के बाद आर्या और जयमीत ने नाबाद 114 रन की साझेदारी बनाई जिससे गुजरात ने 22.3 ओवर में जीत दर्ज की। इस नतीजे से गुजरात ने ग्रुप चरण का समापन 31 अंक से किया जिससे वह अंक तालिका में विदर्भ (34) से पीछे रहकर नॉकआउट चरण में पहुंची जबकि हिमाचल प्रदेश 21 अंक से तीसरे स्थान पर रही।*

प्रोजोरोवा ने जीता 75के आईटीएफ टेनिस टूर्नामेंट

पुणे। रूस की गैर वरीयता प्राप्त तातियाना प्रोजोरोवा ने शनिवार को यहां डेक्कन जिमखाना टेनिस कोर्ट में शीर्ष वरीयता प्राप्त फ्रांस की लिओलिया जीनजीन को 4-6, 7-5, 6-4 से हराकर 75के आईटीएफ महिला टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। विश्व रैंकिंग में 222 वें स्थान पर काबिज 21 साल की प्रोजोरोवा ने पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए दो घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले में 131 वीं रैंक पर काबिज 29 वर्षीय जीनजीन को हराया। प्रोजोरोवा को टूर्नामेंट के 24 सत्र का फाइनल जीतने पर ट्रॉफी, 75 डब्ल्यूटीए अंक और पुरस्कार राशि के रूप में 9,142 डॉलर मिले, जबकि उपविजेता जीनजीन को 49 डब्ल्यूटीए अंक और 4,886 डॉलर मिले।

38वां राष्ट्रीय खेल

10 मीटर राइफल : अर्जुन और ओजस्वी ने जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| देहरादून

अर्जुन बबूता और ओजस्वी ठाकुर की पंजाब की जोड़ी ने 38वें राष्ट्रीय खेलों के चौथे दिन शनिवार को यहां 10 मीटर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

अर्जुन और ओजस्वी ने यहां त्रिशूल निशानेबाजी परिसर में स्वर्ण पदक के लिए करीबी मैच में महाराष्ट्र के आर्य बोरसे और रुद्रांक्ष पाटिल की जोड़ी को 16-12 से हराया। खिताबी मुकाबले में दोनों टीमों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था लेकिन पंजाब की जोड़ी ने आखिरी निशाने में महाराष्ट्र के 21.0 के मुकाबले 21.4 अंक के साथ जीत पक्की की। पश्चिम बंगाल के अभिनव साव और इस्मिता भोवाल की जोड़ी ने गुजरात को 17-11 से हराकर कांस्य पदक जीता।

कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर
AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001 Phone No. 0761-2621541 E-mail:- cepwdcentral@mp.nic.in
निविदा सूचना क्रमांक-07/सा/2024-25 जबलपुर, दिनांक 30.01.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है । उल्लेखित कार्य वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने पर वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

स. क्रं.	टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
1	2025_PWDRB_395842_1	जबलपुर क्रं. -2	गंगासागर से बी. टी. तिराहा मार्ग लं. 0.78 कि.मी. एवं आनंद कुंज से पण्डा की मढ़िया मार्ग लं. 0.85 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	द्वितीय	906.37 लाख	9,06,500/-	20,000/-	16 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि 14.02.2025 समय 5 :30PM तक है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त बेवसाईट पर ही किया जावेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा ।

मुख्य अभियंता, लो.नि.वि.
जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर
G-22493/24

पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग
खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में **वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर** के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक:** डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–14–2025, दिनांक 31.01.2025. **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** सहायक मंडल अभियंता/सौगोर एवं सहायक मंडल अभियंता/दमोह क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति एवं परिवहन का कार्य। भाग-ए - सागर सहायक मंडल अभियंता सागर उपखंड के अंतर्गत 02 वर्षों के लिए बीना मालखेड़ी-डांगीधर स्टेशनों के बीच ठेकेदार के स्त्रोतों, उपकरणों, संयत्रों के श्रम से रेलवे कॉलोनी/कुएं/ओवर हेड/आवासीय/सेवा भवन आदि के ऊपर रखे गए उच्च भंडारण टैंक में रेलवे के लिए आवश्यक मात्रा में पीने के पानी की आपूर्ति और परिवहन। सभी लीड लिफ्ट के साथ। भाग-बी - दमोह: सहायक मंडल अभियंता दमोह उपमंडल के अंतर्गत 02 वर्षों की अवधि के लिए गणेशगंज से सलैया स्टेशनों के बीच ठेकेदार के स्त्रोतों, औजारों, संयत्रों के श्रम से रेलवे कॉलोनी/कुएं/ओवर हेड/आवासीय/सेवा भवन के ऊपर स्थित उच्च भंडारण टैंक में आवश्यकता पड़ने पर आवश्यक मात्रा में पीने के पानी की आपूर्ति और परिवहन सभी लीड लिफ्ट के साथ। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** ₹ 28,47,508/-. **बयाना राशि:** ₹ 57,000/-. **समापन अवधि:** 24 माह। **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तक:** 21.02.2025. **निविदा खुलने का समय 15.15 बजे तिथि:** 21.02.2025. उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्र -1, सिवनी

निविदा आमंत्रण क्र. 21/482 / व. ले.लि. / 2024-25 **निविदा सूचना** सिवनी, दिनांक 31.01.2025
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है

क्र.	टेण्डर क्र.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	अनुमानित लागत (लाख मे)	धरोहर राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा खोलने का कार्यालय का नाम एवं पता
1	2025_PWD_RB_399916	ए. आर.	उपसंभाग क्र- 2 सिवनी के अंतर्गत शासकीय डिग्री कालेज बरघाट में 2 नग सेमीनार हाल का रेनोवेशन का कार्य।	प्रथम	2000	10.64 लाख	21080	15 (पन्द्रह) दिवस	कार्यपालन यंत्री, लो. नि. दि. संभाग क्र-1 सिवनी
2	2025_PWD_RB_399917	ए. आर.	उपसंभाग क्र -2 सिवनी के अंतर्गत शासकीय डिग्री कालेज बरघाट में पाईप लाईन, डोर एवं अन्य मरम्मत कार्य ।	प्रथम	2000	5.61 लाख	11220	15 (पन्द्रह) दिवस	कार्यपालन यंत्री, लो. नि. दि. संभाग क्र-1 सिवनी
3	2025_PWD_RB_399918	ए. आर.	उपसंभाग क्र -2 सिवनी के अंतर्गत शासकीय डिग्री कालेज बरघाट में रंगाई-पुताई, पेंटिंग इत्यादि कार्य।	प्रथम	2000	9.91 लाख	19820	15 (पन्द्रह) दिवस	कार्यपालन यंत्री, लो. नि. दि. संभाग क्र-1 सिवनी
			योग 03 कार्य			26.06 लाख			

उपरोक्त वेबसाइट पर आॅनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 18.02.2025 (17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।
मध्यप्रदेश शासन के आदेश क्र. 205 / प्रस / लोनिवि / 20, भोपाल दिनांक 03.11.2020 से प्राप्त निदेशानुसार भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज प्राप्त नही किये जायेंगे, सम्पूर्ण दस्तावेज ऑनलाईन ही अपलोड किये जायेगे एवं सम्पूर्ण दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड नहीं किये जाने की स्थिति में निविदा पर विचार नही किया जावेगा ।
इलेक्ट्रानिक ई.एम.डी. (धरोहर राशि) RTGS/NEFT के माध्यम से ही स्वीकार किये जावेगें । इलेक्ट्रानिक के अलावा अन्य किसी भी रूप मे ई.एम.डी. (धरोहर राशि स्वीकार नही की जावेगी ।

G-22479/24
दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।
(इंजी. आर. के. हनुमंते) कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (स) संभाग क्र- 1 सिवनी

सूर्यकुमार सैमसन की फॉर्म पर नजर

भारत का इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टी-20 मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| मुंबई

श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम रविवार को यहां पांचवें औरअंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड का सामना करने के लिए उतरेगी तो उसकी निगाह शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी।

शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों में शामिल सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और कप्तान सूर्यकुमार यादव रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और टीम उन्हें यहां फॉर्म में लौटते हुए देखना चाहेगी। भारत ने पुणे में खेले गए चौथे मैच में 15 रन से जीत दर्ज करके पांच मैच की श्रृंखला में 3–1 से अजेय बढ़त हासिल कर ली।

भारतीय सलामी जोड़ी नाकाम

भारत भले ही श्रृंखला अपने नाम कर चुका है लेकिन सैमसन और सूर्यकुमार की खराब फॉर्म उसके लिए चिंता का विषय बना हुआ है। सैमसन इस श्रृंखला से पहले केरल की तरफ से विजय हजारे ट्रॉफी में नहीं खेले थे और उनके खेल में मैच अभ्यास की कमी स्पष्ट नजर आ रही है। सैमसन ने अभी तक चार मैच में केवल 35 रन बनाए हैं लेकिन लगता नहीं है कि भारत सलामी जोड़ी के अपने संयोजन में किसी तरह से बदलाव करेगा। विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर के बल्लेबाज सूर्यकुमार आठ महीने पहले बांग्लादेश के खिलाफ 75 रन बनाने के बाद कोई अच्छी पारी नहीं खेल पाए हैं।

मुकुंद-रामनाथन जीते, भारत ने बनाई 2-0 से बढ़त

नई दिल्ली। शशिकुमार मुकुंद और रामकुमार रामनाथन ने शनिवार को यहां अपने-अपने एकल मैच में आसान जीत दर्ज करके भारत को टोगो के खिलाफ डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के विश्व ग्रुप एक प्ले-ऑफ मुकाबले में 2-0 से बढ़त दिलाई। इस मुकाबले में पहले एकल मैच का परिणाम अपेक्षानुरुप रहा क्योंकि अजावोन विश्व रैंकिंग में शीर्ष 1000 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं है जबकि मुकुंद की विश्व रैंकिंग 365 है। इसके अलावा उन्हें घरेलू परिस्थितियों में खेलने का भी फायदा मिला। भारत के 28 वर्षीय खिलाड़ी ने डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में शुरुआती एकल के एक घंटे 15 मिनट तक चले मैच में आसानी से 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। इस तरह से मुकुंद ने डेविस कप में शानदार वापसी की।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ग्वारीघाट एवं समनापुर रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त लूप लाइन हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक: जीएसयू-एल-जी-नाग -2024-25-12 दिनांक: 25.01.2025
कार्य का नाम: नागपुर मंडल के ग्वारीघाट और समनापुर रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त लूप लाइन के प्रावधान से सम्बंधित विद्युत (जी) कार्य।
निविदा मूल्य: ₹ 47,27,904/-,
बिड सेक्युरिटी राशि: ₹ 94,600/-,
निविदा हेतु इलेक्ट्रॉनिक प्रस्ताव (ऑन-लाइन) प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक **17.02.2025** के **15:00** बजे तक।
उपरोक्त निविदा की अधिक जानकारी हेतु वेब-साइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।
मंडल विद्युत अभियंता-जीएसयू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
FL/45-207
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

ऑस्ट्रेलिया जीता, श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी हार

एजेंसी ▶▶| गॉल

ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां पहले टेस्ट में श्रीलंका को एक सत्र और एक दिन रहते पारी और 242 रन से शिकस्त दी जो मेजबान टीम की टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी हार है। श्रीलंकाई टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में 247 रन पर ढेर हो गई।

इससे पहले उसकी सबसे बड़ी टेस्ट हार 2017 में नागपुर में मिली थी जिसमें भारत ने उसे पारी और 239 रन से शिकस्त दी थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी छह विकेट पर 654 रन के स्कोर पर घोषित की थी जबकि श्रीलंका पहली पारी में 165 रन पर सिमट गई थी। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन और नाथन लियोन ने दोनों पारियों में श्रीलंका की कमजोर बल्लेबाजी को ध्वस्त करते हुए मिलकर 16 विकेट झटके। कुहनेमैन ने पहली पारी में पांच विकेट चटकाए थे, उन्होंने 149 रन देकर नौ विकेट हासिल किए जो टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उपक्रम
जबलपुर अंचल कार्यालय: राईट टाउन, जबलपुर फोन: 0761-2480065, 67, 68
शाखा - जी. एस. कॉलेज

स्वर्ण आभूषण की नीलामी

नीचे उल्लिखित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे ऋण खातों में देयता का भुगतान करने में विफल रहे हैं। पंजीकृत डाक द्वारा उन्हें भेजे गए नोटिस बैंक को बिना वितरित किए वापस आ गए हैं। इसलिए उनसे अनुरोध है कि वे देयता और अन्य शुल्कों का भुगतान करें और 24/02/2025 को या उससे पहले गिरवी रखी गई प्रतिभूतियों को भुनाएँ, ऐसा न करने पर उक्त प्रतिभूतियों को बैंक द्वारा उधारकर्ता की कीमत पर बैंक परिसर में 25/02/2025 को सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे के बीच सार्वजनिक नीलामी में बेचा जाएगा या उसके बाद बैंक के पूर्ण विवेक पर बिना किसी और सूचना के किसी अन्य सुविधाजनक तिथि पर बेचा जाएगा। सोने के आभूषणों की खरीद में रुचि रखने वाले पक्ष नीलामी में भाग ले सकते हैं।

SN	उधारकर्ता का नाम और पता	खाता नंबर	शाखा का नाम	आभूषणों का विवरण (कुल वजन ग्राम में)	शुद्धता (कैरेट)	नीलामी की तिथि	कुल बकाया
1.	अंजना सिंह पत्नी जीतेन्द्र सिंह बंगला नंबर 01, शिव गार्डन, तिलहरी, बिलहरी, मंडला रोड, तिलहरी, जबलपुर	60503469984	जी एस कॉलेज	चेन-3 नग (33.70 ग्राम) हार-03 नग (54.36 ग्राम) मंगलसूत्र-01 नग (7.74 ग्राम) रिंग-05 नग(15.06 ग्राम)	22	25-02-2025	Rs 5,25,040/- + ब्याज
2.	जीतेन्द्र सिंह पुत्र पृथ्वीपाल सिंह बंगला नंबर 01, शिव गार्डन, तिलहरी, बिलहरी, मंडला रोड, तिलहरी, जबलपुर	60503470354	जी एस कॉलेज	कंगन-3 नग(59.57 ग्राम) झाला टॉप-13 नग (51.74 ग्राम)	22	25-02-2025	Rs 5,25,040/- + ब्याज

नीलामी की शर्तें-
1. सोने की गुणवत्ता और विशिष्टताओं के लिए बैंक की कोई जिम्मेदारी नहीं है। सोने की नीलामी "जैसा है, वैसा ही" स्थिति में की जा रही है, जिसका जोखिम उधारकर्ता और क्रेता दोनों को उठाना होगा।
2. नीलाम किए जाने वाले प्रस्तावित सोने का निरीक्षण 24/02/2025 को कार्यालय समय के दौरान संबंधित शाखाओं में शाखा प्रबंधक/प्रभारी अधिकारी की उपस्थिति में किया जा सकता है।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सफल बोलीदाता को अंतिम बोली राशि पर लागू दर के अनुसार जीएसटी देना होगा।
5. सार्वजनिक नीलामी में भाग लेने के इच्छुक पक्षों को बैंक ऑफ महाराष्ट्र की उपरोक्त शाखाओं में 24/02/2025 को दोपहर 03.00 बजे या उससे पहले 10000/- रुपये की वापसी योग्य जमा राशि जमा करनी चाहिए और रसीद प्राप्त करनी चाहिए।
6. सोने की सार्वजनिक नीलामी 25/02/2025 को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे के बीच उपर्युक्त शाखाओं में होगी।

Date : 02/02/2025
Authorised Officer, Bank of Maharashtra

सच्चा रोटेरियन बिना प्रचार के अपना काम करता है लगन से : मंत्री राकेश सिंह

देश में सिकलसेल उन्मूलन की दिशा में मप्र पहले स्थान पर : राज्यपाल

रोटरी क्लब का इंटरनेशनल सम्मेलन ''अंतर्नाद'' आयोजित

हरिभूमि जबलपुर।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को रोटरी क्लब का इंटरनेशनल सम्मेलन ''अंतर्नाद'' का आयोजन होटल शॉन ऐलीजे में हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने पीड़ित मानवता की सेवा के लिए अंतर्नाद का सम्मेलन आयोजित होने पर मध्यप्रदेश के प्रथम नागरिक के रूप में सभी का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि वे 1980 से रोटरी से जुड़े हैं। मानव सेवा को ही प्रभु सेवा मानते हुए कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा करने वाले व्यक्ति या संस्था का सम्मान होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ईश्वर ने सारी सृष्टि में इंसान को बोलने की क्षमता प्रदान की है, इसलिए सभी इंसान एक-दूसरे के काम आये, सेवा से ही गौरव मिलता है। उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा आयोजित इस अंतर्नाद कार्यक्रम में कहा कि लोग अंर्तमन से पीड़ित मानवता की सेवा करें। इस अवसर पर विशेष रूप से सिकलसेल एनीमिया से बचाव व रोकथाम के संबंध में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सिकलसेल एक अनुवांशिक बीमारी है, अतः इसकी जांच हो और समय पर उपचार सुनिश्चित हो। सिकलसेल वाहकों के आपस में विवाह न हो, विवाह पूर्व सिकलसेल कार्ड का मिलान अवश्य कर लें। यदि सिकलसेल वाहक माता के गर्भ में जैसे ही बच्चा होने का पता चलता है तुरंत उसकी जांच शुरू कर दें। सिकलसेल एक गंभीर बीमारी है। यह बीमारी मुख्यतः जनजातीय परिवारों में ज्यादा पाई जाती है। मध्यप्रदेश में सिकलसेल स्क्रीनिंग व सिकलसेल कार्ड बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है और पूरे देश में सिकलसेल उन्मूलन की दिशा में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब, लॉयंस क्लब, चेंबर ऑफ कॉमर्स आदि विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से पीड़ित मानवता की सेवा के लिए कार्य किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि सिकलसेल एनीमिया से बचाव की दिशा में भी ऐसी संस्थाएं आगे आकर कार्य करे। साथ ही कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए आगे आकर कार्य करें।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि भीतर से आ रही वो आवाज जो जीवन की सच्चाईयों से परिचित कराती है और सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती है वही अंतर्नाद है। इस अंतर्नाद में पीड़ित मानवता के हित के लिए आज सम्मेलन है। जिसमें रोटरी क्लब आगे आकर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक सच्चा रोटेरियन बिना पब्लिसिटी के अपना काम लगन से करता है। पीड़ित मानवता के लिए होने वाले कार्यों में बहुत हद तक रोटरी क्लब की प्रेरणा ही होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनेक कार्य प्रणाली से पीड़ित मानवता की सेवा का जिक्र करते हुए कहा कि गरीब व दीनहीन के साथ पर्यावरण, सिकलसेल एनीमिया से बचाव आदि विभिन्न ऐसे कार्य जो समाज के लिए आवश्यक हैं वह करना चाहिए। दीन-दुखियों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में तथा पर्यावरण के लिए जो अच्छे काम करते हैं उनकी समाज में बहुत आवश्यकता है। उन्होंने पर्यावरण व जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि जबलपुर की दो बावलियां के जीर्णोद्धार कर उन्हें नए स्वरूप में लाये हैं तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप उन बावलियों को जल मंदिर नाम दिया गया है।

राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने कहा कि रोटरी क्लब पीड़ित मानवता की सेवा के लिए सतत रूप से सक्रिय है। समय-समय पर इस दिशा में प्रभावी काम भी किया जा रहा है। कोविड काल तथा उसके आगे और पीछे भी रोटरी लगन के साथ सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और सिकलसेल एनीमिया की रोकथाम व बचाव की दिशा में भी कार्य करेगा। कार्यक्रम के संदर्भ में डॉ. जितेन्द्र जामदार ने स्वागत भाषण में कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए रोटरी क्लब सदैव तत्पर है। उन्होंने सिकलसेल एनीमिया की उन्मूलन के लिए भी प्रभावी रूप से कार्य करने को कहा। कार्यक्रम के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर अनिरूद्ध रॉय सहित अन्य रोटेरियन, कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

वन अमले के पहुंचने से पहले मृत तेंदुआ मंडला बार्डर पर फेंका

समाधि रोड पर ग्राम बारहा के पास तेंदुए का शिकार

हरिभूमि, जबलपुर।

वीरांगना रानी दुर्गावती समाधि स्थल के समीप ग्राम बारहा में तेंदुए के शिकार का मामला सामने आया है। वन परिक्षेत्र जबलपुर के अंतर्गत आने वाले बरगी - समाधि रोड पर तेंदुए की लाश मिलने से हड़कंप मच गया और सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा, लेकिन वन अमले के पहुंचने के पहले ही शिकारियों ने मौका पाकर तेंदुए के शव को गायब कर दिया था। जब वन अमले ने सूचनाकर्ता द्वारा बताए स्थल के हालात देखे तो सभी दंग रह गए। मौके पर तेंदुए के कुछ बाल पड़े हुए थे, लेकिन शव गायब था। जिसके बाद पूरे क्षेत्र की सर्चिंग की गई तो शव मंडला बार्डर से बरामद हुआ। जिसके बाद शव को पोस्ट मार्टम के लिए रवाना किया गया।

जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह 11 बजे समाधि स्थल से गुजर रहे एक राहगीर ने झाड़ियों के पास से तेज दुर्गंध महसूस की। उसने नजदीक जाकर देखा तो झाड़ियों में एक तेंदुए का शव पड़ा हुआ था। जिससे दुर्गंध आ रही थी। राहगीर ने तत्काल वन विभाग को इस बात की सूचना दी और आगे चला गया। सूचना पर जब वन अमला पहुंचा तो उन्हें बताएं गए स्थान पर कुछ नहीं मिला। लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा था कि किसी को झाड़ियों के बीच से घसीटा गया है। लिहाजा अमले ने पड़ताल की और पाया कि तेंदुए के शव को घसीट कर किसी अज्ञात द्वारा जबलपुर -मंडला बार्डर पर बनी दीवार के पीछे फेंक दिया था। चूंकि सूचना पर मंडला रेंज का अमला पहुंच गया था। लिहाजा तेंदुए के शव को निकलवाया गया और पोस्ट मॉर्टम के लिए भेजा गया। वन विभाग का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। वहीं तेंदुए की मौत किन परिस्थितियों में हुई इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा।

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, युवक की मौत

जबलपुर। बरगी थाना अंर्तगत बरगी के पास रात करीब 3 बजे के आसपास हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में कार चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रेलवे में पदस्थ 34 वर्षीय आनंद राय रात करीब 12 बजे जबलपुर से बरगी जा रहे थे। जैसे ही वे शिवानी ढाबा के पास पहुंचे, उनकी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। तेज रफ्तार होने के कारण कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से टूट गया। आनंद राय कार के अंदर फंस गए और स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है।

2 दुकानों पर छापा, कॉपी राइट एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

नामी कंपनियों का मार्क लगाकर बेच रहे थे नकली सामान

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में नामी कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद बेचने के आरोप में कंपनी प्रतिनिधियों के साथ मदन महल थाना पुलिस ने पुराने बस स्टैंड स्थित दो दुकानों में छापा मारा। यहां नामी कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद बेचने पर संचालकों के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट के उल्लंघन का प्रकरण दर्ज किया गया। मदन महल थाना पुलिस के अनुसार थाने में महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी की ओर प्राधिकृत अधिकारी परविंदर सिंह द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत की जांच के लिए थाने से बल श्री सिंह एवं संजय कुमार की निशान देही पर सर्वप्रथम पुराने बस स्टैंड, ब्रिटिश फोर्ट स्कूल के सामने स्थित दुकान राजपाल मोटर्स में छापे की कार्रवाई की गई। जांच में पुलिस ने पाया कि दुकान मालिक गौरीघाट निवासी दीपक भाटिया पिता राजपाल भाटिया के कर्मचारी लम्हेटा निवासी 25 वर्षीय दीपक पटेल पिता रिब्बू पटेल द्वारा महिन्द्रा कंपनी के नकली ट्रेडमार्क स्पेयर पार्ट जिसमें 6 आयल फिल्टर, 2 एयर फिल्टर, 4 क्लच प्लेट मिले। इस तरह कुल 12 स्पेयर पार्ट में से 1 स्पेयर पार्ट परीक्षण के लिए पृथक किया गया। इसके बाद कंपनी प्रतिनिधियों की निशानदेही पर एम. आर. मोटर्स दुकान पर दबिश दी गई। दुकान मालिक मिलौनीगंज हनुमानताल निवासी मोहम्मद वसीम की दुकान से महिन्द्रा कंपनी के नकली ट्रेडमार्क स्पेयर पार्ट मिले। जिसमे 1 वाटरपंप असेम्बली, 7 व्हील बैरिंग, 6 आयल फिल्टर जब्त किए गए। आरोपी दुकान मालिक मोहम्मद वसीम एवं आरोपी दुकान मालिक दीपक भाटिया पिता राजपाल भाटिया निवासी गौरीघाट जबलपुर का कृत्य धारा 63,65 कापीराइट एक्ट 1957 का होना पाए जोन पर प्रकरण दर्ज किया गया।

महिला अधिकारी से अशोभनीय टिप्पणी का मामला

सीसीटीवी फुटेज बन रहा है विवाद का केंद्र

हरिभूमि, जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) के कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा पर एक महिला अधिकारी द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए सीसीटीवी फुटेज अब एक नई चुनौती बनकर उभरा है। महिला अधिकारी ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु पर बैठक के दौरान अशोभनीय टिप्पणी और अभद्र इशारे करने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही, महिला अधिकारी ने इन आरोपों को साबित करने के लिए कुलगुरु के कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी मांगा था। महिला अधिकारी ने करीब दो महीने पहले अपनी शिकायत राज्य महिला आयोग, उच्च शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय के कुलसचिव को सौंपी थी, जिसमें उन्होंने कुलगुरु के खिलाफ आरोप लगाए थे। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा फुटेज उपलब्ध न कराए जाने पर महिला अधिकारी ने मप्र हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने कोर्ट से मांग की कि फुटेज को सुरक्षित किया जाए, क्योंकि वह उनके आरोपों का महत्वपूर्ण सबूत हो सकता है।

हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कुलसचिव और जबलपुर कलेक्टर को सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। इसके बाद कुलसचिव ने विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर विभाग के प्रमुख की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया और उन्हें फुटेज को 31 जनवरी तक सुरक्षित करने के निर्देश दिए।

कहां गई फुटेज

हालांकि, जब कमेटी ने कुलगुरु कार्यालय से सीसीटीवी फुटेज की मांग की, तो एक नई समस्या सामने आई। विश्वविद्यालय के कुलगुरु के कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर को उनके निजी स्टाफ के पास रखा जाता है, जिस कारण फुटेज की उपलब्धता में देरी हो रही है। कमेटी ने फुटेज की उपलब्धता के लिए कुलगुरु के निजी सचिव कार्यालय से मदद मांगी, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है।

जांच में देरी और कुलसचिव का निर्देश

इस बीच, महिला अधिकारी ने यह भी बताया कि शिकायत किए जाने के दो महीने बाद भी मामले की जांच शुरू नहीं हो पाई है। इसके बाद कुलसचिव कार्यालय ने 29 जनवरी को विश्वविद्यालय की महिला हिंसा और यौन उत्पीड़न शिकायत निवारण कमेटी को पत्र भेजते हुए मामले की जांच करने का निर्देश दिया और एक सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलगुरु के खिलाफ कई सवाल खड़े कर दिए हैं, और अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और महिला अधिकारी को न्याय मिलता है या नहीं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240